खड्गादि पञ्चदश माला

Sri Sri Vimarshananda Nathendra Saraswathi Swamigal

Preface to the first edition

With the blessings of our Guru Sri Sri Vimarshananda Nathendra Saraswathi Maha Swamigal and Lalitha Maha Triupura Sundari, we are very happy to release this book on the occasion of the 19th Aradhana of Sri Swamigal, celebrated on the Mahalaya Amavasya day (11th October 2015) at the Bhaskara Prakasha Ashram, Brampton, Ontario, Canada.

Sri Devi Khadgaadi Panchadasha Mala Parayanam has been mentioned as a powerful mantra for a Sri Vidya Upasaka for Devi worship and appears as Uma-Maheshwara Samvaada in Vamakeshwara Tantra.

The Mala or the garland is of five types: Sambudhyanta, Namonta, Swaahaanta, Tarpanaanta and Jayaanta. Each type is combined with Srichakra Devatas. These Devatas are worshipped in the form of Shakti (Female), Shiva (Male) and Shiva-Shakti (Combinination of Female and Male). Thus the five types of Malas combined with Shakti, Shiva and Shiva-Shakti Mithuna (5 x 3) Devatas of the Sri Chakra comprise fifteen or Panchadasha Malas.

The first Mala - The Sambudhyanta Shakti Mala is alone called Khadgamala, since by reciting it and offering this Mala to the Devi, we pray for Her protection.

The second Mala - The Namonta Shakti Mala is called Paaduka Mala and by offering this garland to the Devi, the devotee seeks to reach Her Paduka or Lotus feet

The third Mala - The Swaahaanta Shakti Mala is offered to Her to seek Anjana Siddhi. The devotee here prays to see prosperity around him. Similarly, for each one of the 15 Malas, the Devi bestows different boons to the devotees.

Reciting all the Malas with Sri Vidya initiation along with Lalitha Sahasranama and Trishati invokes Maha Tripurasundari with all Her Aavarna Devatas.

This text has been typed from the manuscript written by Sri K.S. Kameswaran during his learning of Khadgadi Mala from his father and Guru Sri Sri Prakashananda Natha Saraswathi Swamigal our Paramaguru.

We are thankful to our ashram volunteers for their efforts in bringing out this publication. Our special thanks are due to Srikanth Vaidyanathan, Sriram Srinivasan and Akhila Ranganathan for their untiring efforts.

We sincerely hope that this book will be useful for the devotees of Maha Tripura Sundari for their daily prayers.

K.R.Yegnarathnam

Raghu Ranganathan

Bhaskara Prakasha Ashram

11th October 2015

Toronto, Canada

Table of Contents

पारायण क्रमः 1

अथ समष्टि माला 4

अथ शुद्ध शक्तिमाला 8

अथ शुद्ध शक्ति नमोन्तमाला 12

अथ शुद्ध शक्ति स्वाहान्तमाला 16

अथ शुद्ध शक्ति तर्पणान्तमाला 20

अथ शुद्ध शक्तिजयान्तमाला 24

अथ शुद्ध शिवमाला 28

अथ शुद्ध शिव नमोन्तमाला 32

अथ शुद्ध शिव स्वाहान्तमाला 36

अथ शुद्ध शिव तर्पणान्तमाला 40

अथ शुद्ध शिव जयान्तमाला 44

अथ शुद्ध शक्तिशिव मिथुनमाला 48

अथ शुद्ध शक्तिशिव मिथुन नमोन्त माला 54

अथ शुद्ध शक्तिशिव मिथुन स्वाहान्त माला 60

अथ शुद्ध शक्तिशिव मिथुन तर्पणान्त माला 66

अथ शुद्धशक्तिशिव मिथुन जयान्तमाला 72

अथ सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला 79

पारायण क्रमः

The Khadgaadi Mala can be offered in one of the following ways.

1. The Khadgaadi Malas Parayanam is started on Shukla Prathama. Ideally, The **Samashti Mala** is chanted first, followed by the Mala applicable (refer to the table next page) for that day (tithi) and then completed with The **Swarna Kusumanjali Mala**. This sequence is repeated every day, substituting only the middle part with that day's (tithi) Mala.

(or)

2. The entire Khadgaadi Mala can be offered in one day itself, following the same method of beginning with **The Samashti Mala**, followed by all the 15 Malas and completing with The **Swarna Kusumanjali Mala** at the end.

(or)

3. Those with time constraints may opt to begin with The **Samashti Mala** only once on day 1 (Shukla Prathama) and continue every day with that day's (tithi) Mala. On day 30 (Pournami), **The Swarna Kusumanjali Mala** is offered at the end to conclude the Khadgaadi Malas cycle.

Exceptions:

1. For days with two ruling tithi (Tithi Dwayam), the Mala applicable for both the tithi are offered together.

2. For days with no ruling tithi (Shoonya tithi), though it is not a must,it is however advisable to offer the Mala applicable for the previous tithi, just to maintain the continuity.

दिन	शुक्ल पक्षः तिथि	पारायण क्रम :	दिन	कृष्णपक्षः तिथि	पारायण क्रमः
1	प्रथमा	समष्टि माला शुद्ध शक्तिमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला	16	प्रथमा	समष्टि माला शुद्ध शक्ति शिव मिथुन जयान्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला
2	द्वितीया	समष्टि माला शुद्ध शक्ति नमोन्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला	17	द्वितीया	समष्टि माला शुद्ध शक्ति शिव मिथुन तर्पणान्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला
3	त्रितीया	समष्टि माला शुद्ध शक्ति स्वाहान्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला	18	त्रितीया	समष्टि माला शुद्ध शक्ति शिव मिथुन स्वाहान्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला
4	चतुर्थि	समष्टि माला शुद्ध शक्ति तर्पणान्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला	19	चतुर्थि	समष्टि माला शुद्ध शक्ति शिव मिथुन नमोन्तामाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला
5	पञ्चमि	समष्टि माला शुद्ध शक्ति जयान्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला	20	पञ्चमि	समष्टि माला शुद्ध शक्ति शिव मिथुन माला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला
6	षष्ठि	समष्टि माला शुद्ध शिवमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला	21	षष्ठि	समष्टि माला शुद्ध शिव जयान्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला
7	सप्तमि	समष्टि माला	22	सप्तमि	समष्टि माला

		शुद्ध शिव नमोन्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला			शुद्ध शिव तर्पणान्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला
8	अष्टमि	समष्टि माला शुद्ध शिव स्वाहान्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला	23	अष्टमि	समष्टि माला शुद्ध शिव स्वाहान्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला
9	नवमि	समष्टि माला शुद्ध शिव तर्पणान्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला	24	नवमि	समष्टि माला शुद्ध शिव नमोन्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला
10	दशमि	समष्टि माला शुद्ध शिव जयान्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला	25	दशमि	समष्टि माला शुद्ध शिवमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला
11	एकादशि	समष्टि माला शुद्ध शक्ति शिव मिथुन माला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला	26	एकादशि	समष्टि माला शुद्ध शक्ति जयान्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला
12	द्वादशि	समष्टि माला शुद्ध शक्ति शिव मिथुन नमोन्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला	27	द्वादशि	समष्टि माला शुद्ध शक्ति तर्पणान्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला
13	त्रयोदशि	समष्टि माला शुद्ध शक्ति शिव मिथुन स्वाहान्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला	28	त्रयोदशि	समष्टि माला शुद्ध शक्ति स्वाहान्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला
14	चतुर्दशि	समष्टि माला शुद्ध शक्ति शिव मिथुन तर्पणान्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला	29	चतुर्दशि	समष्टि माला शुद्ध शक्ति नमोन्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला
15	पौर्णमि	समष्टि माला शुद्ध शक्ति शिव मिथुन जयान्तमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला	30	अमावास्या	समष्टि माला शुद्ध शक्तिमाला सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला

॥ अथ समष्टि माला ॥

अस्य श्री सौभाग्य दायक पञ्चदश विद्यामाला महामन्त्रस्य अरुणादित्यादयो ऋषयः । गायत्र्यादि पञ्चदश छन्दांसि । श्री पञ्चदश विद्यामाला मण्डलरूपिणी श्री ललिताविद्या महाभट्टारिका देवता ॥

क ए ई ल ह्री बीजं । ह स क ह ल ह्रीं शक्तिः । स क ल ह्रीं कीलकं । मम खड्गादि मोक्षान्त पञ्चदश सिद्धौ विनियोगः ।

क ए ई ल ह्रीं	अङ्गुष्ठाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	तर्जनीभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	मध्यमाभ्यां नमः
क ए ई ल ह्रीं	अनामिकाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	कनिष्ठिकाभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	करतल करपृष्ठाभ्यां नमः

क ए ई ल ह्रीं	हृदयाय नमः
ह स क ह ल ह्रीं	शिरसे स्वाहा
स क ल ह्रीं	शिखायै वषट्
क ए ई ल ह्रीं	कवचाय हुं
ह स क ह ल ह्रीं	नेत्र त्रयाय वौषट्
स क ल ह्रीं	अस्त्राय फट्
भूर्भुवस्सुवरों इति दिग्बन्धः ।	

ध्यानं

तटिल्लेखा तन्वीं तपन शशि वैश्वानरमयीं निषण्णां षण्णा मप्युपरि कमलानां तव कलाम् ।
महापद्माटव्यां मृदित मलमायेन मनसा महान्तः पश्यन्तो दधति परमाह्लाद लहरीम् ॥
स्वदेहोद्भूताभि र्घृणिभि रणिमाद्याभि स्सिद्धिभि रभितो निषेव्यां यस्त्वा महमिति भावयति सः ।
किमाश्चर्यं तस्य त्रिणयन समृद्धिं तृणयतः महा संवर्त्ताग्नि र्विरचयति नीराजन विधिम् ॥

लमित्यदि पञ्चपूजा ॥

(मूलं उच्चार्य)

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क ए ई ल ह्रीं ह स क ह ल ह्रीं स क ल ह्रीं ॥

ओं ऐं ह्रीं श्रीं
ओं नमस्त्रिपुरसुन्दरि
हृदय देवि
शिरोदेवि
शिखादेवि
कवचदेवि
नेत्रदेवि
अस्त्रदेवि
कामेश्वरि
भगमालिनि
नित्यक्लिन्ने
भेरुण्डे
वह्निवासिनि
महावज्रेश्वरि
शिवदूति
त्वरिते
कुलसुन्दरि
नित्ये
नीलपताके
विजये
सर्वमङ्गले
ज्वालामालिनि
चित्रे
महानित्ये
परमेश्वरपरमेश्वरमयि
मित्रेशमयि
षष्ठीशमयि
ओड्डीशमयि
चर्यानन्दनाथमयि
लोपामुद्रामयि
अगस्त्यमयि
कालतापनमयि
धर्माचार्यनाथमयि
मुक्तकेशेश्वरमयि
दीपकलानाथमयि
विष्णुदेवमयि
प्रभाकरदेवमयि
तेजोदेवमयि
मनोजदेवमयि
कल्याणदेवमयि
रत्नदेवमयि
वासुदेवमयि
श्री रामानन्दनाथमयि
परप्रकाशानन्दनाथमयि
परशिवानन्दनाथमयि
पराशक्त्यम्बामयि
पराधिकानन्दनाथमयि
कुलेश्वरानन्दनाथमयि
शुक्लादेव्यम्बामयि
कामेश्वरानन्दनाथमयि
कामेश्वर्यम्बामयि
भोगानन्दनाथमयि
क्लिन्नानन्दनाथमयि
समयानन्दनाथमयि
सहजानन्दनाथमयि
गगनानन्दनाथमयि
विश्वानन्दनाथमयि
विमलानन्दनाथमयि
मदनानन्दनाथमयि
भुवनानन्दनाथमयि
लीलानन्दनाथमयि
स्वात्मानन्दनाथमयि
प्रियानन्दनाथमयि
विमर्शानन्दनाथमयि
प्रकाशानन्दनाथमयि
रामानन्दनाथमयि

अणिमासिद्धे
लघिमासिद्धे
महिमासिद्धे
ईशित्वसिद्धे
वशित्वसिद्धे
प्राकाम्यसिद्धे
भुक्तिसिद्धे
इच्छासिद्धे
प्राप्तिसिद्धे
सर्वकामसिद्धे
ब्राह्मि
माहेश्वरि
कौमारि
वैष्णवि
वाराहि
माहेन्द्रि
चामुण्डे
महालक्ष्मीश्वरि
सर्व संक्षोभिणि
सर्व विद्राविणि
सर्वाकर्षिणि
सर्व वशङ्करि
सर्वोन्मादिनि
सर्वमहाङ्कुशे

सर्वखेचरि
सर्वबीजे
सर्वयोने
सर्वत्रिखण्डे
त्रैलोक्यमोहनचक्रस्वामिनि
प्रकटयोगिनि
कामाकर्षिणि
बुद्ध्याकर्षिणि
अहंकाराकर्षिणि
शब्दाकर्षिणि
स्पर्शाकर्षिणि
रूपाकर्षिणि
रसाकर्षिणि
गन्धाकर्षिणि
चित्ताकर्षिणि
धैर्याकर्षिणि
स्मृत्याकर्षिणि
नामाकर्षिणि
बीजाकर्षिणि
आत्माकर्षिणि
अमृताकर्षिणि
शरीराकर्षिणि
सर्वाशापरिपूरकचक्रस्वामिनि
गुप्तयोगिनि

अनङ्गकुसुमे
अनङ्गमेखले
अनङ्गमदने
अनङ्गमदनातुरे
अनङ्गरेखे
अनङ्गवेगिनि
अनङ्गाङ्कुशे
अनङ्गमालिनि
सर्वसंक्षोभणचक्रस्वामिनि
गुप्ततरयोगिनि
सर्वसंक्षोभिणि
सर्वविद्राविणि
सर्वाकर्षिणि
सर्वाह्लादिनि
सर्वसंमोहिनि
सर्वस्तम्भिनि
सर्वजृंभिनि
सर्ववशङ्करि
सर्वरञ्जनि
सर्वोन्मादिनि
सर्वार्थसाधिनि
सर्वसम्पत्तिपूरणि
सर्वमन्त्रमयि
सर्वद्वन्द्वक्षयङ्करि

सर्वसौभाग्यदायकचक्रस्वामिनि
सम्प्रदाययोगिनि
सर्वसिद्धिप्रदे
सर्वसंपत्प्रदे
सर्वप्रियङ्करि
सर्वमङ्गलकारिणि
सर्व कामफलप्रदे
सर्व दुःख विमोचनि
सर्व मृत्यु प्रशमनि
सर्वविघ्ननिवारिणि
सर्वाङ्गसुन्दरि
सर्वसौभाग्यदायिनि
सर्वार्थसाधकचक्रस्वामिनि
कुलकौल योगिनि
सर्वज्ञे
सर्वशक्ते
सर्वैश्वर्यप्रदे
सर्वज्ञानमयि
सर्वव्याधिविनाशिनि
सर्वाधार स्वरूपे
सर्वपापहरे
सर्वानन्दमयि
सर्वरक्षास्वरूपिणि
सर्वेप्सितफलप्रदे

सर्वरक्षाकरचक्रस्वामिनि
निगर्भयोगिनि
वशिनि
कामेश्वरि
मोदिनि
विमले
अरुणे
जयिनि
सर्वेश्वरि
कौलिनि
सर्वरोगहरचक्रस्वामिनि
रहस्य योगिनि
बाणिनि
चापिनि
पाशिनि
अङ्कुशिनि
महा कामेश्वरि
महा वज्रेश्वरि
महा भगमालिनि
सर्वसिद्धिप्रदायकचक्रस्वामिनि
अतिरहस्य योगिनि
महा त्रिपुरसुन्दरि
श्री महा भट्टारिके
सर्वानन्दमयचक्र स्वामिनि

परापर रहस्य योगिनि
त्रिपुरे
त्रिपुरेशि
त्रिपुरसुन्दरि
त्रिपुरवासिनि
त्रिपुराश्री
त्रिपुरमालिनि
त्रिपुरासिद्धे
त्रिपुराम्बे
त्रिपुरभैरवि
महात्रिपुरसुन्दरि
महामाहेश्वरि
महामहाराज्ञि
महामहाशक्ते
महामहागुप्ते
महामहाज्ञप्ते
महामहानन्दे
महामहास्कन्दे
महामहास्पन्दे
महामहाशये
महामहाश्रीचक्रनगरसाम्राज्यलक्ष्मि
नमस्ते नमस्ते नमस्ते स्वाहा ॥
॥ **श्रीं ह्रीं ऐं ओं** ॥

(शु–प्रथमा) ॥ **अथ शुद्ध शक्तिमाला** ॥ (कृ–अमावास्या)

अस्य श्री शुद्ध शक्तिमाला महा मन्त्रस्य उपस्थेन्द्रियाधिष्ठायी अरुणादित्य ऋषिः। गायत्री छन्दः। सात्विक ककार भट्टारक पीठस्थित कामेश्वराङ्कनिलया कामेश्वरी ललिता महाभट्टारिका देवता ॥

ऐं बीजं । क्लीं शक्तिः । सौः कीलकं । मम खडगसिद्धौ विनियोगः ।

क ए ई ल ह्रीं	अङ्गुष्ठाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	तर्जनीभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	मध्यमाभ्यां नमः
क ए ई ल ह्रीं	अनामिकाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	कनिष्ठिकाभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	करतल करपृष्ठाभ्यां नमः

क ए ई ल ह्रीं	हृदयाय नमः
ह स क ह ल ह्रीं	शिरसे स्वाहा
स क ल ह्रीं	शिखायै वषट्
क ए ई ल ह्रीं	कवचाय हुं
ह स क ह ल ह्रीं	नेत्र त्रयाय वौषट्
स क ल ह्रीं	अस्त्राय फट्
भूर्भुवस्सुवरों इति दिग्बन्धः ।	

ध्यानं

तादृशम् खड्गमाप्नोति येनहस्त स्थितेनवै ।
अष्टादश महाद्वीप सम्राट् भोक्ता भविष्यति ॥

लमित्यदि पञ्चपूजा ॥

(मूलं उच्चार्य)

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क ए ई ल ह्रीं ह स क ह ल ह्रीं स क ल ह्रीं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

ओं ऐं ह्रीं श्रीं
ओं नमस्त्रिपुरसुन्दरि
हृदय देवि
शिरोदेवि
शिखादेवि
कवचदेवि
नेत्रदेवि
अस्त्रदेवि
कामेश्वरि
भगमालिनि
नित्यक्लिन्ने
भेरुण्डे
वह्निवासिनि
महावज्रेश्वरि
शिवदूति
त्वरिते
कुलसुन्दरि
नित्ये
नीलपताके
विजये
सर्वमङ्गले
ज्वालामालिनि
चित्रे
महानित्ये

परमेश्वरपरमेश्वरमयि
मित्रेशमयि
षष्ठीशमयि
ओड्डीशमयि
चर्यानन्दनाथमयि
लोपामुद्रामयि
अगस्त्यमयि
कालतापनमयि
धर्माचार्यनाथमयि
मुक्तकेशेश्वरमयि
दीपकलानाथमयि
विष्णुदेवमयि
प्रभाकरदेवमयि
तेजोदेवमयि
मनोजदेवमयि
कल्याणदेवमयि
रत्नदेवमयि
वासुदेवमयि
श्री रामानन्दनाथमयि
परप्रकाशानन्दनाथमयि
परशिवानन्दनाथमयि
पराशक्त्यम्बामयि
पराधिकानन्दनाथमयि
कुलेश्वरानन्दनाथमयि

शुक्लादेव्यम्बामयि
कामेश्वरानन्दनाथमयि
कामेश्वर्यम्बामयि
भोगानन्दनाथमयि
क्लिन्नानन्दनाथमयि
समयानन्दनाथमयि
सहजानन्दनाथमयि
गगनानन्दनाथमयि
विश्वानन्दनाथमयि
विमलानन्दनाथमयि
मदनानन्दनाथमयि
भुवनानन्दनाथमयि
लीलानन्दनाथमयि
स्वात्मानन्दनाथमयि
प्रियानन्दनाथमयि
विमर्शानन्दनाथमयि
प्रकाशानन्दनाथमयि
रामानन्दनाथमयि
अणिमासिद्धे
लघिमासिद्धे
महिमासिद्धे
ईशित्वसिद्धे
वशित्वसिद्धे
प्राकाम्यसिद्धे

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

भुक्तिसिद्धे
इच्छासिद्धे
प्राप्तिसिद्धे
सर्वकामसिद्धे
ब्राह्मि
माहेश्वरि
कौमारि
वैष्णवि
वाराहि
माहेन्द्रि
चामुण्डे
महालक्ष्मीश्वरि
सर्व संक्षोभिणि
सर्व विद्राविणि
सर्वाकर्षिणि
सर्व वशङ्करि
सर्वोन्मादिनि
सर्वमहाङ्कुशे
सर्वखेचरि
सर्वबीजे
सर्वयोने
सर्वत्रिखण्डे
त्रैलोक्यमोहनचक्रस्वामिनि
प्रकटयोगिनि

कामाकर्षिणि
बुद्ध्याकर्षिणि
अहंकाराकर्षिणि
शब्दाकर्षिणि
स्पर्शाकर्षिणि
रूपाकर्षिणि
रसाकर्षिणि
गन्धाकर्षिणि
चित्ताकर्षिणि
धैर्याकर्षिणि
स्मृत्याकर्षिणि
नामाकर्षिणि
बीजाकर्षिणि
आत्माकर्षिणि
अमृताकर्षिणि
शरीराकर्षिणि
सर्वाशापरिपूरकचक्रस्वामिनि
गुप्तयोगिनि
अनङ्गकुसुमे
अनङ्गमेखले
अनङ्गमदने
अनङ्गमदनातुरे
अनङ्गरेखे
अनङ्गवेगिनि

अनङ्गाङ्कुशे
अनङ्गमालिनि
सर्वसंक्षोभणचक्रस्वामिनि
गुप्ततरयोगिनि
सर्वसंक्षोभिणि
सर्वविद्राविणि
सर्वाकर्षिणि
सर्वाह्लादिनि
सर्वसंमोहिनि
सर्वस्तम्भिनि
सर्वजृंभिनि
सर्ववशङ्करि
सर्वरञ्जनि
सर्वोन्मादिनि
सर्वार्थसाधिनि
सर्वसम्पत्तिपूरणि
सर्वमन्त्रमयि
सर्वद्वन्द्वक्षयङ्करि
सर्वसौभाग्यदायकचक्रस्वामिनि
सम्प्रदाययोगिनि
सर्वसिद्धिप्रदे
सर्वसंपत्प्रदे
सर्वप्रियङ्करि
सर्वमङ्गलकारिणि

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

सर्व कामफलप्रदे
सर्व दुःख विमोचनि
सर्व मृत्यु प्रशमनि
सर्वविघ्ननिवारिणि
सर्वाङ्गसुन्दरि
सर्वसौभाग्यदायिनि
सर्वार्थसाधकचक्रस्वामिनि
कुलकौल योगिनि
सर्वज्ञे
सर्वशक्ते
सर्वैश्वर्यप्रदे
सर्वज्ञानमयि
सर्वव्याधिविनाशिनि
सर्वाधार स्वरूपे
सर्वपापहरे
सर्वानन्दमयि
सर्वरक्षास्वरूपिणि
सर्वेप्सितफलप्रदे
सर्वरक्षाकरचक्रस्वामिनि
निगर्भयोगिनि
वशिनि
कामेश्वरि
मोदिनि
विमले
अरुणे
जयिनि
सर्वेश्वरि
कौलिनि
सर्वरोगहरचक्रस्वामिनि
रहस्य योगिनि
बाणिनि
चापिनि
पाशिनि
अङ्कुशिनि
महा कामेश्वरि
महा वज्रेश्वरि
महा भगमालिनि
सर्वसिद्धिप्रदायकचक्रस्वामिनि
अतिरहस्य योगिनि
महा त्रिपुरसुन्दरि
श्री महा भट्टारिके
सर्वानन्दमयचक्र स्वामिनि
परापर रहस्य योगिनि
त्रिपुरे
त्रिपुरेशि
त्रिपुरसुन्दरि
त्रिपुरवासिनि
त्रिपुराश्री
त्रिपुरमालिनि
त्रिपुरासिद्धे
त्रिपुराम्बे
त्रिपुरभैरवि
महात्रिपुरसुन्दरि
महामाहेश्वरि
महामहाराज्ञि
महामहाशक्ते
महामहागुप्ते
महामहाज्ञप्ते
महामहानन्दे
महामहास्कन्दे
महामहास्पन्दे
महामहाशये
महामहाश्रीचक्रनगरसाम्राज्यलक्ष्मि
नमस्ते नमस्ते नमस्ते स्वाहा ॥
॥ **श्रीं ह्रीं ऐं ओं** ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

(शु– द्वितीया) **॥ अथ शुद्ध शक्ति नमोन्तमाला ॥** (कृ–चतुर्दशि)

अस्य श्री शुद्ध शक्ति नमोन्तमाला महा मन्त्रस्य पाय्विन्द्रियाधिष्ठायी मित्रादित्य ऋषिः। उष्णिक् छन्दः। राजस एकार भट्टारक पीठस्थित एकवीर नाम कामेश्वराङ्क निलया एकला नाम कामेश्वरी ललिता महाभट्टारिका देवता ॥

ऐं बीजं । क्लीं शक्तिः । सौः कीलकं । मम पादुका सिद्धौ विनियोगः ।

क ए ई ल ह्रीं	अङ्गुष्ठाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	तर्जनीभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	मध्यमाभ्यां नमः
क ए ई ल ह्रीं	अनामिकाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	कनिष्ठिकाभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	करतल करपृष्ठाभ्यां नमः

क ए ई ल ह्रीं	हृदयाय नमः
ह स क ह ल ह्रीं	शिरसे स्वाहा
स क ल ह्रीं	शिखायै वषट्
क ए ई ल ह्रीं	कवचाय हुं
ह स क ह ल ह्रीं	नेत्र त्रयाय वौषट्
स क ल ह्रीं	अस्त्राय फट्
भूर्भुवस्सुवरों इति दिग्बन्धः ।	

ध्यानं

तादृशम् पादुकायुग्मं आप्नोति तव भक्तिमान्।
यदाक्रमण मात्रेण क्षणात् त्रिभुवन भ्रमः॥

लमित्यदि पञ्चपूजा ॥

(मूलं उच्चार्य)

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क ए ई ल ह्रीं ह स क ह ल ह्रीं स क ल ह्रीं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

ओं ऐं ह्रीं श्रीं

ओं नमस्त्रिपुरसुन्दर्यै	नमः
हृदय देव्यै	नमः
शिरोदेव्यै	नमः
शिखादेव्यै	नमः
कवचदेव्यै	नमः
नेत्रदेव्यै	नमः
अस्त्रदेव्यै	नमः
कामेश्वर्यै	नमः
भगमालिन्यै	नमः
नित्यक्लिन्नायै	नमः
भेरुण्डायै	नमः
वह्निवासिन्यै	नमः
महावज्रेश्वर्यै	नमः
शिवदूत्यै	नमः
त्वरितायै	नमः
कुलसुन्दर्यै	नमः
नित्यायै	नमः
नीलपताकायै	नमः
विजयायै	नमः
सर्वमङ्गलायै	नमः
ज्वालामालिन्यै	नमः
चित्रायै	नमः
महानित्यायै	नमः
परमेश्वरपरमेश्वरमय्यै	नमः
मित्रेशमय्यै	नमः
षष्ठीशमय्यै	नमः
ओड्डीशमय्यै	नमः
चर्यानन्दनाथमय्यै	नमः
लोपामुद्रामय्यै	नमः
अगस्त्यमय्यै	नमः
कालतापनमय्यै	नमः
धर्माचार्यनाथमय्यै	नमः
मुक्तकेशेश्वरमय्यै	नमः
दीपकलानाथमय्यै	नमः
विष्णुदेवमय्यै	नमः
प्रभाकरदेवमय्यै	नमः
तेजोदेवमय्यै	नमः
मनोजदेवमय्यै	नमः
कल्याणदेव मय्यै	नमः
रत्नदेवमय्यै	नमः
वासुदेवमय्यै	नमः
श्रीरामानन्दनाथमय्यै	नमः
परप्रकाशानन्दनाथमय्यै	नमः
परशिवानन्दनाथमय्यै	नमः
पराशक्त्यम्बामय्यै	नमः
पराधिकानन्दनाथमय्यै	नमः
कुलेश्वरानन्दनाथमय्यै	नमः
शुक्लादेव्यम्बामय्यै	नमः
कामेश्वरानन्दनाथमय्यै	नमः
कामेश्वर्यम्बामय्यै	नमः
भोगानन्दनाथमय्यै	नमः
क्लिन्नानन्दनाथमय्यै	नमः
समयानन्दनाथमय्यै	नमः
सहजानन्दनाथमय्यै	नमः
गगनानन्दनाथमय्यै	नमः
विश्वानन्दनाथमय्यै	नमः
विमलानन्दनाथमय्यै	नमः
मदनानन्दनाथमय्यै	नमः
भुवनानन्दनाथमय्यै	नमः
लीलानन्दनाथमय्यै	नमः
स्वत्मानन्दनाथमय्यै	नमः
प्रियानन्दनाथमय्यै	नमः
विमर्शानन्दनाथमय्यै	नमः
प्रकाशानन्दनाथमय्यै	नमः
रामानन्दनाथमय्यै	नमः
अणिमासिद्ध्यै	नमः
लघिमासिद्ध्यै	नमः
महिमासिद्ध्यै	नमः
ईशित्वसिद्ध्यै	नमः
वशित्वसिद्ध्यै	नमः
प्राकाम्यसिद्ध्यै	नमः

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

भुक्ति सिद्ध्यै	नमः	कामाकर्षिण्यै	नमः	अनङ्गाङ्कुशायै	नमः
इच्छा सिद्ध्यै	नमः	बुद्ध्याकर्षिण्यै	नमः	अनङ्गमालिन्यै	नमः
प्राप्ति सिद्ध्यै	नमः	अहंकाराकर्षिण्यै	नमः	सर्वसंक्षोभणचक्रस्वामिन्यै	नमः
सर्वकाम सिद्ध्यै	नमः	शब्दाकर्षिण्यै	नमः	गुप्ततरयोगिन्यै	नमः
ब्राह्म्यै	नमः	स्पर्शाकर्षिण्यै	नमः	सर्वसंक्षोभिण्यै	नमः
माहेश्वर्यै	नमः	रूपाकर्षिण्यै	नमः	सर्वविद्राविण्यै	नमः
कौमार्यै	नमः	रसाकर्षिण्यै	नमः	सर्वाकर्षिण्यै	नमः
वैष्णव्यै	नमः	गन्धाकर्षिण्यै	नमः	सर्वाह्लादिन्यै	नमः
वाराह्यै	नमः	चित्ताकर्षिण्यै	नमः	सर्वसम्मोहिन्यै	नमः
माहेन्द्र्यै	नमः	धैर्याकर्षिण्यै	नमः	सर्वस्तम्भिन्यै	नमः
चामुण्डायै	नमः	स्मृत्याकर्षिण्यै	नमः	सर्वजृंभिन्यै	नमः
महालक्ष्मीश्वर्यै	नमः	नामाकर्षिण्यै	नमः	सर्ववशङ्कर्यै	नमः
सर्वसम्क्षोभिण्यै	नमः	बीजाकर्षिण्यै	नमः	सर्वरञ्जन्यै	नमः
सर्वविद्राविण्यै	नमः	आत्माकर्षिण्यै	नमः	सर्वोन्मादिन्यै	नमः
सर्वाकर्षिण्यै	नमः	अमृताकर्षिण्यै	नमः	सर्वार्थसाधिन्यै	नमः
सर्ववशङ्कर्यै	नमः	शरीराकर्षिण्यै	नमः	सर्वसम्पत्तिपूरण्यै	नमः
सर्वोन्मादिन्यै	नमः	सर्वाशापरिपूरकचक्रस्वामिन्यै	नमः	सर्वमन्त्रमय्यै	नमः
सर्वमहाङ्कुशायै	नमः	गुप्तयोगिन्यै	नमः	सर्व द्वन्द्वक्षयङ्कर्यै	नमः
सर्वखेचर्यै	नमः	अनङ्गकुसुमायै	नमः	सर्व सौभाग्यदायकचक्रस्वामिन्यै	नमः
सर्वबीजायै	नमः	अनङ्गमेखलायै	नमः	सम्प्रदाययोगिन्यै	नमः
सर्वयोन्यै	नमः	अनङ्गमदनायै	नमः	सर्व सिद्धिप्रदायै	नमः
सर्वत्रिखण्डायै	नमः	अनङ्गमदनातुरायै	नमः	सर्व संपत्प्रदायै	नमः
त्रैलोक्यमोहनचक्रस्वामिन्यै	नमः	अनङ्गरेखायै	नमः	सर्व प्रियङ्कर्यै	नमः
प्रकटयोगिन्यै	नमः	अनङ्गवेगिन्यै	नमः	सर्व मङ्गलकारिण्यै	नमः

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

सर्व कामफलप्रदायै नमः
सर्व दुःख विमोचन्यै नमः
सर्व मृत्यु प्रसमन्यै नमः
सर्व विघ्न निवारिण्यै नमः
सर्वाङ्ग सुन्दर्यै नमः
सर्व सौभाग्य दायिन्यै नमः
सर्वार्थ साधकचक्रस्वामिन्यै नमः
कुलकौल योगिन्यै नमः
सर्वज्ञायै नमः
सर्व शक्त्यै नमः
सर्वैश्वर्यप्रदायै नमः
सर्व ज्ञानमय्यै नमः
सर्व व्याधि विनाशिन्यै नमः
सर्वाधार स्वरूपायै नमः
सर्वपापहरायै नमः
सर्वानन्दमय्यै नमः
सर्वरक्षास्वरूपिण्यै नमः
सर्वेप्सित फलप्रदायै नमः
सर्वरक्षाकरचक्रस्वामिन्यै नमः
निगर्भयोगिन्यै नमः
वशिन्यै नमः
कामेश्वर्यै नमः

मोदिन्यै नमः
विमलायै नमः
अरुणायै नमः
जयिन्यै नमः
सर्वेश्वर्यै नमः
कौलिन्यै नमः
सर्वरोगहरचक्रस्वामिन्यै नमः
रहस्य योगिन्यै नमः
बाणिन्यै नमः
चापिन्यै नमः
पाशिन्यै नमः
अङ्कुशिन्यै नमः
महा कामेश्वर्यै नमः
महा वज्रेश्वर्यै नमः
महा भगमालिन्यै नमः
सर्व सिद्धिप्रदायकचक्रस्वामिन्यै नमः
अतिरहस्य योगिन्यै नमः
महा त्रिपुरसुन्दर्यै नमः
श्री महा भट्टारिकायै नमः
सर्वानन्दमयचक्रस्वामिन्यै नमः
परापर रहस्य योगिन्यै नमः
त्रिपुरायै नमः

त्रिपुरेश्यै नमः
त्रिपुर सुन्दर्यै नमः
त्रिपुरवासिन्यै नमः
त्रिपुराश्रियै नमः
त्रिपुरमालिन्यै नमः
त्रिपुरासिद्धायै नमः
त्रिपुराम्बायै नमः
त्रिपुरभैरव्यै नमः
महात्रिपुरसुन्दर्यै नमः
महामाहेश्वर्यै नमः
महामहाराज्ञ्यै नमः
महामहाशक्त्यै नमः
महामहागुप्त्यै नमः
महामहाज्ञप्त्यै नमः
महामहानन्दायै नमः
महामहास्कन्दायै नमः
महामहास्पन्दायै नमः
महामहाशयायै नमः
महामहाश्रीचक्रनगरसाम्राज्यलक्ष्म्यै नमः
नमस्ते नमस्ते नमस्ते स्वाहा ॥
॥ **श्रीं ह्रीं ऐं ओं** ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

(शु–त्रितीया) ॥ **अथ शुद्ध शक्ति स्वाहान्तमाला** ॥ (कृ–त्रयोदशि)

अस्य श्री शुद्ध शक्ति स्वाहान्तमाला महा मन्त्रस्य पादेन्द्रियाधिष्ठायी धात्रादित्य ऋषिः। अनुष्टुप् छन्दः। तामस ईकार भट्टारक पीठस्थित ईश्वर नाम कामेश्वराङ्क निलया ईश्वरी नाम कामेश्वरी ललिता महाभट्टारिका देवता ॥

ऐं बीजं । क्लीं शक्तिः । सौः कीलकं । मम अञ्जन सिद्धौ विनियोगः ।

क ए ई ल ह्रीं	अङ्गुष्ठाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	तर्जनीभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	मध्यमाभ्यां नमः
क ए ई ल ह्रीं	अनामिकाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	कनिष्ठिकाभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	करतल करपृष्ठाभ्यां नमः

क ए ई ल ह्रीं	हृदयाय नमः
ह स क ह ल ह्रीं	शिरसे स्वाहा
स क ल ह्रीं	शिखायै वषट्
क ए ई ल ह्रीं	कवचाय हुं
ह स क ह ल ह्रीं	नेत्र त्रयाय वौषट्
स क ल ह्रीं	अस्त्राय फट्
भूर्भुवस्सुवरों इति दिग्बन्धः ।	

ध्यानं

शिद्धाञ्जनम् समासाद्य तेनाञ्चित विलोचनः ।
सिद्धिं पश्यति सर्वत्र भक्तस्तेन समृद्धिमान् ॥

लमित्यदि पञ्चपूजा ॥

(मूलं उच्चार्य)

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क ए ई ल ह्रीं ह स क ह ल ह्रीं स क ल ह्रीं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

ओं ऐं ह्रीं श्रीं

ओं नमस्त्रिपुरसुन्दर्यै	स्वाहा
हृदय देव्यै	स्वाहा
शिरोदेव्यै	स्वाहा
शिखादेव्यै	स्वाहा
कवचदेव्यै	स्वाहा
नेत्रदेव्यै	स्वाहा
अस्त्रदेव्यै	स्वाहा
कामेश्वर्यै	स्वाहा
भगमालिन्यै	स्वाहा
नित्यक्लिन्नायै	स्वाहा
भेरुण्डायै	स्वाहा
वह्निवासिन्यै	स्वाहा
महावज्रेश्वर्यै	स्वाहा
शिवदूत्यै	स्वाहा
त्वरितायै	स्वाहा
कुलसुन्दर्यै	स्वाहा
नित्यायै	स्वाहा
नीलपताकायै	स्वाहा
विजयायै	स्वाहा
सर्वमङ्गलायै	स्वाहा
ज्वालामालिन्यै	स्वाहा
चित्रायै	स्वाहा
महानित्यायै	स्वाहा
परमेश्वरपरमेश्वरमय्यै	स्वाहा
मित्रेशमय्यै	स्वाहा
षष्ठीशमय्यै	स्वाहा
ओड्डीशमय्यै	स्वाहा
चर्यानन्दनाथमय्यै	स्वाहा
लोपामुद्रामय्यै	स्वाहा
अगस्त्यमय्यै	स्वाहा
कालतापनमय्यै	स्वाहा
धर्माचार्यनाथमय्यै	स्वाहा
मुक्तकेशेश्वर मय्यै	स्वाहा
दीपकलानाथमय्यै	स्वाहा
विष्णुदेवमय्यै	स्वाहा
प्रभाकरदेवमय्यै	स्वाहा
तेजोदेवमय्यै	स्वाहा
मनोजदेवमय्यै	स्वाहा
कल्याणदेव मय्यै	स्वाहा
रत्नदेवमय्यै	स्वाहा
वासुदेवमय्यै	स्वाहा
श्री रामानन्दनाथमय्यै	स्वाहा
परप्रकाशानन्दनाथमय्यै	स्वाहा
परशिवानन्दनाथमय्यै	स्वाहा
पराशक्त्यम्बामय्यै	स्वाहा
पराधिकानन्दनाथमय्यै	स्वाहा
कुलेश्वरानन्दनाथमय्यै	स्वाहा
शुक्लादेव्यम्बामय्यै	स्वाहा
कामेश्वरानन्दनाथमय्यै	स्वाहा
कामेश्वर्यम्बामय्यै	स्वाहा
भोगानन्दनाथमय्यै	स्वाहा
क्लिन्नानन्दनाथमय्यै	स्वाहा
समयानन्दनाथमय्यै	स्वाहा
सहजानन्दनाथमय्यै	स्वाहा
गगनानन्दनाथमय्यै	स्वाहा
विश्वानन्दनाथमय्यै	स्वाहा
विमलानन्दनाथमय्यै	स्वाहा
मदनानन्दनाथमय्यै	स्वाहा
भुवनानन्दनाथमय्यै	स्वाहा
लीलानन्दनाथमय्यै	स्वाहा
स्वात्मानन्दनाथमय्यै	स्वाहा
प्रियानन्दनाथमय्यै	स्वाहा
विमर्शानन्दनाथमय्यै	स्वाहा
प्रकाशानन्दनाथमय्यै	स्वाहा
रामानन्दनाथमय्यै	स्वाहा
अणिमासिद्ध्यै	स्वाहा
लघिमासिद्ध्यै	स्वाहा
महिमासिद्ध्यै	स्वाहा
ईशित्वसिद्ध्यै	स्वाहा
वशित्वसिद्ध्यै	स्वाहा
प्राकाम्यसिद्ध्यै	स्वाहा

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

भुक्तिसिद्ध्यै	स्वाहा	कामाकर्षिण्यै	स्वाहा	अनङ्गाङ्कुशायै	स्वाहा
इच्छासिद्ध्यै	स्वाहा	बुद्ध्याकर्षिण्यै	स्वाहा	अनङ्गमालिन्यै	स्वाहा
प्राप्तिसिद्ध्यै	स्वाहा	अहंकाराकर्षिण्यै	स्वाहा	सर्वसंक्षोभणचक्रस्वामिन्यै	स्वाहा
सर्वकामसिद्ध्यै	स्वाहा	शब्दाकर्षिण्यै	स्वाहा	गुप्ततरयोगिन्यै	स्वाहा
ब्राह्म्यै	स्वाहा	स्पर्शाकर्षिण्यै	स्वाहा	सर्वसंक्षोभिण्यै	स्वाहा
माहेश्वर्यै	स्वाहा	रूपाकर्षिण्यै	स्वाहा	सर्वविद्राविण्यै	स्वाहा
कौमार्यै	स्वाहा	रसाकर्षिण्यै	स्वाहा	सर्वाकर्षिण्यै	स्वाहा
वैष्णव्यै	स्वाहा	गन्धाकर्षिण्यै	स्वाहा	सर्वाह्लादिन्यै	स्वाहा
वाराह्यै	स्वाहा	चित्ताकर्षिण्यै	स्वाहा	सर्वसंमोहिन्यै	स्वाहा
माहेन्द्र्यै	स्वाहा	धैर्याकर्षिण्यै	स्वाहा	सर्वस्तम्भिन्यै	स्वाहा
चामुण्डायै	स्वाहा	स्मृत्याकर्षिण्यै	स्वाहा	सर्वजृंभिन्यै	स्वाहा
महालक्ष्मीश्वर्यै	स्वाहा	नामाकर्षिण्यै	स्वाहा	सर्ववशङ्कर्यै	स्वाहा
सर्वसम्क्षोभिण्यै	स्वाहा	बीजाकर्षिण्यै	स्वाहा	सर्वरञ्जन्यै	स्वाहा
सर्वविद्राविण्यै	स्वाहा	आत्माकर्षिण्यै	स्वाहा	सर्वोन्मादिन्यै	स्वाहा
सर्वाकर्षिण्यै	स्वाहा	अमृताकर्षिण्यै	स्वाहा	सर्वार्थसाधिन्यै	स्वाहा
सर्ववशङ्कर्यै	स्वाहा	शरीराकर्षिण्यै	स्वाहा	सर्वसम्पत्तिपूरण्यै	स्वाहा
सर्वोन्मादिन्यै	स्वाहा	सर्वाशापरिपूरकचक्रस्वामिन्यै	स्वाहा	सर्वमन्त्रमय्यै	स्वाहा
सर्वमहाङ्कुशायै	स्वाहा	गुप्तयोगिन्यै	स्वाहा	सर्वद्वन्द्वक्षयङ्कर्यै	स्वाहा
सर्वखेचर्यै	स्वाहा	अनङ्गकुसुमायै	स्वाहा	सर्वसौभाग्यदायकचक्रस्वामिन्यै	स्वाहा
सर्वबीजायै	स्वाहा	अनङ्गमेखलायै	स्वाहा	सम्प्रदाययोगिन्यै	स्वाहा
सर्वयोन्यै	स्वाहा	अनङ्गमदनायै	स्वाहा	सर्वसिद्धिप्रदायै	स्वाहा
सर्वत्रिखण्डायै	स्वाहा	अनङ्गमदनातुरायै	स्वाहा	सर्वसंपत्प्रदायै	स्वाहा
त्रैलोक्यमोहनचक्रस्वामिन्यै	स्वाहा	अनङ्गरेखायै	स्वाहा	सर्वप्रियङ्कर्यै	स्वाहा
प्रकटयोगिन्यै	स्वाहा	अनङ्गवेगिन्यै	स्वाहा	सर्वमङ्गलकारिण्यै	स्वाहा

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

सर्वकामफलप्रदायै	स्वाहा
सर्वदु:खविमोचन्यै	स्वाहा
सर्वमृत्युप्रशमन्यै	स्वाहा
सर्वविघ्ननिवारिण्यै	स्वाहा
सर्वाङ्गसुन्दर्यै	स्वाहा
सर्वसौभाग्यदायिन्यै	स्वाहा
सर्वार्थसाधक चक्रस्वामिन्यै	स्वाहा
कुलकौलयोगिन्यै	स्वाहा
सर्वज्ञायै	स्वाहा
सर्वशक्त्यै	स्वाहा
सर्वैश्वर्यप्रदायै	स्वाहा
सर्वज्ञानमय्यै	स्वाहा
सर्वव्याधिविनाशिन्यै	स्वाहा
सर्वाधारस्वरूपायै	स्वाहा
सर्वपापहरायै	स्वाहा
सर्वानन्दमय्यै	स्वाहा
सर्वरक्षास्वरूपिण्यै	स्वाहा
सर्वेप्सितफलप्रदायै	स्वाहा
सर्वरक्षाकरचक्रस्वामिन्यै	स्वाहा
निगर्भयोगिन्यै	स्वाहा
वशिन्यै	स्वाहा
कामेश्वर्यै	स्वाहा

मोदिन्यै	स्वाहा
विमलायै	स्वाहा
अरुणायै	स्वाहा
जयिन्यै	स्वाहा
सर्वेश्वर्यै	स्वाहा
कौलिन्यै	स्वाहा
सर्वरोगहरचक्रस्वामिन्यै	स्वाहा
रहस्ययोगिन्यै	स्वाहा
बाणिन्यै	स्वाहा
चापिन्यै	स्वाहा
पाशिन्यै	स्वाहा
अङ्कुशिन्यै	स्वाहा
महाकामेश्वर्यै	स्वाहा
महावज्रेश्वर्यै	स्वाहा
महाभगमालिन्यै	स्वाहा
सर्वसिद्धिप्रदायकचक्रस्वामिन्यै	स्वाहा
अतिरहस्ययोगिन्यै	स्वाहा
महात्रिपुरसुन्दर्यै	स्वाहा
श्रीमहाभट्टारिकायै	स्वाहा
सर्वानन्दमयचक्रस्वामिन्यै	स्वाहा
परापररहस्ययोगिन्यै	स्वाहा
त्रिपुरायै	स्वाहा

त्रिपुरेश्यै	स्वाहा
त्रिपुरसुन्दर्यै	स्वाहा
त्रिपुरवासिन्यै	स्वाहा
त्रिपुराश्रियै	स्वाहा
त्रिपुरमालिन्यै	स्वाहा
त्रिपुरासिद्धायै	स्वाहा
त्रिपुराम्बायै	स्वाहा
त्रिपुरभैरव्यै	स्वाहा
महात्रिपुरसुन्दर्यै	स्वाहा
महामाहेश्वर्यै	स्वाहा
महामहाराज्ञ्यै	स्वाहा
महामहाशक्त्यै	स्वाहा
महामहागुप्त्यै	स्वाहा
महामहाज्ञप्त्यै	स्वाहा
महामहानन्दायै	स्वाहा
महामहास्कन्दायै	स्वाहा
महामहास्पन्दायै	स्वाहा
महामहाशयायै	स्वाहा
महामहाश्रीचक्रनगरसाम्राज्यलक्ष्म्यै	स्वाहा

नमस्ते नमस्ते नमस्ते स्वाहा ॥

॥ श्रीं ह्रीं ऐं ओं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

(शु-चतुर्थि) **॥ अथ शुद्ध शक्ति तर्पणान्तमाला ॥** (कृ–द्वादशि)

अस्य श्री शुद्ध शक्ति तर्पणान्तमाला महा मन्त्रस्य पाणीन्द्रियाधिष्ठायी अर्य्यमादित्य ऋषि:। बृहति छन्द:। भोगद लकार भट्टारक पीठस्थित लक्षसारक नाम कामेश्वराङ्क निलया लक्षसारका नाम कामेश्वरी ललिता महाभट्टारिका देवता ॥

ऐं बीजं । क्लीं शक्तिः । सौः कीलकं । मम बल सिद्धौ विनियोगः ।

क ए ई ल ह्रीं	अङ्गुष्ठाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	तर्जनीभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	मध्यमाभ्यां नमः
क ए ई ल ह्रीं	अनामिकाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	कनिष्ठिकाभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	करतल करपृष्ठाभ्यां नमः

क ए ई ल ह्रीं	हृदयाय नमः
ह स क ह ल ह्रीं	शिरसे स्वाहा
स क ल ह्रीं	शिखायै वषट्
क ए ई ल ह्रीं	कवचाय हुं
ह स क ह ल ह्रीं	नेत्र त्रयाय वौषट्
स क ल ह्रीं	अस्त्राय फट्
भूर्भुवस्सुवरों इति दिग्बन्धः ।	

ध्यानं

बलसिद्धिम् महत्प्राप्य पाताल तल योगिन:।
दृष्ट्वा ततः प्राप्य सिद्धिम् तव भक्तः सुखी भवेत् ॥

लमित्यदि पञ्चपूजा ॥

(मूलं उच्चार्य)

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क ए ई ल ह्रीं ह स क ह ल ह्रीं स क ल ह्रीं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं	
ॐ नमस्त्रिपुरसुन्दरीं	तर्पयामि
हृदय देवीं	तर्पयामि
शिरोदेवीं	तर्पयामि
शिखादेवीं	तर्पयामि
कवचदेवीं	तर्पयामि
नेत्रदेवीं	तर्पयामि
अस्त्रदेवीं	तर्पयामि
कामेश्वरीं	तर्पयामि
भगमालिनीं	तर्पयामि
नित्यक्लिन्नां	तर्पयामि
भेरुण्डाम्	तर्पयामि
वह्निवासिनीं	तर्पयामि
महावज्रेश्वरीं	तर्पयामि
शिवदूतीं	तर्पयामि
त्वरितां	तर्पयामि
कुलसुन्दरीं	तर्पयामि
नित्यां	तर्पयामि
नीलपताकां	तर्पयामि
विजयां	तर्पयामि
सर्वमङ्गलां	तर्पयामि
ज्वालामालिनीं	तर्पयामि
चित्रां	तर्पयामि
महानित्यां	तर्पयामि
परमेश्वरपरमेश्वरमयीं	तर्पयामि
मित्रेशमयीं	तर्पयामि
षष्ठीशमयीं	तर्पयामि
ओड्डीशमयीं	तर्पयामि
चयार्नन्दनाथमयीं	तर्पयामि
लोपामुद्रामयीं	तर्पयामि
अगस्त्यमयीं	तर्पयामि
कालतापनमयीं	तर्पयामि
धर्माचार्यनाथमयीं	तर्पयामि
मुक्तकेशेश्वर मयीं	तर्पयामि
दीपकलानाथमयीं	तर्पयामि
विष्णुदेवमयीं	तर्पयामि
प्रभाकरदेवमयीं	तर्पयामि
तेजोदेवमयीं	तर्पयामि
मनोजदेवमयीं	तर्पयामि
कल्याणदेवमयीं	तर्पयामि
रत्नदेवमयीं	तर्पयामि
वासुदेवमयीं	तर्पयामि
श्री रामानन्दनाथमयीं	तर्पयामि
परप्रकाशानन्दनाथमयीं	तर्पयामि
परशिवानन्दनाथमयीं	तर्पयामि
पराशक्त्यम्बामयीं	तर्पयामि
पराधिकानन्दनाथमयीं	तर्पयामि
कुलेश्वरानन्दनाथमयीं	तर्पायामि
शुक्लादेव्यम्बामयीं	तर्पयामि
कामेश्वरानन्दनाथमयीं	तर्पयामि
कामेश्वर्यम्बामयीं	तर्पयामि
भोगानन्दनाथमयीं	तर्पयामि
क्लिन्नानन्दनाथमयीं	तर्पयामि
समयानन्दनाथमयीं	तर्पयामि
सहजानन्दनाथमयीं	तर्पयामि
गगनानन्दनाथमयीं	तर्पयामि
विश्वानन्दनाथमयीं	तर्पयामि
विमलानन्दनाथमयीं	तर्पयामि
मदनानन्दनाथमयीं	तर्पयामि
भुवनानन्दनाथमयीं	तर्पयामि
लीलानन्दनाथमयीं	तर्पयामि
स्वात्मानन्दनाथमयीं	तर्पयामि
प्रियानन्दनाथमयीं	तर्पयामि
विमर्शानन्दनाथमयीं	तर्पयामि
प्रकाशानन्दनाथमयीं	तर्पयामि
रामानन्दनाथमयीं	तर्पयामि
अणिमासिद्धिं	तर्पयामि
लघिमासिद्धिं	तर्पयामि
महिमासिद्धिं	तर्पयामि
ईशित्वसिद्धिं	तर्पयामि
वशित्वसिद्धिं	तर्पयामि
प्राकाम्यसिद्धिं	तर्पयामि

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

भुक्तिसिद्धिं	तर्पयामि	कामाकर्षिणीं	तर्पयामि	अनङ्गाङ्कुशां	तर्पयामि
इच्छासिद्धिं	तर्पयामि	बुद्ध्याकर्षिणीं	तर्पयामि	अनङ्गमालिनीं	तर्पयामि
प्राप्तिसिद्धिं	तर्पयामि	अहंकाराकर्षिणीं	तर्पयामि	सर्वसंक्षोभणचक्रस्वामिनीं	तर्पयामि
सर्वकामसिद्धिं	तर्पयामि	शब्दाकर्षिणीं	तर्पयामि	गुप्ततरयोगिनीं	तर्पयामि
ब्राह्मीं	तर्पयामि	स्पर्शाकर्षिणीं	तर्पयामि	सर्वसंक्षोभिणीं	तर्पयामि
माहेश्वरीं	तर्पयामि	रूपाकर्षिणीं	तर्पयामि	सर्वविद्राविणीं	तर्पयामि
कौमारीं	तर्पयामि	रसाकर्षिणीं	तर्पयामि	सर्वाकर्षिणीं	तर्पयामि
वैष्णवीं	तर्पयामि	गन्धाकर्षिणीं	तर्पयामि	सर्वाह्लादिनीं	तर्पयामि
वाराहीं	तर्पयामि	चित्ताकर्षिणीं	तर्पयामि	सर्वसम्मोहिनीं	तर्पयामि
माहेन्द्रीं	तर्पयामि	धैर्याकर्षिणीं	तर्पयामि	सर्वस्तम्भिनीं	तर्पयामि
चामुण्डां	तर्पयामि	स्मृत्याकर्षिणीं	तर्पयामि	सर्वजृंभिनीं	तर्पयामि
महालक्ष्मीश्वरीं	तर्पयामि	नामाकर्षिणीं	तर्पयामि	सर्ववशङ्करीं	तर्पयामि
सर्वसम्क्षोभिणीं	तर्पयामि	बीजाकर्षिणीं	तर्पयामि	सर्वरञ्जनीं	तर्पयामि
सर्वविद्राविणीं	तर्पयामि	आत्माकर्षिणीं	तर्पयामि	सर्वोन्मादिनीं	तर्पयामि
सर्वाकर्षिणीं	तर्पयामि	अमृताकर्षिणीं	तर्पयामि	सर्वार्थसाधिनीं	तर्पयामि
सर्ववशङ्करीं	तर्पयामि	शरीराकर्षिणीं	तर्पयामि	सर्वसम्पत्तिपूरणीं	तर्पयामि
सर्वोन्मादिनीं	तर्पयामि	सर्वाशापरिपूरकचक्रस्वामिनीं	तर्पयामि	सर्वमन्त्रमयीं	तर्पयामि
सर्वमहाङ्कुशां	तर्पयामि	गुप्तयोगिनीं	तर्पयामि	सर्वद्वन्द्वक्षयङ्करीं	तर्पयामि
सर्वखेचरीं	तर्पयामि	अनङ्गकुसुमां	तर्पयामि	सर्वसौभाग्यदायकचक्रस्वामिनीं	तर्पयामि
सर्वबीजां	तर्पयामि	अनङ्गमेखलां	तर्पयामि	सम्प्रदाययोगिनीं	तर्पयामि
सर्वयोनिं	तर्पयामि	अनङ्गमदनां	तर्पयामि	सर्वसिद्धिप्रदाम्	तर्पयामि
सर्वत्रिखण्डां	तर्पयामि	अनङ्गमदनातुरां	तर्पयामि	सर्वसंपत्प्रदां	तर्पयामि
त्रैलोक्यमोहनचक्रस्वामिनीं	तर्पयामि	अनङ्गरेखां	तर्पयामि	सर्वप्रियङ्करीं	तर्पयामि
प्रकटयोगिनीं	तर्पयामि	अनङ्गवेगिनीं	तर्पयामि	सर्वमङ्गलकारिणीं	तर्पयामि

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

सर्वकामफलप्रदां तर्पयामि
सर्वदु:खविमोचनीं तर्पयामि
सर्वमृत्युप्रशमनीं तर्पयामि
सर्वविघ्ननिवारिणीं तर्पयामि
सर्वाङ्गसुन्दरीं तर्पयामि
सर्वसौभाग्यदायिनीं तर्पयामि
सर्वार्थसाधकचक्रस्वामिनीं तर्पयामि
कुलकौलयोगिनीं तर्पयामि
सर्वज्ञां तर्पयामि
सर्वशक्तिं तर्पयामि
सर्वैश्वर्यप्रदां तर्पयामि
सर्वज्ञानमयीं तर्पयामि
सर्वव्याधिविनाशिनीं तर्पयामि
सर्वाधारस्वरूपां तर्पयामि
सर्वपापहरां तर्पयामि
सर्वानन्दमयीं तर्पयामि
सर्वरक्षास्वरूपिणीं तर्पयामि
सर्वेप्सितफलप्रदां तर्पयामि
सर्वरक्षाकरचक्रस्वामिनीं तर्पयामि
निगर्भयोगिनीं तर्पयामि
वशिनीं तर्पयामि
कामेश्वरीं तर्पयामि

मोदिनीं तर्पयामि
विमलां तर्पयामि
अरुणां तर्पयामि
जयिनीं तर्पयामि
सर्वेश्वरीं तर्पयामि
कौलिनीं तर्पयामि
सर्वरोगहरचक्रस्वामिनीं तर्पयामि
रहस्ययोगिनीं तर्पयामि
बाणिनीं तर्पयामि
चापिनीं तर्पयामि
पाशिनीं तर्पयामि
अङ्कुशिनीं तर्पयामि
महाकामेश्वरीं तर्पयामि
महावज्रेश्वरीं तर्पयामि
महाभगमालिनीं तर्पयामि
सर्वसिद्धिप्रदायकचक्रस्वामिनीं तर्पयामि
अतिरहस्ययोगिनीं तर्पयामि
महात्रिपुरसुन्दरीं तर्पयामि
श्रीमहाभट्टारिकां तर्पयामि
सर्वानन्दमयचक्र स्वामिनीं तर्पयामि
परापररहस्ययोगिनीं तर्पयामि
त्रिपुरां तर्पयामि

त्रिपुरेशीं तर्पयामि
त्रिपुरसुन्दरीं तर्पयामि
त्रिपुरवासिनीं तर्पयामि
त्रिपुराश्रियं तर्पयामि
त्रिपुरमालिनीं तर्पयामि
त्रिपुरासिद्धां तर्पयामि
त्रिपुराम्बां तर्पयामि
त्रिपुरभैरवीं तर्पयामि
महात्रिपुरसुन्दरीं तर्पयामि
महामाहेश्वरीं तर्पयामि
महामहाराज्ञीं तर्पयामि
महामहाशक्तिं तर्पयामि
महामहागुप्तिं तर्पयामि
महामहाज्ञप्तिं तर्पयामि
महामहानन्दां तर्पयामि
महामहास्कन्दां तर्पयामि
महामहास्पन्दां तर्पयामि
महामहाशयां तर्पयामि
महामहाश्रीचक्रनगरसाम्राज्यलक्ष्मीं तर्पयामि
नमस्ते नमस्ते नमस्ते स्वाहा
॥ **श्रीं ह्रीं ऐं ओं** ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

(शु-पञ्चमि) ॥ **अथ शुद्ध शक्तिजयान्तमाला** ॥ (कृ- एकादशि)

अस्य श्री शुद्ध शक्तिजयान्तमाला महा मन्त्रस्य वागिन्द्रियाधिष्ठायी भास्करादित्य ऋषिः। पंक्तिच्छन्दः। मोक्षद ह्रींकार भट्टारक पीठस्थित हृदयनाम कामेश्वराङ्क निलया हल्लेखा नाम कामेश्वरी ललिता महाभट्टारिका देवता ॥

ऐं बीजं । क्लीं शक्तिः । सौः कीलकं । मम वाक् सिद्धौ विनियोगः ।

क ए ई ल ह्रीं	अङ्गुष्ठाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	तर्जनीभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	मध्यमाभ्यां नमः
क ए ई ल ह्रीं	अनामिकाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	कनिष्ठिकाभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	करतल करपृष्ठाभ्यां नमः

क ए ई ल ह्रीं	हृदयाय नमः
ह स क ह ल ह्रीं	शिरसे स्वाहा
स क ल ह्रीं	शिखायै वषट्
क ए ई ल ह्रीं	कवचाय हुं
ह स क ह ल ह्रीं	नेत्र त्रयाय वौषट्
स क ल ह्रीं	अस्त्राय फट्
भूर्भुवस्सुवरों इति दिग्बन्धः ।	

ध्यानं

वाग्सिद्धिर्द्विविधा प्रोक्ता शापानुग्रह दैविका।
महाकवित्व रूपा च भक्तस्तेन समृद्धिमान्॥

लमित्यदि पञ्चपूजा ॥

(मूलं उच्चार्य)

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क ए ई ल ह्रीं ह स क ह ल ह्रीं स क ल ह्रीं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

ओं ऐं ह्रीं श्रीं
ओं नमस्त्रिपुरसुन्दरि जय जय
हृदय देवि जय जय
शिरोदेवि जय जय
शिखादेवि जय जय
कवचदेवि जय जय
नेत्रदेवि जय जय
अस्त्रदेवि जय जय
कामेश्वरि जय जय
भगमालिनि जय जय
नित्यक्लिन्ने जय जय
भेरुण्डे जय जय
वह्निवासिनि जय जय
महावज्रेश्वरि जय जय
शिवदूति जय जय
त्वरिते जय जय
कुलसुन्दरि जय जय
नित्ये जय जय
नीलपताके जय जय
विजये जय जय
सर्वमङ्गले जय जय
ज्वालामालिनि जय जय
चित्रे जय जय
महानित्ये जय जय
परमेश्वरपरमेश्वरमयि जय जय
मित्रेशमयि जय जय
षष्ठीशमयि जय जय
ओड्डीशमयि जय जय
चर्यानन्दनाथमयि जय जय
लोपामुद्रामयि जय जय
अगस्त्यमयि जय जय
कालतापनमयि जय जय
धर्माचार्यनाथमयि जय जय
मुक्तकेशेश्वर मयि जय जय
दीपकलानाथमयि जय जय
विष्णुदेवमयि जय जय
प्रभाकरदेवमयि जय जय
तेजोदेवमयि जय जय
मनोजदेवमयि जय जय
कल्याणदेवमयि जय जय
रत्नदेवमयि जय जय
वासुदेवमयि जय जय
श्री रामानन्दनाथमयि जय जय
परप्रकाशानन्दनाथमयि जय जय
परशिवानन्दनाथमयि जय जय
पराशक्त्यम्बामयि जय जय
पराधिकानन्दनाथमयि जय जय
कुलेश्वरानन्दनाथमयि जय जय
शुक्लादेव्यम्बामयि जय जय
कामेश्वरानन्दनाथमयि जय जय
कामेश्वर्यम्बामयि जय जय
भोगानन्दनाथमयि जय जय
क्लिन्नानन्दनाथमयि जय जय
समयानन्दनाथमयि जय जय
सहजानन्दनाथमयि जय जय
गगनानन्दनाथमयि जय जय
विश्वानन्दनाथमयि जय जय
विमलानन्दनाथमयि जय जय
मदनानन्दनाथमयि जय जय
भुवनानन्दनाथमयि जय जय
लीलानन्दनाथमयि जय जय
स्वात्मानन्दनाथमयि जय जय
प्रियानन्दनाथमयि जय जय
विमर्शानन्दनाथमयि जय जय
प्रकाशानन्दनाथमयि जय जय
रामानन्दनाथमयि जय जय
अणिमासिद्धे जय जय
लघिमासिद्धे जय जय
महिमासिद्धे जय जय
ईशित्वसिद्धे जय जय
वशित्वसिद्धे जय जय
प्राकाम्यसिद्धे जय जय

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

भुक्तिसिद्धे	जय जय	कामाकर्षिणि	जय जय	अनङ्गाङ्कुशे	जय जय
इच्छासिद्धे	जय जय	बुद्ध्याकर्षिणि	जय जय	अनङ्गमालिनि	जय जय
प्राप्तिसिद्धे	जय जय	अहंकाराकर्षिणि	जय जय	सर्वसंक्षोभणचक्रस्वामिनि	जय जय
सर्वकामसिद्धे	जय जय	शब्दाकर्षिणि	जय जय	गुप्ततरयोगिनि	जय जय
ब्राह्मि	जय जय	स्पर्शाकर्षिणि	जय जय	सर्वसंक्षोभिणि	जय जय
माहेश्वरि	जय जय	रूपाकर्षिणि	जय जय	सर्वविद्राविणि	जय जय
कौमारि	जय जय	रसाकर्षिणि	जय जय	सर्वाकर्षिणि	जय जय
वैष्णवि	जय जय	गन्धाकर्षिणि	जय जय	सर्वाह्लादिनि	जय जय
वाराहि	जय जय	चित्ताकर्षिणि	जय जय	सर्वसम्मोहिनि	जय जय
माहेन्द्रि	जय जय	धैर्याकर्षिणि	जय जय	सर्वस्तम्भिनि	जय जय
चामुण्डे	जय जय	स्मृत्याकर्षिणि	जय जय	सर्वजृंभिनि	जय जय
महालक्ष्मीश्वरि	जय जय	नामाकर्षिणि	जय जय	सर्ववशङ्करि	जय जय
सर्वसम्क्षोभिणि	जय जय	बीजाकर्षिणि	जय जय	सर्वरञ्जनि	जय जय
सर्वविद्राविणि	जय जय	आत्माकर्षिणि	जय जय	सर्वोन्मादिनि	जय जय
सर्वाकर्षिणि	जय जय	अमृताकर्षिणि	जय जय	सर्वार्थसाधिनि	जय जय
सर्ववशङ्करि	जय जय	शरीराकर्षिणि	जय जय	सर्वसम्पत्तिपूरणि	जय जय
सर्वोन्मादिनि	जय जय	सर्वाशापरिपूरकचक्रस्वामिनि	जय जय	सर्वमन्त्रमयि	जय जय
सर्वमहाङ्कुशे	जय जय	गुप्तयोगिनि	जय जय	सर्वद्वन्द्वक्षयङ्करि	जय जय
सर्वखेचरि	जय जय	अनङ्गकुसुमे	जय जय	सर्वसौभाग्यदायकचक्रस्वामिनि	जय जय
सर्वबीजे	जय जय	अनङ्गमेखले	जय जय	सम्प्रदाययोगिनि	जय जय
सर्वयोने	जय जय	अनङ्गमदने	जय जय	सर्वसिद्धिप्रदे	जय जय
सर्वत्रिखण्डे	जय जय	अनङ्गमदनातुरे	जय जय	सर्वसंपत्प्रदे	जय जय
त्रैलोक्यमोहनचक्रस्वामिनि	जय जय	अनङ्गरेखे	जय जय	सर्वप्रियङ्करि	जय जय
प्रकटयोगिनि	जय जय	अनङ्गवेगिनि	जय जय	सर्वमङ्गलकारिणि	जय जय

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

सर्वकामफलप्रदे जय जय
सर्वदु:खविमोचनि जय जय
सर्वमृत्युप्रशमनि जय जय
सर्वविघ्ननिवारिणि जय जय
सर्वाङ्गसुन्दरि जय जय
सर्वसौभाग्यदायिनि जय जय
सर्वार्थसाधकचक्रस्वामिनि जय जय
कुलकौलयोगिनि जय जय
सर्वज्ञे जय जय
सर्वशक्ते जय जय
सर्वैश्वर्यप्रदे जय जय
सर्वज्ञानमयि जय जय
सर्वव्याधिविनाशिनि जय जय
सर्वाधारस्वरूपे जय जय
सर्वपापहरे जय जय
सर्वानन्दमयि जय जय
सर्वरक्षास्वरूपिणि जय जय
सर्वेप्सित फलप्रदे जय जय
सर्वरक्षाकरचक्रस्वामिनि जय जय
निगर्भयोगिनि जय जय
वशिनि जय जय
कामेश्वरि जय जय
मोदिनि जय जय

विमले जय जय
अरुणे जय जय
जयिनि जय जय
सर्वेश्वरि जय जय
कौलिनि जय जय
सर्वरोगहरचक्रस्वामिनि जय जय
रहस्य योगिनि जय जय
बाणिनि जय जय
चापिनि जय जय
पाशिनि जय जय
अङ्कुशिनि जय जय
महाकामेश्वरि जय जय
महावज्रेश्वरि जय जय
महाभगमालिनि जय जय
सर्वसिद्धिप्रदायकचक्रस्वामिनि जय जय
अतिरहस्ययोगिनि जय जय
महात्रिपुरसुन्दरि जय जय
श्रीमहाभट्टारिके जय जय
सर्वानन्दमयचक्रस्वामिनि जय जय
परापररहस्ययोगिनि जय जय
त्रिपुरे जय जय
त्रिपुरेशि जय जय
त्रिपुरसुन्दरि जय जय

त्रिपुरवासिनि जय जय
त्रिपुराश्री जय जय
त्रिपुरमालिनि जय जय
त्रिपुरासिद्धे जय जय
त्रिपुराम्बे जय जय
त्रिपुरभैरवि जय जय
महात्रिपुरसुन्दरि जय जय
महामाहेश्वरि जय जय
महामहाराज्ञि जय जय
महामहाशक्ते जय जय
महामहागुप्ते जय जय
महामहाज्ञप्ते जय जय
महामहानन्दे जय जय
महामहास्कन्दे जय जय
महामहास्पन्दे जय जय
महामहाशये जय जय
महामहाश्रीचक्रनगरसाम्राज्यलक्ष्मि जय जय
नमस्ते नमस्ते नमस्ते स्वाहा
॥ **श्रीं ह्रीं ऐं ओं** ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

(शु–षष्ठि) ॥ **अथ शुद्ध शिवमाला** ॥ (कृ–दशमि)

अस्य श्री शुद्ध शिवमाला महामन्त्रस्य घ्राणेन्द्रियाधिष्ठायी अश्वादित्य ऋषिः। त्रिष्टुप्च्छन्दः। सात्विक हकार भट्टारक पीठस्थित हलिनी नाम ललिता विभूशिताङ्क निलय हली नाम कामेश्वर महा भट्टारको देवता ॥

ऐं बीजं । क्लीं शक्तिः । सौः कीलकं । मम देहशुद्धौ विनियोगः ।

क ए ई ल ह्रीं	अङ्गुष्ठाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	तर्जनीभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	मध्यमाभ्यां नमः
क ए ई ल ह्रीं	अनामिकाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	कनिष्ठिकाभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	करतल करपृष्ठाभ्यां नमः

क ए ई ल ह्रीं	हृदयाय नमः
ह स क ह ल ह्रीं	शिरसे स्वाहा
स क ल ह्रीं	शिखायै वषट्
क ए ई ल ह्रीं	कवचाय हुं
ह स क ह ल ह्रीं	नेत्र त्रयाय वौषट्
स क ल ह्रीं	अस्त्राय फट्
भूर्भुवस्सुवरों इति दिग्बन्धः ।	

ध्यानं

तथा शुध्यति ते भक्त शरीरं येन पार्वति ।
शुद्धकाञ्चन वक्तस्य कदापिक्कापि न क्षयः ॥

लमित्यदि पञ्चपूजा ॥

(मूलं उच्चार्य)

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क ए ई ल ह्रीं ह स क ह ल ह्रीं स क ल ह्रीं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

ओं ऐं ह्रीं श्रीं
ॐ नमस्त्रिपुरसुन्दर
हृदयदेव
शिरोदेव
शिखादेव
कवचदेव
नेत्रदेव
अस्त्रदेव
कामेश्वर
भगमालिन्
नित्यक्लिन्न
भेरुण्ड
वह्निवासिन्
महावज्रेश्वर
शिवदूत
त्वरित
कुलसुन्दर
नित्य
नीलपताक
विजय
सर्वमङ्गल
ज्वालामालिन्
चित्र
महानित्य

परमेश्वरपरमेश्वरमय
मित्रेशमय
षष्ठीशमय
ओड्डीशमय
चर्यानन्दनाथमय
लोपामुद्रामय
अगस्त्यमय
कालतापनमय
धर्माचार्यनाथमय
मुक्तकेशेश्वरमय
दीपकलानाथमय
विष्णुदेवमय
प्रभाकरदेवमय
तेजोदेवमय
मनोजदेवमय
कल्याणदेवमय
रत्नदेवमय
वासुदेवमय
श्रीरामानन्दनाथमय
परप्रकाशानन्दनाथमय
परशिवानन्दनाथमय
पराशक्त्यंबामय
पराधिकानन्दनाथमय
कुलेश्वरानन्दनाथमय

शुक्लादेव्यम्बामय
कामेश्वरानन्दनाथमय
कामेश्वर्यम्बामय
भोगानन्दनाथमय
क्लिन्नानन्दनाथमय
समयानन्दनाथमय
सहजानन्दनाथमय
गगनानन्दनाथमय
विश्वानन्दनाथमय
विमलानन्दनाथमय
मदनानन्दनाथमय
भुवनानन्दनाथमय
लीलानन्दनाथमय
स्वात्मानन्दनाथमय
प्रियानन्दनाथमय
विमर्शानन्दनाथमय
प्रकाशानन्दनाथमय
रामानन्दनाथमय
अणिमासिद्धे
लघिमासिद्धे
महिमासिद्धे
ईशित्वसिद्धे
वशित्वसिद्धे
प्राकाम्यसिद्धे

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

भुक्तिसिद्धे
इच्छासिद्धे
प्राप्तिसिद्धे
सर्वकामसिद्धे
ब्राह्म
माहेश्वर
कौमार
वैष्णव
वाराह
माहेन्द्र
चामुण्ड
महालक्ष्मीश्वर
सर्वसंक्षोभिन्
सर्वविद्राविन्
सर्वाकर्षिन्
सर्ववशङ्कर
सर्वोन्मादिन्
सर्वमहाङ्कुश
सर्वखेचर
सर्वबीज
सर्वयोने
सर्वत्रिखण्ड
त्रैलोक्यमोहनचक्रस्वामिन्
प्रकटयोगिन्

कामाकर्षिन्
बुद्ध्याकर्षिन्
अहंकाराकर्षिन्
शब्दाकर्षिन्
स्पर्शाकर्षिन्
रूपाकर्षिन्
रसाकर्षिन्
गन्धाकर्षिन्
चित्ताकर्षिन्
धैर्याकर्षिन्
स्मृत्याकर्षिन्
नामाकर्षिन्
बीजाकर्षिन्
आत्माकर्षिन्
अमृताकर्षिन्
शरीराकर्षिन्
सर्वाशापरिपूरकचक्रस्वामिन्
गुप्तयोगिन्
अनङ्गकुसुम
अनङ्गमेखल
अनङ्गमदन
अनङ्गमदनातुर
अनङ्गरेख
अनङ्गवेगिन्

अनङ्गाङ्कुश
अनङ्गमालिन्
सर्वसंक्षोभणचक्रस्वामिन्
गुप्ततरयोगिन्
सर्वसंक्षोभिन्
सर्वविद्राविन्
सर्वाकर्षिन्
सर्वाह्लादिन्
सर्वसंमोहिन्
सर्वस्तम्भिन्
सर्वजृंभिन्
सर्ववशंकर
सर्वरञ्जन
सर्वोन्मादिन्
सर्वार्थसाधिन्
सर्वसंपत्तिपूरण
सर्वमन्त्रमय
सर्वद्वन्द्वक्षयङ्कर
सर्वसौभाग्यदायकचक्रस्वामिन्
संप्रदाययोगिन्
सर्वसिद्धिप्रद
सर्वसंपत्प्रद
सर्वप्रियङ्कर

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

सर्वमङ्गलकारिन्
सर्वकामफलप्रद
सर्वदुःखविमोचन
सर्वमृत्युप्रशमन
सर्वविघ्ननिवारिण
सर्वाङ्गसुन्दर
सर्वसौभाग्यदायिन्
सर्वार्थसाधकचक्रस्वामिन्
कुलकौलयोगिन्
सर्वज्ञ
सर्वशक्ते
सर्वैश्वर्यप्रद
सर्वज्ञानमय
सर्वव्याधिविनाशन
सर्वाधारस्वरूप
सर्वपापहर
सर्वानन्दमय
सर्वरक्षास्वरुपिन्
सर्वेप्सितफलप्रद
सर्वरक्षाकरचक्रस्वामिन्
निगर्भयोगिन्
वशिन्

कामेश्वर
मोदिन्
विमल
अरुण
जयिन्
सर्वेश्वर
कौलिन्
सर्वरोगहरचक्रस्वामिन्
रहस्ययोगिन्
बाणिन्
चापिन्
पाशिन्
अङ्कुशिन्
महाकामेश्वर
महावज्रेश्वर
महाभगमालिन्
सर्वसिद्धिप्रदायकचक्रस्वामिन्
अतिरहस्ययोगिन्
महात्रिपुरसुन्दर
श्रीमहाभट्टारक
सर्वानन्दमयचक्रस्वामिन्
परापररहस्ययोगिन्

त्रिपुर
त्रिपुरेश
त्रिपुरसुन्दर
त्रिपुरवासिन्
त्रिपुराश्रीः
त्रिपुरमालिन्
त्रिपुरासिद्ध
त्रिपुराम्ब
त्रिपुरभैरव
महात्रिपुरसुन्दर
महामाहेश्वर
महामहाराज
महामहाशक्ते
महामहागुप्ते
महामहाज्ञप्ते
महामहानन्द
महामहास्कन्द
महामहास्पन्द
महामहाशय
महामहाश्रीचक्रनगरसाम्राज्यलक्ष्मीः
नमस्ते नमस्ते नमस्ते स्वाहा
॥ श्रीं ह्रीं ऐं ओं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

(शु–सप्तमि) **॥ अथ शुद्ध शिव नमोन्तमाला ॥** (कृ–नवमि)

अस्यश्री शब्धशिवनमोन्तमालामहामन्त्रस्य जिह्वेन्द्रियाधिष्ठायी भगेन्द्रादित्य ऋषिः। जगतीच्छन्दः। राजस सकार भट्टारकपीठस्थित सरस्वती नाम ललिता विभूषिताङ्कनिलय सर्वज्ञ नाम कामेश्वरमहाभट्टारको देवता ॥

ऐं बीजं । क्लीं शक्तिः । सौः कीलकं । मम लोहसिद्धौ विनियोगः ।

क ए ई ल ह्रीं	अङ्गुष्ठाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	तर्जनीभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	मध्यमाभ्यां नमः
क ए ई ल ह्रीं	अनामिकाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	कनिष्ठिकाभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	करतल करपृष्ठाभ्यां नमः

क ए ई ल ह्रीं	हृदयाय नमः
ह स क ह ल ह्रीं	शिरसे स्वाहा
स क ल ह्रीं	शिखायै वषट्
क ए ई ल ह्रीं	कवचाय हुं
ह स क ह ल ह्रीं	नेत्र त्रयाय वौषट्
स क ल ह्रीं	अस्त्राय फट्
भूर्भुवस्सुवरों इति दिग्बन्धः ।	

ध्यानं

त्वद्भक्त हस्तस्पर्शेन लोहं अष्टविधं शिवे ।
काञ्चनत्वमवाप्नोति एतस्य शिवतुल्यता ।

लमित्यदि पञ्चपूजा ॥

(मूलं उच्चार्य)

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क ए ई ल ह्रीं ह स क ह ल ह्रीं स क ल ह्रीं ॥

ओं ऐं ह्रीं श्रीं

ओं नमस्त्रिपुरसुन्दराय नमः
हृदयदेवाय नमः
शिरोदेवाय नमः
शिखादेवाय नमः
कवचदेवाय नमः
नेत्रदेवाय नमः
अस्त्रदेवाय नमः
कामेश्वराय नमः
भगमालिने नमः
नित्यक्लिन्नाय नमः
भेरुण्डाय नमः
वह्निवासिने नमः
महावज्रेश्वराय नमः
शिवदूताय नमः
त्वरिताय नमः
कुलसुन्दराय नमः
नित्याय नमः
नीलपताकाय नमः
विजयाय नमः
सर्वमङ्गलाय नमः
ज्वालामालिने नमः
चित्राय नमः
महानित्याय नमः

परमेश्वरपरमेश्वरमयाय नमः
मित्रेशमयाय नमः
षष्ठीशमयाय नमः
ओड्डीशमयाय नमः
चर्यानन्दनाथमयाय नमः
लोपामुद्रामयाय नमः
अगस्त्यमयाय नमः
कालतापनमयाय नमः
धर्माचार्यनाथमयाय नमः
मुक्तकेशेश्वरमयाय नमः
दीपकलानाथमयाय नमः
विष्णुदेवमयाय नमः
प्रभाकरदेवमयाय नमः
तेजोदेवमयाय नमः
मनोजदेवमयाय नमः
कल्याणदेवमयाय नमः
रत्नदेवमयाय नमः
वासुदेवमयाय नमः
श्रीरामानन्दनाथमयाय नमः
परप्रकाशानन्दनाथमयाय नमः
परशिवानन्दनाथमयाय नमः
पराशक्त्यंबामयाय नमः
पराधिकानन्दनाथमयाय नमः
कुलेश्वरानन्दनाथमयाय नमः

शुक्लादेव्यम्बामयाय नमः
कामेश्वरानन्दनाथमयाय नमः
कामेश्वर्यम्बामयाय नमः
भोगानन्दनाथमयाय नमः
क्लिन्नानन्दनाथमयाय नमः
समयानन्दनाथमयाय नमः
सहजानन्दनाथमयाय नमः
गगनानन्दनाथमयाय नमः
विश्वानन्दनाथमयाय नमः
विमलानन्दनाथमयाय नमः
मदनानन्दनाथमयाय नमः
भुवनानन्दनाथमयाय नमः
लीलानन्दनाथमयाय नमः
स्वात्मानन्दनाथमयाय नमः
प्रियानन्दनाथमयाय नमः
विमर्शानन्दनाथमयाय नमः
प्रकाशानन्दनाथमयाय नमः
रामानन्दनाथमयाय नमः
अणिमासिद्धये नमः
लघिमासिद्धये नमः
महिमासिद्धये नमः
ईशित्वसिद्धये नमः
वशित्वसिद्धये नमः
प्राकाम्यसिद्धये नमः

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

भुक्तिसिद्धये	नमः
इच्छासिद्धये	नमः
प्राप्तिसिद्धये	नमः
सर्वकामसिद्धये	नमः
ब्राह्माय	नमः
माहेश्वराय	नमः
कौमाराय	नमः
वैष्णवाय	नमः
वाराहाय	नमः
माहेन्द्राय	नमः
चामुण्डाय	नमः
महालक्ष्मीश्वराय	नमः
सर्वसंक्षोभिणे	नमः
सर्वविद्राविणे	नमः
सर्वाकर्षिणे	नमः
सर्ववशङ्कराय	नमः
सर्वोन्मादिने	नमः
सर्वमहाङ्कुशाय	नमः
सर्वखेचराय	नमः
सर्वबीजाय	नमः
सर्वयोनये	नमः
सर्वत्रिखण्डाय	नमः
त्रैलोक्यमोहनचक्रस्वामिने	नमः
प्रकटयोगिने	नमः
कामाकर्षिणे	नमः
बुद्ध्याकर्षिणे	नमः
अहंकाराकर्षिणे	नमः
शब्दाकर्षिणे	नमः
स्पर्शाकर्षिणे	नमः
रूपाकर्षिणे	नमः
रसाकर्षिणे	नमः
गन्धाकर्षिणे	नमः
चित्ताकर्षिणे	नमः
धैर्याकर्षिणे	नमः
स्मृत्याकर्षिणे	नमः
नामाकर्षिणे	नमः
बीजाकर्षिणे	नमः
आत्माकर्षिणे	नमः
अमृताकर्षिणे	नमः
शरीराकर्षिणे	नमः
सर्वाशापरिपूरकचक्रस्वामिने	नमः
गुप्तयोगिने	नमः
अनङ्गकुसुमाय	नमः
अनङ्गमेखलाय	नमः
अनङ्गमदनाय	नमः
अनङ्गमदनातुराय	नमः
अनङ्गरेखाय	नमः
अनङ्गवेगिने	नमः
अनङ्गाङ्कुशाय	नमः
अनङ्गमालिने	नमः
सर्वसंक्षोभणचक्रस्वामिने	नमः
गुप्ततरयोगिने	नमः
सर्वसंक्षोभिणे	नमः
सर्वविद्राविणे	नमः
सर्वाकर्षिणे	नमः
सर्वाह्लादिने	नमः
सर्वसंमोहिने	नमः
सर्वस्तम्भिने	नमः
सर्वजृंभिने	नमः
सर्ववशंकराय	नमः
सर्वरञ्जनाय	नमः
सर्वोन्मादिने	नमः
सर्वार्थसाधिने	नमः
सर्वसंपत्तिपूरणाय	नमः
सर्वमन्त्रमयाय	नमः
सर्वद्वन्द्वक्षयङ्कराय	नमः
सर्वसौभाग्यदायकचक्रस्वामिने	नमः
सम्प्रदाययोगिने	नमः
सर्वसिद्धिप्रदाय	नमः
सर्वसंपत्प्रदाय	नमः
सर्वप्रियङ्कराय	नमः
सर्वमङ्गलकारिणे	नमः

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

सर्वकामफलप्रदाय नमः
सर्वदुःखविमोचनाय नमः
सर्वमृत्युप्रशमनाय नमः
सर्वविघ्ननिवारणाय नमः
सर्वाङ्गसुन्दराय नमः
सर्वसौभाग्यदायिने नमः
सर्वार्थसाधकचक्रस्वामिने नमः
कुलकौलयोगिने नमः
सर्वज्ञाय नमः
सर्वशक्तये नमः
सर्वैश्वर्यप्रदाय नमः
सर्वज्ञानमयाय नमः
सर्वव्याधिविनाशिने नमः
सर्वाधारस्वरूपाय नमः
सर्वपापहराय नमः
सर्वानन्दमयाय नमः
सर्वरक्षास्वरूपिणे नमः
सर्वेप्सितफलप्रदाय नमः
सर्वरक्षाकरचक्रस्वामिने नमः
निगर्भयोगिने नमः
वशिने नमः
कामेश्वराय नमः
मोदिने नमः
विमलाय नमः
अरुणाय नमः
जयिने नमः
सर्वेश्वराय नमः
कौलिने नमः
सर्वरोगहरचक्रस्वामिने नमः
रहस्ययोगिने नमः
बाणिने नमः
चापिने नमः
पाशिने नमः
अङ्कुशिने नमः
महाकामेश्वराय नमः
महावज्रेश्वराय नमः
महाभगमालिने नमः
सर्वसिद्धिप्रदायकचक्रस्वामिने नमः
अतिरहस्ययोगिने नमः
महात्रिपुरसुन्दराय नमः
श्रीमहाभट्टारकाय नमः
सर्वानन्दमयचक्रस्वामिने नमः
परापर रहस्ययोगिने नमः
त्रिपुराय नमः
त्रिपुरेशाय नमः
त्रिपुरसुन्दराय नमः
त्रिपुरवासिने नमः
त्रिपुराश्रिये नमः
त्रिपुरमालिने नमः
त्रिपुरासिद्धाय नमः
त्रिपुराम्बाय नमः
त्रिपुरभैरवाय नमः
महात्रिपुरसुन्दराय नमः
महामाहेश्वराय नमः
महामहाराजाय नमः
महामहाशक्तये नमः
महामहागुप्तये नमः
महामहाज्ञप्तये नमः
महामहानन्दाय नमः
महामहास्कन्दाय नमः
महामहास्पन्दाय नमः
महामहाशयाय नमः
महामहाश्रीचक्रनगरसाम्राज्यलक्ष्म्यै नमः
नमस्ते नमस्ते नमस्ते स्वाहा
॥ श्रीं ह्रीं ऐं ओं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

(शु–अष्ठमि) ॥ **अथ शुद्ध शिव स्वाहान्तमाला** ॥ (कृ–अष्ठमि)

अस्यश्री शुद्धशिवस्वाहान्तमालामहामन्त्रस्य चक्षुरिन्द्रियाधिष्ठायी विवस्वादित्य ऋषिः। अतिजगतीच्छन्दः। तामस ककार भट्टारकपीठस्थित कमला नाम ललिता विभूषिताङ्कनिलय कालमर्दन नाम कामेश्वरमहाभट्टारको देवता ॥

ऐं बीजं । क्लीं शक्तिः । सौः कीलकं । मम अणिमादिसिद्धौ विनियोगः ।

क ए ई ल ह्रीं	अङ्गुष्ठाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	तर्जनीभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	मध्यमाभ्यां नमः
क ए ई ल ह्रीं	अनामिकाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	कनिष्ठिकाभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	करतल करपृष्ठाभ्यां नमः

क ए ई ल ह्रीं	हृदयाय नमः
ह स क ह ल ह्रीं	शिरसे स्वाहा
स क ल ह्रीं	शिखायै वषट्
क ए ई ल ह्रीं	कवचाय हुं
ह स क ह ल ह्रीं	नेत्र त्रयाय वौषट्
स क ल ह्रीं	अस्त्राय फट्
भूर्भुवस्सुवरों इति दिग्बन्धः ।	

ध्यानं

स्युरणुत्वमहत्वाद्याः स्वेच्छामात्र प्रकल्पिताः ।
तव भक्तशरीराणां अणिमादि गुणास्स्मृताः ॥

लमित्यदि पञ्चपूजा ॥

(मूलं उच्चार्य)

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क ए ई ल ह्रीं ह स क ह ल ह्रीं स क ल ह्रीं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

ओं ऐं ह्रीं श्रीं

ओं नमस्त्रिपुरसुन्दराय स्वाहा
हृदयदेवाय स्वाहा
शिरोदेवाय स्वाहा
शिखादेवाय स्वाहा
कवचदेवाय स्वाहा
नेत्रदेवाय स्वाहा
अस्त्रदेवाय स्वाहा
कामेश्वराय स्वाहा
भगमालिने स्वाहा
नित्यक्लिन्नाय स्वाहा
भेरुण्डाय स्वाहा
वह्निवासिने स्वाहा
महावज्रेश्वराय स्वाहा
शिवदूताय स्वाहा
त्वरिताय स्वाहा
कुलसुन्दराय स्वाहा
नित्याय स्वाहा
नीलपताकाय स्वाहा
विजयाय स्वाहा
सर्वमङ्गलाय स्वाहा
ज्वालामालिने स्वाहा
चित्राय स्वाहा
महानित्याय स्वाहा

परमेश्वरपरमेश्वरमयाय स्वाहा
मित्रेशमयाय स्वाहा
षष्ठीशमयाय स्वाहा
ओड्डीशमयाय स्वाहा
चर्यानन्दनाथमयाय स्वाहा
लोपामुद्रामयाय स्वाहा
अगस्त्यमयाय स्वाहा
कालतापनमयाय स्वाहा
धर्माचार्यनाथमयाय स्वाहा
मुक्तकेशेश्वरमयाय स्वाहा
दीपकलानाथमयाय स्वाहा
विष्णुदेवमयाय स्वाहा
प्रभाकरदेवमयाय स्वाहा
तेजोदेवमयाय स्वाहा
मनोजदेवमयाय स्वाहा
कल्याणदेवमयाय स्वाहा
रत्नदेवमयाय स्वाहा
वासुदेवमयाय स्वाहा
श्रीरामानन्दनाथमयाय स्वाहा
परप्रकाशानन्दनाथमयाय स्वाहा
परशिवानन्दनाथमयाय स्वाहा
पराशक्त्यंबामयाय स्वाहा
पराधिकानन्दनाथमयाय स्वाहा
कुलेश्वरानन्दनाथमयाय स्वाहा

शुक्लादेव्यम्बामयाय स्वाहा
कामेश्वरानन्दनाथमयाय स्वाहा
कामेश्वर्यम्बामयाय स्वाहा
भोगानन्दनाथमयाय स्वाहा
क्लिन्नानन्दनाथमयाय स्वाहा
समयानन्दनाथमयाय स्वाहा
सहजानन्दनाथमयाय स्वाहा
गगनानन्दनाथमयाय स्वाहा
विश्वानन्दनाथमयाय स्वाहा
विमलानन्दनाथमयाय स्वाहा
मदनानन्दनाथमयाय स्वाहा
भुवनानन्दनाथमयाय स्वाहा
लीलानन्दनाथमयाय स्वाहा
स्वात्मानन्दनाथमयाय स्वाहा
प्रियानन्दनाथमयाय स्वाहा
विमर्शानन्दनाथमयाय स्वाहा
प्रकाशानन्दनाथमयाय स्वाहा
रामानन्दनाथमयाय स्वाहा
अणिमासिद्धये स्वाहा
लघिमासिद्धये स्वाहा
महिमासिद्धये स्वाहा
ईशित्वसिद्धये स्वाहा
वशित्वसिद्धये स्वाहा
प्राकाम्यसिद्धये स्वाहा

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

भुक्तिसिद्धये	स्वाहा	कामाकर्षिणे	स्वाहा	अनङ्गाङ्कुशाय	स्वाहा
इच्छासिद्धये	स्वाहा	बुद्ध्याकर्षिणे	स्वाहा	अनङ्गमालिने	स्वाहा
प्राप्तिसिद्धये	स्वाहा	अहंकाराकर्षिणे	स्वाहा	सर्वसंक्षोभणचक्रस्वामिने	स्वाहा
सर्वकामसिद्धये	स्वाहा	शब्दाकर्षिणे	स्वाहा	गुप्ततरयोगिने	स्वाहा
ब्राह्माय	स्वाहा	स्पर्शाकर्षिणे	स्वाहा	सर्वसंक्षोभिणे	स्वाहा
माहेश्वराय	स्वाहा	रूपाकर्षिणे	स्वाहा	सर्वविद्राविणे	स्वाहा
कौमाराय	स्वाहा	रसाकर्षिणे	स्वाहा	सर्वाकर्षिने	स्वाहा
वैष्णवाय	स्वाहा	गन्धाकर्षिणे	स्वाहा	सर्वाह्लादिने	स्वाहा
वाराहाय	स्वाहा	चित्ताकर्षिणे	स्वाहा	सर्वसंमोहिने	स्वाहा
माहेन्द्राय	स्वाहा	धैर्याकर्षिणे	स्वाहा	सर्वस्तम्भिने	स्वाहा
चामुण्डाय	स्वाहा	स्मृत्याकर्षिणे	स्वाहा	सर्वजृंभिने	स्वाहा
महालक्ष्मीश्वराय	स्वाहा	नामाकर्षिणे	स्वाहा	सर्ववशंकराय	स्वाहा
सर्वसंक्षोभिणे	स्वाहा	बीजाकर्षिणे	स्वाहा	सर्वरञ्जनाय	स्वाहा
सर्वविद्राविणे	स्वाहा	आत्माकर्षिणे	स्वाहा	सर्वोन्मादिने	स्वाहा
सर्वाकर्षिणे	स्वाहा	अमृताकर्षिणे	स्वाहा	सर्वार्थसाधिने	स्वाहा
सर्ववशङ्कराय	स्वाहा	शरीराकर्षिणे	स्वाहा	सर्वसंपत्तिपूरणाय	स्वाहा
सर्वोन्मादिने	स्वाहा	सर्वाशापरिपूरकचक्रस्वामिने	स्वाहा	सर्वमन्त्रमयाय	स्वाहा
सर्व महाङ्कुशाय	स्वाहा	गुप्तयोगिने	स्वाहा	सर्वद्वन्द्वक्षयङ्कराय	स्वाहा
सर्वखेचराय	स्वाहा	अनङ्गकुसुमाय	स्वाहा	सर्वसौभाग्यदायकचक्रस्वामिने	स्वाहा
सर्वबीजाय	स्वाहा	अनङ्गमेखलाय	स्वाहा	सम्प्रदाययोगिने	स्वाहा
सर्वयोनये	स्वाहा	अनङ्गमदनाय	स्वाहा	सर्वसिद्धिप्रदाय	स्वाहा
सर्वत्रिखण्डाय	स्वाहा	अनङ्गमदनातुराय	स्वाहा	सर्वसंपत्प्रदाय	स्वाहा
त्रैलोक्यमोहनचक्रस्वामिने	स्वाहा	अनङ्गरेखाय	स्वाहा	सर्वप्रियङ्कराय	स्वाहा
प्रकटयोगिने	स्वाहा	अनङ्गवेगिने	स्वाहा	सर्वमङ्गलकारिणे	स्वाहा

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

सर्वकामफलप्रदाय स्वाहा
सर्वदुःखविमोचनाय स्वाहा
सर्वमृत्युप्रशमनाय स्वाहा
सर्वविघ्ननिवारणाय स्वाहा
सर्वाङ्गसुन्दराय स्वाहा
सर्वसौभाग्यदायिने स्वाहा
सर्वार्थसाधकचक्रस्वामिने स्वाहा
कुलकौलयोगिने स्वाहा
सर्वज्ञाय स्वाहा
सर्वशक्तये स्वाहा
सर्वैश्वर्यप्रदाय स्वाहा
सर्वज्ञानमयाय स्वाहा
सर्वव्याधिविनाशिने स्वाहा
सर्वाधारस्वरूपाय स्वाहा
सर्वपापहराय स्वाहा
सर्वानन्दमयाय स्वाहा
सर्वरक्षास्वरुपिणे स्वाहा
सर्वेप्सितफलप्रदाय स्वाहा
सर्वरक्षाकरचक्रस्वामिने स्वाहा
निगर्भयोगिने स्वाहा
वशिने स्वाहा
कामेश्वराय स्वाहा

मोदिने स्वाहा
विमलाय स्वाहा
अरुणाय स्वाहा
जयिने स्वाहा
सर्वेश्वराय स्वाहा
कौलिने स्वाहा
सर्वरोगहरचक्रस्वामिने स्वाहा
रहस्ययोगिने स्वाहा
बाणिने स्वाहा
चापिने स्वाहा
पाशिने स्वाहा
अङ्कुशिने स्वाहा
महाकामेश्वराय स्वाहा
महावज्रेश्वराय स्वाहा
महाभगमालिने स्वाहा
सर्वसिद्धिप्रदायकचक्रस्वामिने स्वाहा
अतिरहस्ययोगिने स्वाहा
महात्रिपुरसुन्दराय स्वाहा
श्रीमहाभट्टारकाय स्वाहा
सर्वानन्दमयचक्रस्वामिने स्वाहा
परापर रहस्ययोगिने स्वाहा
त्रिपुराय स्वाहा

त्रिपुरेशाय स्वाहा
त्रिपुरसुन्दराय स्वाहा
त्रिपुरवासिने स्वाहा
त्रिपुराश्रिये स्वाहा
त्रिपुरमालिने स्वाहा
त्रिपुरासिद्धाय स्वाहा
त्रिपुराम्बाय स्वाहा
त्रिपुरभैरवाय स्वाहा
महात्रिपुरसुन्दराय स्वाहा
महामाहेश्वराय स्वाहा
महामहाराजाय स्वाहा
महामहाशक्तये स्वाहा
महामहागुप्तये स्वाहा
महामहाज्ञप्तये स्वाहा
महामहानन्दाय स्वाहा
महामहास्कन्दाय स्वाहा
महामहास्पन्दाय स्वाहा
महामहाशयाय स्वाहा
महामहाश्रीचक्रनगरसाम्राज्यलक्ष्म्ये स्वाहा
नमस्ते नमस्ते नमस्ते स्वाहा
॥ श्रीं ह्रीं ऐं ओं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

(शु–नवमि) ॥ अथ शुद्ध शिव तर्पणान्तमाला ॥ (कृ–सप्तमि)

अस्यश्री शुद्धशिव तर्पणान्तमाला महामन्त्रस्य त्वगिन्द्रियाधिष्ठायी पूषादित्य ऋषिः। शक्करीच्छन्दः। भोगद हकार भट्टारक पीठस्थित हरिवल्लभा नाम ललिता विभूषिताङ्कनिलय हरनाथ नाम कामेश्वर महाभट्टारको देवता ॥

ऐं बीजं । क्लीं शक्तिः । सौः कीलकं । मम सर्ववश्यसिद्धौ विनियोगः ।

क ए ई ल ह्रीं	अङ्गुष्ठाभ्यां नमः	क ए ई ल ह्रीं	हृदयाय नमः
ह स क ह ल ह्रीं	तर्जनीभ्यां नमः	ह स क ह ल ह्रीं	शिरसे स्वाहा
स क ल ह्रीं	मध्यमाभ्यां नमः	स क ल ह्रीं	शिखायै वषट्
क ए ई ल ह्रीं	अनामिकाभ्यां नमः	क ए ई ल ह्रीं	कवचाय हुं
ह स क ह ल ह्रीं	कनिष्ठिकाभ्यां नमः	ह स क ह ल ह्रीं	नेत्र त्रयाय वौषट्
स क ल ह्रीं	करतल करपृष्ठाभ्यां नमः	स क ल ह्रीं	अस्त्राय फट्
		भूर्भुवस्सुवरों इति दिग्बन्धः ।	

ध्यानं

शरीरमर्थं सप्राणं निवेद्य निजभृत्यवत् ।
तव भक्तान्निषेवन्ते वशीभूता नृपादयः ॥

लमित्यदि पञ्चपूजा ॥

(मूलं उच्चार्य)

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क ए ई ल ह्रीं ह स क ह ल ह्रीं स क ल ह्रीं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

ओं ऐं ह्रीं श्रीं

ॐ नमस्त्रिपुरसुन्दरं तर्पयामि
हृदयदेवं तर्पयामि
शिरोदेवं तर्पयामि
शिखादेवं तर्पयामि
कवचदेवं तर्पयामि
नेत्रदेवं तर्पयामि
अस्त्रदेवं तर्पयामि
कामेश्वरं तर्पयामि
भगमालिनं तर्पयामि
नित्यक्लिन्नं तर्पयामि
भेरुण्डं तर्पयामि
वह्निवासिनं तर्पयामि
महावज्रेश्वरं तर्पयामि
शिवदूतं तर्पयामि
त्वरितं तर्पयामि
कुलसुन्दरं तर्पयामि
नित्यं तर्पयामि
नीलपताकं तर्पयामि
विजयं तर्पयामि
सर्वमङ्गलं तर्पयामि
ज्वालामालिनं तर्पयामि
चित्रं तर्पयामि
महानित्यं तर्पयामि

परमेश्वरपरमेश्वरमयं तर्पयामि
मित्रेशमयं तर्पयामि
षष्ठीशमयं तर्पयामि
ओड्डीशमयं तर्पयामि
चर्यानन्दनाथमयं तर्पयामि
लोपामुद्रामयं तर्पयामि
अगस्त्यमयं तर्पयामि
कालतापनमयं तर्पयामि
धर्माचार्यनाथमयं तर्पयामि
मुक्तकेशेश्वरमयं तर्पयामि
दीपकलानाथमयं तर्पयामि
विष्णुदेवमयं तर्पयामि
प्रभाकरदेवमयं तर्पयामि
तेजोदेवमयं तर्पयामि
मनोजदेवमयं तर्पयामि
कल्याणदेवमयं तर्पयम्मि
रत्नदेवमयं तर्पयामि
वासुदेवमयं तर्पयम्मि
श्रीरामानन्दनाथमयं तर्पयामि
परप्रकाशानन्दनाथमयं तर्पयामि
परशिवानन्दनाथमयं तर्पयम्मि
पराशक्त्यंबामयं तर्पयामि
पराधिकानन्दनाथमयं तर्पयामि
कुलेश्वरानन्दनाथमयं तर्पायामि

शुक्लादेव्यम्बामयं तर्पयामि
कामेश्वरानन्दनाथमयं तर्पयामि
कामेश्वर्यम्बामयं तर्पयामि
भोगानन्दनाथमयं तर्पयामि
क्लिन्नानन्दनाथमयं तर्पयामि
समयानन्दनाथमयं तर्पयामि
सहजानन्दनाथमयं तर्पयामि
गगनानन्दनाथमयं तर्पयामि
विश्वानन्दनाथमयं तर्पयामि
विमलानन्दनाथमयं तर्पयामि
मदनानन्दनाथमयं तर्पयामि
भुवनानन्दनाथमयं तर्पयामि
लीलानन्दनाथमयं तर्पयामि
स्वात्मानन्दनाथमयं तर्पयम्मि
प्रियानन्दनाथमयं तर्पयामि
विमर्शानन्दनाथमयं तर्पयामि
प्रकाशानन्दनाथमयं तर्पयामि
रामानन्दनाथमयं तर्पयामि
अणिमासिद्धिं तर्पयामि
लघिमासिद्धिं तर्पयामि
महिमासिद्धिं तर्पयामि
ईशित्वसिद्धिं तर्पयामि
वशित्वसिद्धिं तर्पयामि
प्राकाम्यसिद्धिं तर्पयामि

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

भुक्तिसिद्धिं	तर्पयामि	कामाकर्षिणं	तर्पयामि	अनङ्गाङ्कुशं	तर्पयामि
इच्छासिद्धिं	तर्पयामि	बुद्ध्याकर्षिणं	तर्पयामि	अनङ्गमालिनं	तर्पयामि
प्राप्ति सिद्धिं	तर्पयामि	अहंकाराकर्षिणं	तर्पयामि	सर्वसंक्षोभणचक्रस्वामिनं	तर्पयामि
सर्वकामसिद्धिं	तर्पयामि	शब्दाकर्षिणं	तर्पयामि	गुप्ततरयोगिनं	तर्पयामि
ब्राह्मं	तर्पयामि	स्पर्शाकर्षिणं	तर्पयम्मि	सर्वसंक्षोभिणं	तर्पयामि
माहेश्वरं	तर्पयामि	रूपाकर्षिणं	तर्पयामि	सर्वविद्राविणं	तर्पयामि
कौमारं	तर्पयामि	रसाकर्षिणं	तर्पयामि	सर्वाकर्षिणं	तर्पयामि
वैष्णवं	तर्पयामि	गन्धाकर्षिणं	तर्पयामि	सर्वाह्लादिनं	तर्पयामि
वाराहं	तर्पयामि	चित्ताकर्षिणं	तर्पयामि	सर्वसंमोहिनं	तर्पयामि
माहेन्द्रं	तर्पयामि	धैर्याकर्षिणं	तर्पयामि	सर्वस्तम्भिनं	तर्पयामि
चामुण्डं	तर्पयामि	स्मृत्याकर्षिणं	तर्पयामि	सर्वजृम्भिनं	तर्पयामि
महालक्ष्मीश्वरं	तर्पयामि	नामाकर्षिणं	तर्पयामि	सर्ववशंकरं	तर्पयामि
सर्वसंक्षोभिणं	तर्पयामि	बीजाकर्षिणं	तर्पयामि	सर्वरञ्जनं	तर्पयामि
सर्वविद्राविणं	तर्पयामि	आत्माकर्षिणं	तर्पयामि	सर्वोन्मादिनं	तर्पयामि
सर्वाकर्षिणं	तर्पयामि	अमृताकर्षिणं	तर्पयामि	सर्वार्थसाधिनं	तर्पयामि
सर्ववशङ्करं	तर्पयामि	शरीराकर्षिणं	तर्पयामि	सर्वसंपत्तिपूरणं	तर्पयामि
सर्वोन्मादिनं	तर्पयामि	सर्वाशापरिपूरकचक्रस्वामिनं	तर्पयामि	सर्वमन्त्रमयं	तर्पयामि
सर्वमहाङ्कुशं	तर्पयामि	गुप्तयोगिनं	तर्पयामि	सर्वद्वन्द्वक्षयङ्करं	तर्पयामि
सर्वखेचरं	तर्पयामि	अनङ्गकुसुमं	तर्पयामि	सर्वसौभाग्यदायकचक्रस्वामिनं	तर्पयामि
सर्वबीजं	तर्पयामि	अनङ्गमेखलं	तर्पयामि	संप्रदाययोगिनं	तर्पयामि
सर्वयोनिं	तर्पयामि	अनङ्गमदनं	तर्पयामि	सर्वसिद्धिप्रदं	तर्पयामि
सर्वत्रिखण्डं	तर्पयामि	अनङ्गमदनातुरं	तर्पयामि	सर्वसंपत्प्रदं	तर्पयामि
त्रैलोक्यमोहनचक्रस्वामिनं	तर्पयामि	अनङ्गरेखं	तर्पयामि	सर्वप्रियङ्करं	तर्पयामि
प्रकटयोगिनं	तर्पयामि	अनङ्गवेगिनं	तर्पयामि	सर्वमङ्गलकारिणं	तर्पयामि

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

सर्वकामफलप्रदं तर्पयामि

सर्वदुःखविमोचनं तर्पयामि

सर्वमृत्युप्रशमनं तर्पयामि

सर्वविघ्ननिवारिणं तर्पयामि

सर्वाङ्गसुन्दरं तर्पयामि

सर्वसौभाग्यदायिनं तर्पयामि

सर्वार्थसाधकचक्रस्वामिनं तर्पयामि

कुलकौलयोगिनं तर्पयामि

सर्वज्ञं तर्पयामि

सर्वशक्तिं तर्पयामि

सर्वैश्वर्यप्रदं तर्पयामि

सर्वज्ञानमयं तर्पयामि

सर्वव्याधिविनाशनं तर्पयामि

सर्वाधारस्वरूपं तर्पयामि

सर्वपापहरं तर्पयामि

सर्वानन्दमयं तर्पयामि

सर्वरक्षास्वरूपिणं तर्पयामि

सर्वेप्सितफलप्रदं तर्पयामि

सर्वरक्षाकरचक्रस्वामिनं तर्पयामि

निगर्भयोगिनं तर्पयामि

वशिनं तर्पयामि

कामेश्वरं तर्पयामि

मोदिनं तर्पयामि

विमलं तर्पयामि

अरुणं तर्पयामि

जयिनं तर्पयामि

सर्वेश्वरं तर्पयामि

कौलिनं तर्पयामि

सर्वरोगहरचक्रस्वामिनं तर्पयामि

रहस्ययोगिनं तर्पयामि

बाणिनं तर्पयामि

चापिनं तर्पयामि

पाशिनं तर्पयामि

अङ्कुशिनं तर्पयामि

महाकामेश्वरं तर्पयामि

महावज्रेश्वरं तर्पयामि

महाभगमालिनं तर्पयामि

सर्वसिद्धिप्रदायकचक्रस्वामिनं तर्पयामि

अतिरहस्ययोगिनं तर्पयामि

महात्रिपुरसुन्दरं तर्पयामि

श्रीमहाभट्टारकं तर्पयामि

सर्वानन्दमयचक्रस्वामिनं तर्पयामि

परापररहस्य योगिनं तर्पयामि

त्रिपुरं तर्पयामि

त्रिपुरेशं तर्पयामि

त्रिपुरसुन्दरं तर्पयामि

त्रिपुरवासिनं तर्पयामि

त्रिपुराश्रियं तर्पयामि

त्रिपुरमालिनं तर्पयामि

त्रिपुरासिद्धं तर्पयामि

त्रिपुराम्बं तर्पयामि

त्रिपुरभैरवं तर्पयामि

महात्रिपुरसुन्दरं तर्पयामि

महामाहेश्वरं तर्पयामि

महामहाराजं तर्पयामि

महामहाशक्तिं तर्पयामि

महामहागुप्तिं तर्पयामि

महामहाज्ञप्तिम् तर्पयामि

महामहानन्दं तर्पयामि

महामहास्कन्दं तर्पयामि

महामहास्पन्दं तर्पयामि

महामहाशयं तर्पयामि

महामहा श्रीचक्रनगर साम्राज्यलक्ष्म्यं तर्पयामि

नमस्ते नमस्ते नमस्ते स्वाहा

॥ श्रीं ह्रीं ऐं ओं ॥

(शु–दशमि) ॥ अथ शुद्ध शिव जयान्तमाला ॥ (कृ–षष्ठि)

अस्य श्री शुद्धशिव जयान्तमाला महामन्त्रस्य श्रोत्रेन्द्रियाधिष्ठायी सवित्रादित्य ऋषिः। अतिशक्करी छन्दः। मोक्षद लकार भट्टारकपीठस्थित लक्ष्मी नाम ललिता विभूषिताङ्गनिलय ललजिह्वा नाम कामेश्वर महाभट्टारको देवता ॥

ऐं बीजं । क्लीं शक्तिः । सौः कीलकं । मम सर्वाकर्षण सिद्धौ विनियोगः ।

क ए ई ल ह्रीं	अङ्गुष्ठाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	तर्जनीभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	मध्यमाभ्यां नमः
क ए ई ल ह्रीं	अनामिकाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	कनिष्ठिकाभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	करतल करपृष्ठाभ्यां नमः

क ए ई ल ह्रीं	हृदयाय नमः
ह स क ह ल ह्रीं	शिरसे स्वाहा
स क ल ह्रीं	शिखायै वषट्
क ए ई ल ह्रीं	कवचाय हुं
ह स क ह ल ह्रीं	नेत्र त्रयाय वौषट्
स क ल ह्रीं	अस्त्राय फट्
भूर्भुवस्सुवरों इति दिग्बन्धः ।	

ध्यानं

बहिःप्राकार संगुप्ता निगळेन नियन्त्रिताः ।
त्वद्भक्ताकृष्यमाणास्तु योषितः संवदन्ति हि ॥

लमित्यदि पञ्चपूजा ॥

(मूलं उच्चार्य)

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क ए ई ल ह्रीं ह स क ह ल ह्रीं स क ल ह्रीं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

ओं ऐं ह्रीं श्रीं

ॐ नमस्त्रिपुरसुन्दर जय जय
हृदयदेव जय जय
शिरोदेव जय जय
शिखादेव जय जय
कवचदेव जय जय
नेत्रदेव जय जय
अस्त्रदेव जय जय
कामेश्वर जय जय
भगमालिन् जय जय
नित्यक्लिन्न जय जय
भेरुण्ड जय जय
वह्निवासिन् जय जय
महावज्रेश्वर जय जय
शिवदूत जय जय
त्वरित जय जय
कुलसुन्दर जय जय
नित्य जय जय
नीलपताक जय जय
विजय जय जय
सर्वमङ्गल जय जय
ज्वालामालिन् जय जय
चित्र जय जय
महानित्य जय जय

परमेश्वरपरमेश्वरमय जय जय
मित्रेशमय जय जय
षष्ठीशमय जय जय
ओड्डीशमय जय जय
चर्यानन्दनाथमय जय जय
लोपामुद्रामय जय जय
अगस्त्यमय जय जय
कालतापनमय जय जय
धर्माचार्यनाथमय जय जय
मुक्तकेशेश्वरमय जय जय
दीपकलानाथमय जय जय
विष्णुदेवमय जय जय
प्रभाकरदेवमय जय जय
तेजोदेवमय जय जय
मनोजदेवमय जय जय
कल्याणदेवमय जय जय
रत्नदेवमय जय जय
वासुदेवमय जय जय
श्रीरामानन्दनाथमय जय जय
परप्रकाशानन्दनाथमय जय जय
परशिवानन्दनाथमय जय जय
पराशक्त्यंबामय जय जय
पराधिकानन्दनाथमय जय जय
कुलेश्वरानन्दनाथमय जय जय

शुक्लादेव्यम्बामय जय जय
कामेश्वरानन्दनाथमय जय जय
कामेश्वर्यम्बामय जय जय
भोगानन्दनाथमय जय जय
क्लिन्नानन्दनाथमय जय जय
समयानन्दनाथमय जय जय
सहजानन्दनाथमय जय जय
गगनानन्दनाथमय जय जय
विश्वानन्दनाथमय जय जय
विमलानन्दनाथमय जय जय
मदनानन्दनाथमय जय जय
भुवनानन्दनाथमय जय जय
लीलानन्दनाथमय जय जय
स्वात्मानन्दनाथमय जय जय
प्रियानन्दनाथमय जय जय
विमर्शानन्दनाथमय जय जय
प्रकाशानन्दनाथमय जय जय
रामानन्दनाथमय जय जय
अणिमासिद्धे जय जय
लघिमासिद्धे जय जय
महिमासिद्धे जय जय
ईशित्वसिद्धे जय जय
वशित्वसिद्धे जय जय
प्राकाम्यसिद्धे जय जय

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

भुक्तिसिद्धे जय जय
इच्छासिद्धे जय जय
प्राप्तिसिद्धे जय जय
सर्वकामसिद्धे जय जय
ब्राह्म जय जय
माहेश्वर जय जय
कौमार जय जय
वैष्णव जय जय
वाराह जय जय
माहेन्द्र जय जय
चामुण्ड जय जय
महालक्ष्मीश्वर जय जय
सर्वसंक्षोभिन् जय जय
सर्वविद्राविन् जय जय
सर्वाकर्षिन् जय जय
सर्ववशङ्कर जय जय
सर्वोन्मादिन् जय जय
सर्वमहाङ्कुश जय जय
सर्वखेचर जय जय
सर्वबीज जय जय
सर्वयोने जय जय
सर्वत्रिखण्ड जय जय
त्रैलोक्यमोहनचक्रस्वामिन् जय जय
प्रकटयोगिन् जय जय

कामाकर्षिन् जय जय
बुद्ध्याकर्षिन् जय जय
अहंकाराकर्षिन् जय जय
शब्दाकर्षिन् जय जय
स्पर्शाकर्षिन् जय जय
रूपाकर्षिन् जय जय
रसाकर्षिन् जय जय
गन्धाकर्षिन् जय जय
चित्ताकर्षिन् जय जय
धैर्याकर्षिन् जय जय
स्मृत्याकर्षिन् जय जय
नामाकर्षिन् जय जय
बीजाकर्षिन् जय जय
आत्माकर्षिन् जय जय
अमृताकर्षिन् जय जय
शरीराकर्षिन् जय जय
सर्वाशापरिपूरकचक्रस्वामिन् जय जय
गुप्तयोगिन् जय जय
अनङ्गकुसुम जय जय
अनङ्गमेखल जय जय
अनङ्गमदन जय जय
अनङ्गमदनातुर जय जय
अनङ्गरेख जय जय
अनङ्गवेगिन् जय जय

अनङ्गाङ्कुश जय जय
अनङ्गमालिन् जय जय
सर्वसंक्षोभणचक्रस्वामिन् जय जय
गुप्ततरयोगिन् जय जय
सर्वसंक्षोभिन् जय जय
सर्वविद्राविन् जय जय
सर्वाकर्षिन् जय जय
सर्वाह्लादिन् जय जय
सर्वसंमोहिन् जय जय
सर्वस्तम्भिन् जय जय
सर्वजृंभिन् जय जय
सर्ववशंकर जय जय
सर्वरञ्जन जय जय
सर्वोन्मादिन् जय जय
सर्वार्थसाधिन् जय जय
सर्वसंपत्तिपूरण जय जय
सर्वमन्त्रमय जय जय
सर्वद्वन्द्वक्षयङ्कर जय जय
सर्वसौभाग्यदायकचक्रस्वामिन् जय जय
संप्रदाययोगिन् जय जय
सर्वसिद्धिप्रद जय जय
सर्वसंपत्प्रद जय जय
सर्वप्रियङ्कर जय जय
सर्वमङ्गलकारिन् जय जय

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

सर्वकामफलप्रद	जय जय
सर्वदुःखविमोचन	जय जय
सर्वमृत्युप्रशमन	जय जय
सर्वविघ्ननिवारिण	जय जय
सर्वाङ्गसुन्दर	जय जय
सर्वसौभाग्यदायिन्	जय जय
सर्वार्थसाधकचक्रस्वामिन्	जय जय
कुलकौलयोगिन्	जय जय
सर्वज्ञ	जय जय
सर्वशक्ते	जय जय
सर्वैश्वर्यप्रद	जय जय
सर्वज्ञानमय	जय जय
सर्वव्याधिविनाशन	जय जय
सर्वाधारस्वरूप	जय जय
सर्वपापहर	जय जय
सर्वानन्दमय	जय जय
सर्वरक्षास्वरुपिन्	जय जय
सर्वेप्सितफलप्रद	जय जय
सर्वरक्षाकरचक्रस्वामिन्	जय जय
निगर्भयोगिन्	जय जय
वशिन्	जय जय
कामेश्वर	जय जय
मोदिन्	जय जय
विमल	जय जय
अरुण	जय जय
जयिन्	जय जय
सर्वेश्वर	जय जय
कौलिन्	जय जय
सर्वरोगहरचक्रस्वामिन्	जय जय
रहस्ययोगिन्	जय जय
बाणिन्	जय जय
चापिन्	जय जय
पाशिन्	जय जय
अङ्कुशिन्	जय जय
महाकामेश्वर	जय जय
महावज्रेश्वर	जय जय
महाभगमालिन्	जय जय
सर्वसिद्धिप्रदायकचक्रस्वामिन्	जय जय
अतिरहस्ययोगिन्	जय जय
महात्रिपुरसुन्दर	जय जय
श्रीमहाभट्टारक	जय जय
सर्वानन्दमयचक्रस्वामिन्	जय जय
परापररहस्ययोगिन्	जय जय
त्रिपुर	जय जय
त्रिपुरेश	जय जय
त्रिपुरसुन्दर	जय जय
त्रिपुरवासिन्	जय जय
त्रिपुराश्रीः	जय जय
त्रिपुरमालिन्	जय जय
त्रिपुरासिद्ध	जय जय
त्रिपुराम्ब	जय जय
त्रिपुरभैरव	जय जय
महात्रिपुरसुन्दर	जय जय
महामाहेश्वर	जय जय
महामहाराज	जय जय
महामहाशक्ते	जय जय
महामहागुप्ते	जय जय
महामहाज्ञप्ते	जय जय
महामहानन्द	जय जय
महामहास्कन्द	जय जय
महामहास्पन्द	जय जय
महामहाशय	जय जय
महामहाश्रीचक्रनगरसाम्राज्यलक्ष्मीः	जय जय

नमस्ते नमस्ते नमस्ते स्वाहा।

॥ श्रीं ह्रीं ऐं ओं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

(शु–एकादशि) **॥ अथ शुद्ध शक्तिशिव मिथुनमाला ॥** (कृ–पञ्चमि)

अस्य श्री शुद्ध शक्ति शिव मिथुन माला महामन्त्रस्य अहंकारेन्द्रियाधिष्ठायी त्वष्ट्रादित्य ऋषिः। अष्टिच्छन्दः। सात्विक ह्रींकार भट्टारक पीठस्थित हिरण्या नाम ललिता विभूषिताङ्क निलय हृदयेश्वर नाम कामेश्वर महाभट्टारको देवता ॥

ऐं बीजम् । क्लीं शक्तिः । सौः कीलकम् । मम सर्व सम्मोहन सिद्धौ विनियोगः ।

क ए ई ल ह्रीं	अङ्गुष्ठाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	तर्जनीभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	मध्यमाभ्यां नमः
क ए ई ल ह्रीं	अनामिकाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	कनिष्ठिकाभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	करतल करपृष्ठाभ्यां नमः

क ए ई ल ह्रीं	हृदयाय नमः
ह स क ह ल ह्रीं	शिरसे स्वाहा
स क ल ह्रीं	शिखायै वषट्
क ए ई ल ह्रीं	कवचाय हुं
ह स क ह ल ह्रीं	नेत्र त्रयाय वौषट्
स क ल ह्रीं	अस्त्राय फट्
भूर्भुवस्सुवरों इति दिग्बन्धः ।	

ध्यानं

अम्बिके तव भक्तानां अवलोकन मात्रतः ।
किं कर्तव्य विमूढास्युर्नरनारी नृपादयः ॥

लमित्यदि पञ्चपूजा ॥

(मूलं उच्चार्य)

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क ए ई ल ह्रीं ह स क ह ल ह्रीं स क ल ह्रीं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं

ओं नमस्त्रिपुरसुन्दरि	ओं नमस्त्रिपुरसुन्दर
हृदय देवि	हृदयदेव
शिरोदेवि	शिरोदेव
शिखादेवि	शिखादेव
कवचदेवि	कवचदेव
नेत्रदेवि	नेत्रदेव
अस्त्रदेवि	अस्त्रदेव
कामेश्वरि	कामेश्वर
भगमालिनि	भगमालिन्
नित्यक्लिन्ने	नित्यक्लिन्न
भेरुन्डे	भेरुण्ड
वह्निवासिनि	वह्निवासिन्
महावज्रेश्वरि	महावज्रेश्वर
शिवदूति	शिवदूत
त्वरिते	त्वरित
कुलसुन्दरि	कुलसुन्दर
नित्ये	नित्य
नीलपताके	नीलपताक
विजये	विजय
सर्वमङ्गले	सर्वमङ्गल
ज्वालामालिनि	ज्वालामालिन्
चित्रे	चित्र
महानित्ये	महानित्य
परमेश्वरपरमेश्वरमयि	परमेश्वरपरमेश्वरमय
मित्रेशमयि	मित्रेशमय
षष्ठीशमयि	षष्ठीशमय
ओड्डीशमयि	ओड्डीशमय
चर्यानन्दनाथमयि	चर्यानन्दनाथमय
लोपामुद्रामयि	लोपामुद्रामय
अगस्त्यमयि	अगस्त्यमय
कालतापनमयि	कालतापनमय
धर्माचार्यनाथमयि	धर्माचार्यनाथमय
मुक्तकेशेश्वरमयि	मुक्तकेशेश्वरमय
दीपकलानाथमयि	दीपकलानाथमय
विष्णुदेवमयि	विष्णुदेवमय
प्रभाकरदेवमयि	प्रभाकरदेवमय
तेजोदेवमयि	तेजोदेवमय
मनोजदेवमयि	मनोजदेवमय
कल्याणदेवमयि	कल्याणदेवमय
रत्नदेवमयि	रत्नदेवमय
वासुदेवमयि	वासुदेवमय
श्रीरामानन्दनाथमयि	श्रीरामानन्दनाथमय
परप्रकाशानन्दनाथमयि	परप्रकाशानन्दनाथमय
परशिवानन्दनाथमयि	परशिवानन्दनाथमय
पराशक्त्यम्बामयि	पराशक्त्यंबामय
पराधिकानन्दनाथमयि	पराधिकानन्दनाथमय
कुलेश्वरानन्दनाथमयि	कुलेश्वरानन्दनाथमय

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

शुक्लादेव्यम्बामयि	शुक्लादेव्यम्बामय
कामेश्वरानन्दनाथमयि	कामेश्वरानन्दनाथमय
कामेश्वर्यम्बामयि	कामेश्वर्यम्बामय
भोगानन्दनाथमयि	भोगानन्दनाथमय
क्लिन्नानन्दनाथमयि	क्लिन्नानन्दनाथमय
समयानन्दनाथमयि	समयानन्दनाथमय
सहजानन्दनाथमयि	सहजानन्दनाथमय
गगनानन्दनाथमयि	गगनानन्दनाथमय
विश्वानन्दनाथमयि	विश्वानन्दनाथमय
विमलानन्दनाथमयि	विमलानन्दनाथमय
मदनानन्दनाथमयि	मदनानन्दनाथमय
भुवनानन्दनाथमयि	भुवनानन्दनाथमय
लीलानन्दनाथमयि	लीलानन्दनाथमय
स्वात्मानन्दनाथमयि	स्वात्मानन्दनाथमय
प्रियानन्दनाथमयि	प्रियानन्दनाथमय
विमर्शानन्दनाथमयि	विमर्शानन्दनाथमय
प्रकाशानन्दनाथमयि	प्रकाशानन्दनाथमय
रामानन्दनाथमयि	रामानन्दनाथमय
अणिमासिद्धे	अणिमासिद्धे
लघिमासिद्धे	लघिमासिद्धे
महिमासिद्धे	महिमासिद्धे
ईशित्वसिद्धे	ईशित्वसिद्धे
वशित्वसिद्धे	वशित्वसिद्धे
प्राकाम्यसिद्धे	प्राकाम्यसिद्धे

भुक्तिसिद्धे	भुक्तिसिद्धे
इच्छासिद्धे	इच्छासिद्धे
प्राप्तिसिद्धे	प्राप्तिसिद्धे
सर्वकामसिद्धे	सर्वकामसिद्धे
ब्राह्मि	ब्राह्म
माहेश्वरि	माहेश्वर
कौमारि	कौमार
वैष्णवि	वैष्णव
वाराहि	वाराह
माहेन्द्रि	माहेन्द्र
चामुण्डे	चामुण्ड
महालक्ष्मीश्वरि	महालक्ष्मीश्वर
सर्व संक्षोभिणि	सर्वसंक्षोभिन्
सर्वविद्राविणि	सर्वविद्राविन्
सर्वाकर्षिणि	सर्वाकर्षिन्
सर्ववशङ्करि	सर्ववशङ्कर
सर्वोन्मादिनि	सर्वोन्मादिन्
सर्वमहाङ्कुशे	सर्वमहाङ्कुश
सर्वखेचरि	सर्वखेचर
सर्वबीजे	सर्वबीज
सर्वयोने	सर्वयोने
सर्वत्रिखण्डे	सर्वत्रिखण्ड
त्रैलोक्यमोहनचक्रस्वामिनि	त्रैलोक्यमोहनचक्रस्वामिन्
प्रकटयोगिनि	प्रकटयोगिन्

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

कामाकर्षिणि	कामाकर्षिन्
बुद्ध्याकर्षिणि	बुद्ध्याकर्षिन्
अहंकाराकर्षिणि	अहंकाराकर्षिन्
शब्दाकर्षिणि	शब्दाकर्षिन्
स्पर्शाकर्षिणि	स्पर्शाकर्षिन्
रूपाकर्षिणि	रुपाकर्षिन्
रसाकर्षिणि	रसाकर्षिन्
गन्धाकर्षिणि	गन्धाकर्षिन्
चित्ताकर्षिणि	चित्ताकर्षिन्
धैर्याकर्षिणि	धैर्याकर्षिन्
स्मृत्याकर्षिणि	स्मृत्याकर्षिन्
नामाकर्षिणि	नामाकर्षिन्
बीजाकर्षिणि	बीजाकर्षिन्
आत्माकर्षिणि	आत्माकर्षिन्
अमृताकर्षिणि	अमृताकर्षिन्
शरीराकर्षिणि	शरीराकर्षिन्
सर्वाशापरिपूरकचक्रस्वामिनि	सर्वाशापरिपूरकचक्रस्वामिन्
गुप्तयोगिनि	गुप्तयोगिन्
अनङ्गकुसुमे	अनङ्गकुसुम
अनङ्गमेखले	अनङ्गमेखल
अनङ्गमदने	अनङ्गमदन
अनङ्गमदनातुरे	अनङ्गमदनातुर
अनङ्गरेखे	अनङ्गरेख
अनङ्गवेगिनि	अनङ्गवेगिन्
अनङ्गाङ्कुशे	अनङ्गाङ्कुश
अनङ्गमालिनि	अनङ्गमालिन्
सर्वसंक्षोभणचक्रस्वामिनि	सर्वसंक्षोभणचक्रस्वामिन्
गुप्ततरयोगिनि	गुप्ततरयोगिन्
सर्वसंक्षोभिणि	सर्वसंक्षोभिन्
सर्वविद्राविणि	सर्वविद्राविन्
सर्वाकर्षिणि	सर्वाकर्षिन्
सर्वाह्लादिनि	सर्वाह्लादिन्
सर्वसंमोहिनि	सर्वसंमोहिन्
सर्वस्तम्भिनि	सर्वस्तम्भिन्
सर्वजृंभिनि	सर्वजृंभिन्
सर्ववशङ्करि	सर्ववशङ्कर
सर्वरञ्जनि	सर्वरञ्जन
सर्वोन्मादिनि	सर्वोन्मादिन्
सर्वार्थसाधिनि	सर्वार्थसाधिन्
सर्वसंपत्तिपूरणि	सर्वसंपत्तिपूरण
सर्वमन्त्रमयि	सर्वमन्त्रमय
सर्वद्वन्द्वक्षयङ्करि	सर्वद्वन्द्वक्षयङ्कर
सर्वसौभाग्यदायकचक्रस्वामिनि	सर्वसौभाग्यदायकचक्रस्वामिन्
संप्रदाययोगिनि	संप्रदाययोगिन्
सर्वसिद्धिप्रदे	सर्वसिद्धिप्रद
सर्वसंपत्प्रदे	सर्वसंपत्प्रद
सर्वप्रियङ्करि	सर्वप्रियङ्कर
सर्वमङ्गलकारिणि	सर्वमङ्गलकारिन्

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

सर्वकामफलप्रदे	सर्वकामफलप्रद
सर्वदुःखविमोचनि	सर्वदुःखविमोचन
सर्वमृत्युप्रशमनि	सर्वमृत्युप्रशमन
सर्वविघ्ननिवारिणि	सर्वविघ्ननिवारिण
सर्वाङ्गसुन्दरि	सर्वाङ्गसुन्दर
सर्वसौभाग्यदायिनि	सर्वसौभाग्यदायिन्
सर्वार्थसाधकचक्रस्वामिनि	सर्वार्थसाधकचक्रस्वामिन्
कुलकौलयोगिनि	कुलकौलयोगिन्
सर्वज्ञे	सर्वज्ञ
सर्वशक्ते	सर्वशक्ते
सर्वैश्वर्यप्रदे	सर्वैश्वर्यप्रद
सर्वज्ञानमयि	सर्वज्ञानमय
सर्वव्याधिविनाशिनि	सर्वव्याधिविनाशन
सर्वाधारस्वरूपे	सर्वाधारस्वरूप
सर्वपापहरे	सर्वपापहर
सर्वानन्दमयि	सर्वानन्दमय
सर्वरक्षास्वरूपिणि	सर्वरक्षास्वरुपिन्
सर्वेप्सितफलप्रदे	सर्वेप्सितफलप्रद
सर्वरक्षाकरचक्रस्वामिनि	सर्वरक्षाकरचक्रस्वामिन्
निगर्भयोगिनि	निगर्भयोगिन्
वशिनि	वशिन्
कामेश्वरि	कामेश्वर
मोदिनि	मोदिन्
विमले	विमल

अरुणे	अरुण
जयिनि	जयिन्
सर्वेश्वरि	सर्वेश्वर
कौलिनि	कौलिन्
सर्वरोगहरचक्रस्वामिनि	सर्वरोगहरचक्रस्वामिन्
रहस्ययोगिनि	रहस्ययोगिन्
बाणिनि	बाणिन्
चापिनि	चापिन्
पाशिनि	पाशिन्
अङ्कुशिनि	अङ्कुशिन्
महाकामेश्वरि	महाकामेश्वर
महावज्रेश्वरि	महावज्रेश्वर
महाभगमालिनि	महाभगमालिन्
सर्वसिद्धिप्रदायकचक्रस्वामिनि	सर्वसिद्धिप्रदायकचक्रस्वामिन्
अतिरहस्ययोगिनि	अतिरहस्ययोगिन्
महात्रिपुरसुन्दरि	महात्रिपुरसुन्दर
श्रीमहाभट्टारिके	श्रीमहाभट्टारक
सर्वानन्दमयचक्रस्वामिनि	सर्वानन्दमयचक्रस्वामिन्
परापररहस्ययोगिनि	परापररहस्ययोगिन्
त्रिपुरे	त्रिपुर
त्रिपुरेशि	त्रिपुरेश
त्रिपुरसुन्दरि	त्रिपुरसुन्दर
त्रिपुरवासिनि	त्रिपुरवासिन्
त्रिपुराश्री	त्रिपुराश्रीः

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

त्रिपुरमालिनि	त्रिपुरमालिन्
त्रिपुरासिद्धे	त्रिपुरासिद्ध
त्रिपुराम्बे	त्रिपुराम्ब
त्रिपुरभैरवि	त्रिपुरभैरव
महात्रिपुरसुन्दरि	महात्रिपुरसुन्दर
महामाहेश्वरि	महामाहेश्वर
महामहाराज्ञि	महामहाराज
महामहाशक्ते	महामहाशक्ते
महामहागुप्ते	महामहागुप्ते
महामहाज्ञप्ते	महामहाज्ञप्ते
महामहानन्दे	महामहानन्द
महामहास्कन्दे	महामहास्कन्द
महामहास्पन्दे	महामहास्पन्द
महामहाशये	महामहाशय
महामहाश्रीचक्रनगरसाम्राज्यलक्ष्मि	महामहाश्रीचक्रनगरसाम्राज्यलक्ष्मीः

नमस्ते नमस्ते नमस्ते स्वाहा ।

॥ श्रीं ह्रीं ऐं ओं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

(शु–द्वादशि) ॥ **अथ शुद्ध शक्तिशिव मिथुन नमोन्त माला** ॥ (कृ–चतुर्थि)

अस्य श्री शुद्धशक्तिशिव मिथुन नमोन्त माला महामन्त्रस्य बुद्धीन्द्रियाधिष्ठायी विष्ण्वादित्य ऋषिः। अत्यष्टि च्छन्दः। राजस सकार भट्टारक पीठस्थित सकलजननी नाम ललिता विभूषिताङ्कनिलय सर्वेश्वर नाम महाकामेश्वर महाभट्टारको देवता ॥

ऐं बीजम् । क्लीं शक्तिः । सौः कीलकम् । मम सर्व स्तम्भन सिद्धौ विनियोगः ।

क ए ई ल ह्रीं	अङ्गुष्ठाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	तर्जनीभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	मध्यमाभ्यां नमः
क ए ई ल ह्रीं	अनामिकाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	कनिष्ठिकाभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	करतल करपृष्ठाभ्यां नमः

क ए ई ल ह्रीं	हृदयाय नमः
ह स क ह ल ह्रीं	शिरसे स्वाहा
स क ल ह्रीं	शिखायै वषट्
क ए ई ल ह्रीं	कवचाय हुं
ह स क ह ल ह्रीं	नेत्र त्रयाय वौषट्
स क ल ह्रीं	अस्त्राय फट्
भूर्भुवस्सुवरों इति दिग्बन्धः ।	

ध्यानं

तव भक्त प्रभावेन शरीरेन्द्रिय चेतसा ।
साध्यास्तु स्तंभतां स्तब्धाः स्वकार्य विरहात्मकाः॥

लमित्यदि पञ्चपूजा ॥

(मूलं उच्चार्य)

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क ए ई ल ह्रीं ह स क ह ल ह्रीं स क ल ह्रीं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं

ओम् नमस्त्रिपुरसुन्दर्यै	नमः	ओं नमस्त्रिपुरसुन्दराय	नमः
हृदय देव्यै	नमः	हृदयदेवाय	नमः
शिरोदेव्यै	नमः	शिरोदेवाय	नमः
शिखादेव्यै	नमः	शिखादेवाय	नमः
कवचदेव्यै	नमः	कवचदेवाय	नमः
नेत्रदेव्यै	नमः	नेत्रदेवाय	नमः
अस्त्रदेव्यै	नमः	अस्त्रदेवाय	नमः
कामेश्वर्यै	नमः	कामेश्वराय	नमः
भगमालिन्यै	नमः	भगमालिने	नमः
नित्यक्लिन्नायै	नमः	नित्यक्लिन्नाय	नमः
भेरुण्डायै	नमः	भेरुण्डाय	नमः
वह्निवासिन्यै	नमः	वह्निवासिने	नमः
महावज्रेश्वर्यै	नमः	महावज्रेश्वराय	नमः
शिवदूत्यै	नमः	शिवदूताय	नमः
त्वरितायै	नमः	त्वरिताय	नमः
कुलसुन्दर्यै	नमः	कुलसुन्दराय	नमः
नित्यायै	नमः	नित्याय	नमः
नीलपताकायै	नमः	नीलपताकाय	नमः
विजयायै	नमः	विजयाय	नमः
सर्वमङ्गलायै	नमः	सर्वमङ्गलाय	नमः
ज्वालामालिन्यै	नमः	ज्वालामालिने	नमः
चित्रायै	नमः	चित्राय	नमः
महानित्यायै	नमः	महानित्याय	नमः

परमेश्वरपरमेश्वरमय्यै	नमः	परमेश्वरपरमेश्वरमयाय	नमः
मित्रेशमय्यै	नमः	मित्रेशमयाय	नमः
षष्ठीशमय्यै	नमः	षष्ठीशमयाय	नमः
ओड्डीशमय्यै	नमः	ओड्डीशमयाय	नमः
चर्यानन्दनाथमय्यै	नमः	चर्यानन्दनाथमयाय	नमः
लोपामुद्रामय्यै	नमः	लोपामुद्रामयाय	नमः
अगस्त्यमय्यै	नमः	अगस्त्यमयाय	नमः
कालतापनमय्यै	नमः	कालतापनमयाय	नमः
धर्माचार्यनाथमय्यै	नमः	धर्माचार्यनाथमयाय	नमः
मुक्तकेशेश्वरमय्यै	नमः	मुक्तकेशेश्वरमयाय	नमः
दीपकलानाथमय्यै	नमः	दीपकलानाथमयाय	नमः
विष्णुदेवमय्यै	नमः	विष्णुदेवमयाय	नमः
प्रभाकरदेवमय्यै	नमः	प्रभाकरदेवमयाय	नमः
तेजोदेवमय्यै	नमः	तेजोदेवमयाय	नमः
मनोजदेवमय्यै	नमः	मनोजदेवमयाय	नमः
कल्याणदेवमय्यै	नमः	कल्याणदेवमयाय	नमः
रत्नदेवमय्यै	नमः	रत्नदेवमयाय	नमः
वासुदेवमय्यै	नमः	वासुदेवमयाय	नमः
श्रीरामानन्दनाथमय्यै	नमः	श्रीरामानन्दनाथमयाय	नमः
परप्रकाशानन्दनाथमय्यै	नमः	परप्रकाशानन्दनाथमयाय	नमः
परशिवानन्दनाथमय्यै	नमः	परशिवानन्दनाथमयाय	नमः
पराशक्त्यंबामय्यै	नमः	पराशक्त्यंबामयाय	नमः
पराधिकानन्दनाथमय्यै	नमः	पराधिकानन्दनाथमयाय	नमः
कुलेश्वरानन्दनाथमय्यै	नमः	कुलेश्वरानन्दनाथमयाय	नमः

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

शुक्लादेव्यम्बामय्यै	नमः	शुक्लादेव्यम्बामयाय	नमः	भुक्तिसिद्ध्यै	नमः	भुक्तिसिद्धये	नमः
कामेश्वरानन्दनाथमय्यै	नमः	कामेश्वरानन्दनाथमयाय	नमः	इच्छासिद्ध्यै	नमः	इच्छासिद्धये	नमः
कामेश्वर्यम्बामय्यै	नमः	कामेश्वर्यम्बामयाय	नमः	प्राप्तिसिद्ध्यै	नमः	प्राप्तिसिद्धये	नमः
भोगानन्दनाथमय्यै	नमः	भोगानन्दनाथमयाय	नमः	सर्वकामसिद्ध्यै	नमः	सर्वकामसिद्धये	नमः
क्लिन्नानन्दनाथमय्यै	नमः	क्लिन्नानन्दनाथमयाय	नमः	ब्राह्म्यै	नमः	ब्राह्माय	नमः
समयानन्दनाथमय्यै	नमः	समयानन्दनाथमयाय	नमः	माहेश्वर्यै	नमः	माहेश्वराय	नमः
सहजानन्दनाथमय्यै	नमः	सहजानन्दनाथमयाय	नमः	कौमार्यै	नमः	कौमाराय	नमः
गगनानन्दनाथमय्यै	नमः	गगनानन्दनाथमयाय	नमः	वैष्णव्यै	नमः	वैष्णवाय	नमः
विश्वानन्दनाथमय्यै	नमः	विश्वानन्दनाथमयाय	नमः	वाराह्यै	नमः	वाराहाय	नमः
विमलानन्दनाथमय्यै	नमः	विमलानन्दनाथमयाय	नमः	माहेन्द्र्यै	नमः	माहेन्द्राय	नमः
मदनानन्दनाथमय्यै	नमः	मदनानन्दनाथमयाय	नमः	चामुण्डायै	नमः	चामुण्डाय	नमः
भुवनानन्दनाथमय्यै	नमः	भुवनानन्दनाथमयाय	नमः	महालक्ष्मीश्वर्यै	नमः	महालक्ष्मीश्वराय	नमः
लीलानन्दनाथमय्यै	नमः	लीलानन्दनाथमयाय	नमः	सर्वसंक्षोभिण्यै	नमः	सर्वसंक्षोभिणे	नमः
स्वात्मानन्दनाथमय्यै	नमः	स्वात्मानन्दनाथमयाय	नमः	सर्वविद्राविण्यै	नमः	सर्वविद्राविणे	नमः
प्रियानन्दनाथमय्यै	नमः	प्रियानन्दनाथमयाय	नमः	सर्वाकर्षिण्यै	नमः	सर्वाकर्षिणे	नमः
विमर्शानन्दनाथमय्यै	नमः	विमर्शानन्दनाथमयाय	नमः	सर्ववशङ्कर्यै	नमः	सर्ववशङ्कराय	नमः
प्रकाशानन्दनाथमय्यै	नमः	प्रकाशानन्दनाथमयाय	नमः	सर्वोन्मादिन्यै	नमः	सर्वोन्मादिने	नमः
रामानन्दनाथमय्यै	नमः	रामानन्दनाथमयाय	नमः	सर्वमहाङ्कुशायै	नमः	सर्वमहाङ्कुशाय	नमः
अणिमासिद्ध्यै	नमः	अणिमासिद्धये	नमः	सर्वखेचर्यै	नमः	सर्वखेचराय	नमः
लघिमासिद्ध्यै	नमः	लघिमासिद्धये	नमः	सर्वबीजायै	नमः	सर्वबीजाय	नमः
महिमासिद्ध्यै	नमः	महिमासिद्धये	नमः	सर्वयोन्यै	नमः	सर्वयोनये	नमः
ईशित्वसिद्ध्यै	नमः	ईशित्वसिद्धये	नमः	सर्वत्रिखण्डायै	नमः	सर्वत्रिखण्डाय	नमः
वशित्वसिद्ध्यै	नमः	वशित्वसिद्धये	नमः	त्रैलोक्यमोहनचक्रस्वामिन्यै	नमः	त्रैलोक्यमोहनचक्रस्वामिने	नमः
प्राकाम्यसिद्ध्यै	नमः	प्राकाम्यसिद्धये	नमः	प्रकटयोगिन्यै	नमः	प्रकटयोगिने	नमः

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

कामाकर्षिण्यै	नमः	कामाकर्षिणे	नमः	अनङ्गाङ्कुशायै	नमः	अनङ्गाङ्कुशाय	नमः
बुद्ध्याकर्षिण्यै	नमः	बुद्ध्याकर्षिणे	नमः	अनङ्गमालिन्यै	नमः	अनङ्गमालिने	नमः
अहंकाराकर्षिण्यै	नमः	अहंकाराकर्षिणे	नमः	सर्वसंक्षोभणचक्रस्वामिन्यै	नमः	सर्वसंक्षोभणचक्रस्वामिने	नमः
शब्दाकर्षिण्यै	नमः	शब्दाकर्षिणे	नमः	गुप्ततरयोगिन्यै	नमः	गुप्ततरयोगिने	नमः
स्पर्शाकर्षिण्यै	नमः	स्पर्शाकर्षिणे	नमः	सर्वसंक्षोभिण्यै	नमः	सर्वसंक्षोभिणे	नमः
रूपाकर्षिण्यै	नमः	रुपाकर्षिणे	नमः	सर्वविद्राविण्यै	नमः	सर्वविद्राविणे	नमः
रसाकर्षिण्यै	नमः	रसाकर्षिणे	नमः	सर्वाकर्षिण्यै	नमः	सर्वाकर्षिणे	नमः
गन्धाकर्षिण्यै	नमः	गन्धाकर्षिणे	नमः	सर्वाह्लादिन्यै	नमः	सर्वाह्लादिने	नमः
चित्ताकर्षिण्यै	नमः	चित्ताकर्षिणे	नमः	सर्वसंमोहिन्यै	नमः	सर्वसंमोहिने	नमः
धैर्याकर्षिण्यै	नमः	धैर्याकर्षिणे	नमः	सर्वस्तम्भिन्यै	नमः	सर्वस्तम्भिने	नमः
स्मृत्याकर्षिण्यै	नमः	स्मृत्याकर्षिणे	नमः	सर्वजृंभिन्यै	नमः	सर्वजृंभिने	नमः
नामाकर्षिण्यै	नमः	नामाकर्षिणे	नमः	सर्ववशङ्कर्यै	नमः	सर्ववशङ्कराय	नमः
बीजाकर्षिण्यै	नमः	बीजाकर्षिणे	नमः	सर्वरञ्जन्यै	नमः	सर्वरञ्जनाय	नमः
आत्माकर्षिण्यै	नमः	आत्माकर्षिणे	नमः	सर्वोन्मादिन्यै	नमः	सर्वोन्मादिने	नमः
अमृताकर्षिण्यै	नमः	अमृताकर्षिणे	नमः	सर्वार्थसाधिन्यै	नमः	सर्वार्थसाधिने	नमः
शरीराकर्षिण्यै	नमः	शरीराकर्षिणे	नमः	सर्वसंपत्तिपूरण्यै	नमः	सर्वसंपत्तिपूरणाय	नमः
सर्वाशापरिपूरकचक्रस्वामिन्यै	नमः	सर्वाशापरिपूरकचक्रस्वामिने	नमः	सर्वमन्त्रमय्यै	नमः	सर्वमन्त्रमयाय	नमः
गुप्तयोगिन्यै	नमः	गुप्तयोगिने	नमः	सर्वद्वन्द्वक्षयङ्कर्यै	नमः	सर्वद्वन्द्वक्षयङ्कराय	नमः
अनङ्गकुसुमायै	नमः	अनङ्गकुसुमाय	नमः	सर्वसौभाग्यदायकचक्रस्वामिन्यै	नमः	सर्वसौभाग्यदायकचक्रस्वामिने	नमः
अनङ्गमेखलायै	नमः	अनङ्गमेखलाय	नमः	सम्प्रदाययोगिन्यै	नमः	सम्प्रदाययोगिने	नमः
अनङ्गमदनायै	नमः	अनङ्गमदनाय	नमः	सर्वसिद्धिप्रदायै	नमः	सर्वसिद्धिप्रदाय	नमः
अनङ्गमदनातुरायै	नमः	अनङ्गमदनातुराय	नमः	सर्वसंपत्प्रदायै	नमः	सर्वसंपत्प्रदाय	नमः
अनङ्गरेखायै	नमः	अनङ्गरखाय	नमः	सर्वप्रियङ्कर्यै	नमः	सर्वप्रियङ्कराय	नमः
अनङ्गवेगिन्यै	नमः	अनङ्गवेगिने	नमः	सर्वमङ्गलकारिण्यै	नमः	सर्वमङ्गलकारिणे	नमः

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

सर्वकामफलप्रदायै	नमः	सर्वकामफलप्रदाय	नमः	अरुणायै	नमः	अरुणाय	नमः
सर्वदु:खविमोचन्यै	नमः	सर्वदु:खविमोचनाय	नमः	जयिन्यै	नमः	जयिने	नमः
सर्वमृत्युप्रशमन्यै	नमः	सर्वमृत्युप्रशमनाय	नमः	सर्वेश्वर्यै	नमः	सर्वेश्वराय	नमः
सर्वविघ्ननिवारिण्यै	नमः	सर्वविघ्ननिवारणाय	नमः	कौलिन्यै	नमः	कौलिने	नमः
सर्वाङ्गसुन्दर्यै	नमः	सर्वाङ्गसुन्दराय	नमः	सर्वरोगहरचक्रस्वामिन्यै	नमः	सर्वरोगहरचक्रस्वामिने	नमः
सर्वसौभाग्यदायिन्यै	नमः	सर्वसौभाग्यदायिने	नमः	रहस्ययोगिन्यै	नमः	रहस्ययोगिने	नमः
सर्वार्थसाधकचक्रस्वामिन्यै	नमः	सर्वार्थसाधकचक्रस्वामिने	नमः	बाणिन्यै	नमः	बाणिने	नमः
कुलकौलयोगिन्यै	नमः	कुलकौलयोगिने	नमः	चापिन्यै	नमः	चापिने	नमः
सर्वज्ञायै	नमः	सर्वज्ञाय	नमः	पाशिन्यै	नमः	पाशिने	नमः
सर्वशक्त्यै	नमः	सर्वशक्तये	नमः	अङ्कुशिन्यै	नमः	अङ्कुशिने	नमः
सर्वैश्वर्यप्रदायै	नमः	सर्वैश्वर्यप्रदाय	नमः	महाकामेश्वर्यै	नमः	महाकामेश्वराय	नमः
सर्वज्ञानमय्यै	नमः	सर्वज्ञानमयाय	नमः	महावज्रेश्वर्यै	नमः	महावज्रेश्वराय	नमः
सर्वव्याधिविनाशिन्यै	नमः	सर्वव्याधिविनाशिने	नमः	महाभगमलिन्यै	नमः	महाभगमालिने	नमः
सर्वाधारस्वरूपायै	नमः	सर्वाधारस्वरूपाय	नमः	सर्वसिद्धिप्रदायकचक्रस्वामिन्यै	नमः	सर्वसिद्धिप्रदायकचक्रस्वामिने	नमः
सर्वपापहरायै	नमः	सर्वपापहराय	नमः	अतिरहस्ययोगिन्यै	नमः	अतिरहस्ययोगिने	नमः
सर्वानन्दमय्यै	नमः	सर्वानन्दमयाय	नमः	महात्रिपुरसुन्दर्यै	नमः	महात्रिपुरसुन्दराय	नमः
सर्वरक्षास्वरूपिण्यै	नमः	सर्वरक्षास्वरूपिणे	नमः	श्रीमहाभट्टारिकायै	नमः	श्रीमहाभट्टारकाय	नमः
सर्वेप्सितफलप्रदायै	नमः	सर्वेप्सितफलप्रदाय	नमः	सर्वानन्दमयचक्रस्वामिन्यै	नमः	सर्वानन्दमयचक्रस्वामिने	नमः
सर्वरक्षाकरचक्रस्वामिन्यै	नमः	सर्वरक्षाकरचक्रस्वामिने	नमः	परापररहस्ययोगिन्यै	नमः	परापररहस्ययोगिने	नमः
निगर्भयोगिन्यै	नमः	निगर्भयोगिने	नमः	त्रिपुरायै	नमः	त्रिपुराय	नमः
वशिन्यै	नमः	वशिने	नमः	त्रिपुरेश्यै	नमः	त्रिपुरेशाय	नमः
कामेश्वर्यै	नमः	कामेश्वराय	नमः	त्रिपुरसुन्दर्यै	नमः	त्रिपुरसुन्दराय	नमः
मोदिन्यै	नमः	मोदिने	नमः	त्रिपुरवासिन्यै	नमः	त्रिपुरवासिने	नमः
विमलायै	नमः	विमलाय	नमः	त्रिपुराश्रियै	नमः	त्रिपुराश्रिये	नमः

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

त्रिपुरमालिन्यै	नमः	त्रिपुरमालिने	नमः
त्रिपुरासिद्धायै	नमः	त्रिपुरासिद्धाय	नमः
त्रिपुराम्बायै	नमः	त्रिपुराम्बाय	नमः
त्रिपुरभैरव्यै	नमः	त्रिपुरभैरवाय	नमः
महात्रिपुरसुन्दर्यै	नमः	महात्रिपुरसुन्दराय	नमः
महामाहेश्वर्यै	नमः	महामाहेश्वराय	नमः
महामहाराज्ञ्यै	नमः	महामहाराजाय	नमः
महामहाशक्त्यै	नमः	महामहाशक्तये	नमः
महामहागुप्त्यै	नमः	महामहागुप्तये	नमः
महामहाज्ञप्त्यै	नमः	महामहाज्ञप्तये	नमः
महामहानन्दायै	नमः	महामहानन्दाय	नमः
महामहास्कन्दायै	नमः	महामहास्कन्दाय	नमः
महामहास्पन्दायै	नमः	महामहास्पन्दाय	नमः
महामहाशयायै	नमः	महामहाशयाय	नमः
महामहाश्रीचक्रनगरसाम्राज्यलक्ष्म्यै	नमः	महामहाश्रीचक्रनगरसाम्राज्यलक्ष्म्ये	नमः

नमस्ते नमस्ते नमस्ते स्वाहा ।

॥ श्रीं ह्रीं ऐं ओं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

(शु–त्रयोदशि) **॥ अथ शुद्ध शक्तिशिव मिथुन स्वाहान्त माला ॥** (कृ–त्रितीया)

अस्य श्री शुद्धशक्तिशिव मिथुन स्वाहान्त माला महामन्त्रस्य। मन इन्द्रियाधिष्ठायी ब्रह्मरूपी प्रातरादित्य ऋषि:। धृतिच्छन्द:। तामस ककार भट्टारक पीठस्थित कामकोटि नाम ललिता विभूषिताङ्ग निलय करुणाकर नाम कामेश्वर महाभट्टारकोदेवता ॥

ऐं बीजम् । क्लीं शक्ति: । सौ: कीलकम् । मम सर्व समृद्धि सिद्धौ विनियोग:।

क ए ई ल ह्रीं	अङ्गुष्ठाभ्यां नम:
ह स क ह ल ह्रीं	तर्जनीभ्यां नम:
स क ल ह्रीं	मध्यमाभ्यां नम:
क ए ई ल ह्रीं	अनामिकाभ्यां नम:
ह स क ह ल ह्रीं	कनिष्ठिकाभ्यां नम:
स क ल ह्रीं	करतल करपृष्ठाभ्यां नम:

क ए ई ल ह्रीं	हृदयाय नम:
ह स क ह ल ह्रीं	शिरसे स्वाहा
स क ल ह्रीं	शिखायै वषट्
क ए ई ल ह्रीं	कवचाय हुं
ह स क ह ल ह्रीं	नेत्र त्रयाय वौषट्
स क ल ह्रीं	अस्त्राय फट्
भूर्भुवस्सुवरों इति दिग्बन्ध: ।	

ध्यानं

धर्मश्चार्थश्च कामश्च त्रिवर्गोऽयं शरीरिण:।
अप्रयासेन सिद्धिस्यात्तव भक्तस्य शोभने ॥

लमित्यदि पञ्चपूजा ॥

(मूलं उच्चार्य)

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क ए ई ल ह्रीं ह स क ह ल ह्रीं स क ल ह्रीं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं

ओं नमस्त्रिपुरसुन्दर्यै	स्वाहा	ओं नमस्त्रिपुरसुन्दराय	स्वाहा
हृदय देव्यै	स्वाहा	हृदयदेवाय	स्वाहा
शिरोदेव्यै	स्वाहा	शिरोदेवाय	स्वाहा
शिखादेव्यै	स्वाहा	शिखादेवाय	स्वाहा
कवचदेव्यै	स्वाहा	कवचदेवाय	स्वाहा
नेत्रदेव्यै	स्वाहा	नेत्रदेवाय	स्वाहा
अस्त्रदेव्यै	स्वाहा	अस्त्रदेवाय	स्वाहा
कामेश्वर्यै	स्वाहा	कामेश्वराय	स्वाहा
भगमालिन्यै	स्वाहा	भगमालिने	स्वाहा
नित्यक्लिन्नायै	स्वाहा	नित्यक्लिन्नाय	स्वाहा
भेरुण्डायै	स्वाहा	भेरुण्डाय	स्वाहा
वह्निवासिन्यै	स्वाहा	वह्निवासिने	स्वाहा
महावज्रेश्वर्यै	स्वाहा	महावज्रेश्वराय	स्वाहा
शिवदूत्यै	स्वाहा	शिवदूताय	स्वाहा
त्वरितायै	स्वाहा	त्वरिताय	स्वाहा
कुलसुन्दर्यै	स्वाहा	कुलसुन्दराय	स्वाहा
नित्यायै	स्वाहा	नित्याय	स्वाहा
नीलपताकायै	स्वाहा	नीलपताकाय	स्वाहा
विजयायै	स्वाहा	विजयाय	स्वाहा
सर्वमङ्गलायै	स्वाहा	सर्वमङ्गलाय	स्वाहा
ज्वालामालिन्यै	स्वाहा	ज्वालामालिने	स्वाहा
चित्रायै	स्वाहा	चित्राय	स्वाहा
महानित्यायै	स्वाहा	महानित्याय	स्वाहा

परमेश्वरपरमेश्वरमय्यै	स्वाहा	परमेश्वरपरमेश्वरमयाय	स्वाहा
मित्रेशमय्यै	स्वाहा	मित्रेशमयाय	स्वाहा
षष्ठीशमय्यै	स्वाहा	षष्ठीशमयाय	स्वाहा
ओड्डीशमय्यै	स्वाहा	ओड्डीशमयाय	स्वाहा
चर्यानन्दनाथमय्यै	स्वाहा	चर्यानन्दनाथमयाय	स्वाहा
लोपामुद्रामय्यै	स्वाहा	लोपामुद्रामयाय	स्वाहा
अगस्त्यमय्यै	स्वाहा	अगस्त्यमयाय	स्वाहा
कालतापनमय्यै	स्वाहा	कालतापनमयाय	स्वाहा
धर्माचार्यनाथमय्यै	स्वाहा	धर्माचार्यनाथमयाय	स्वाहा
मुक्तकेशेश्वरमय्यै	स्वाहा	मुक्तकेशेश्वरमयाय	स्वाहा
दीपकलानाथमय्यै	स्वाहा	दीपकलानाथमयाय	स्वाहा
विष्णुदेवमय्यै	स्वाहा	विष्णुदेवमयाय	स्वाहा
प्रभाकरदेवमय्यै	स्वाहा	प्रभाकरदेवमयाय	स्वाहा
तेजोदेवमय्यै	स्वाहा	तेजोदेवमयाय	स्वाहा
मनोजदेवमय्यै	स्वाहा	मनोजदेवमयाय	स्वाहा
कल्याणदेवमय्यै	स्वाहा	कल्याणदेवमयाय	स्वाहा
रत्नदेवमय्यै	स्वाहा	रत्नदेवमयाय	स्वाहा
वासुदेवमय्यै	स्वाहा	वासुदेवमयाय	स्वाहा
श्रीरामानन्दनाथमय्यै	स्वाहा	श्रीरामानन्दनाथमयाय	स्वाहा
परप्रकाशानन्दनाथमय्यै	स्वाहा	परप्रकाशानन्दनाथमयाय	स्वाहा
परशिवानन्दनाथमय्यै	स्वाहा	परशिवानन्दनाथमयाय	स्वाहा
पराशक्त्यंबामय्यै	स्वाहा	पराशक्तयंबामयाय	स्वाहा
पराधिकानन्दनाथमय्यै	स्वाहा	पराधिकानन्दनाथमयाय	स्वाहा

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

कुलेश्वरानन्दनाथमय्यै	स्वाहा	कुलेश्वरानन्दनाथमयाय	स्वाहा	प्राकाम्यसिद्ध्यै	स्वाहा	प्राकाम्यसिद्धये	स्वाहा
शुक्लादेव्यम्बामय्यै	स्वाहा	शुक्लादेव्यम्बामयाय	स्वाहा	भुक्तिसिद्ध्यै	स्वाहा	भुक्तिसिद्धये	स्वाहा
कामेश्वरानन्दनाथमय्यै	स्वाहा	कामेश्वरानन्दनाथमयाय	स्वाहा	इच्छासिद्ध्यै	स्वाहा	इच्छासिद्धये	स्वाहा
कामेश्वर्यम्बामय्यै	स्वाहा	कामेश्वर्यम्बामयाय	स्वाहा	प्राप्तिसिद्ध्यै	स्वाहा	प्राप्तिसिद्धये	स्वाहा
भोगानन्दनाथमय्यै	स्वाहा	भोगानन्दनाथमयाय	स्वाहा	सर्वकामसिद्ध्यै	स्वाहा	सर्वकामसिद्धये	स्वाहा
क्लिन्नानन्दनाथमय्यै	स्वाहा	क्लिन्नानन्दनाथमयाय	स्वाहा	ब्राह्म्यै	स्वाहा	ब्राह्माय	स्वाहा
समयानन्दनाथमय्यै	स्वाहा	समयानन्दनाथमयाय	स्वाहा	माहेश्वर्यै	स्वाहा	माहेश्वराय	स्वाहा
सहजानन्दनाथमय्यै	स्वाहा	सहजानन्दनाथमयाय	स्वाहा	कौमार्यै	स्वाहा	कौमाराय	स्वाहा
गगनानन्दनाथमय्यै	स्वाहा	गगनानन्दनाथमयाय	स्वाहा	वैष्णव्यै	स्वाहा	वैष्णवाय	स्वाहा
विश्वानन्दनाथमय्यै	स्वाहा	विश्वानन्दनाथमयाय	स्वाहा	वाराह्यै	स्वाहा	वाराहाय	स्वाहा
विमलानन्दनाथमय्यै	स्वाहा	विमलानन्दनाथमयाय	स्वाहा	माहेन्द्र्यै	स्वाहा	माहेन्द्राय	स्वाहा
मदनानन्दनाथमय्यै	स्वाहा	मदनानन्दनाथमयाय	स्वाहा	चामुण्डायै	स्वाहा	चामुण्डाय	स्वाहा
भुवनानन्दनाथमय्यै	स्वाहा	भुवनानन्दनाथमयाय	स्वाहा	महालक्ष्मीश्वर्यै	स्वाहा	महालक्ष्मीश्वराय	स्वाहा
लीलानन्दनाथमय्यै	स्वाहा	लीलानन्दनाथमयाय	स्वाहा	सर्वसंक्षोभिण्यै	स्वाहा	सर्वसंक्षोभिणे	स्वाहा
स्वात्मानन्दनाथमय्यै	स्वाहा	स्वात्मानन्दनाथमयाय	स्वाहा	सर्वविद्राविण्यै	स्वाहा	सर्वविद्राविणे	स्वाहा
प्रियानन्दनाथमय्यै	स्वाहा	प्रियानन्दनाथमयाय	स्वाहा	सर्वाकर्षिण्यै	स्वाहा	सर्वाकर्षिणे	स्वाहा
विमर्शानन्दनाथमय्यै	स्वाहा	विमर्शानन्दनाथमयाय	स्वाहा	सर्ववशङ्कर्यै	स्वाहा	सर्ववशङ्कराय	स्वाहा
प्रकाशानन्दनाथमय्यै	स्वाहा	प्रकाशानन्दनाथमयाय	स्वाहा	सर्वोन्मादिन्यै	स्वाहा	सर्वोन्मादिने	स्वाहा
रामानन्दनाथमय्यै	स्वाहा	रामानन्दनाथमयाय	स्वाहा	सर्वमहाङ्कुशायै	स्वाहा	सर्वमहाङ्कुशाय	स्वाहा
अणिमासिद्ध्यै	स्वाहा	अणिमासिद्धये	स्वाहा	सर्वखेचर्यै	स्वाहा	सर्वखेचराय	स्वाहा
लघिमासिद्ध्यै	स्वाहा	लघिमासिद्धये	स्वाहा	सर्वबीजायै	स्वाहा	सर्वबीजाय	स्वाहा
महिमासिद्ध्यै	स्वाहा	महिमासिद्धये	स्वाहा	सर्वयोन्यै	स्वाहा	सर्वयोनये	स्वाहा
ईशित्वसिद्ध्यै	स्वाहा	ईशित्वसिद्धये	स्वाहा	सर्वत्रिखण्डायै	स्वाहा	सर्वत्रिखण्डाय	स्वाहा
वशित्वसिद्ध्यै	स्वाहा	वशित्वसिद्धये	स्वाहा	त्रैलोक्यमोहनचक्रस्वामिन्यै	स्वाहा	त्रैलोक्यमोहनचक्रस्वामिने	स्वाहा

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

प्रकटयोगिन्यै	स्वाहा	प्रकटयोगिने	स्वाहा	अनङ्गवेगिन्यै	स्वाहा	अनङ्गवेगिने	स्वाहा
कामाकर्षिण्यै	स्वाहा	कामाकर्षिणे	स्वाहा	अनङ्गाङ्कुशायै	स्वाहा	अनङ्गाङ्कुशाय	स्वाहा
बुद्ध्याकर्षिण्यै	स्वाहा	बुद्ध्याकर्षिणे	स्वाहा	अनङ्गमालिन्यै	स्वाहा	अनङ्गमालिने	स्वाहा
अहंकाराकर्षिण्यै	स्वाहा	अहंकाराकर्षिणे	स्वाहा	सर्वसंक्षोभणचक्रस्वामिन्यै	स्वाहा	सर्वसंक्षोभणचक्रस्वामिने	स्वाहा
शब्दाकर्षिण्यै	स्वाहा	शब्दाकर्षिणे	स्वाहा	गुप्ततरयोगिन्यै	स्वाहा	गुप्ततरयोगिने	स्वाहा
स्पर्शाकर्षिण्यै	स्वाहा	स्पर्शाकर्षिणे	स्वाहा	सर्वसंक्षोभिण्यै	स्वाहा	सर्वसंक्षोभिणे	स्वाहा
रूपाकर्षिण्यै	स्वाहा	रूपाकर्षिणे	स्वाहा	सर्वविद्राविण्यै	स्वाहा	सर्वविद्राविणे	स्वाहा
रसाकर्षिण्यै	स्वाहा	रसाकर्षिने	स्वाहा	सर्वाकर्षिण्यै	स्वाहा	सर्वाकर्षिने	स्वाहा
गन्धाकर्षिण्यै	स्वाहा	गन्धाकर्षिने	स्वाहा	सर्वाह्लादिन्यै	स्वाहा	सर्वाह्लादिने	स्वाहा
चित्ताकर्षिण्यै	स्वाहा	चित्ताकर्षिने	स्वाहा	सर्वसंमोहिन्यै	स्वाहा	सर्वसंमोहिने	स्वाहा
धैर्याकर्षिण्यै	स्वाहा	धैर्याकर्षिने	स्वाहा	सर्वस्तम्भिन्यै	स्वाहा	सर्वस्तम्भिने	स्वाहा
स्मृत्याकर्षिण्यै	स्वाहा	स्मृत्याकर्षिने	स्वाहा	सर्वजृंभिन्यै	स्वाहा	सर्वजृंभिने	स्वाहा
नामाकर्षिण्यै	स्वाहा	नामाकर्षिने	स्वाहा	सर्ववशङ्कर्यै	स्वाहा	सर्ववशङ्कराय	स्वाहा
बीजाकर्षिण्यै	स्वाहा	बीजाकर्षिने	स्वाहा	सर्वरञ्जन्यै	स्वाहा	सर्वरञ्जनाय	स्वाहा
आत्माकर्षिण्यै	स्वाहा	आत्माकर्षिने	स्वाहा	सर्वोन्मादिन्यै	स्वाहा	सर्वोन्मादिने	स्वाहा
अमृताकर्षिण्यै	स्वाहा	अमृताकर्षिने	स्वाहा	सर्वार्थसाधिन्यै	स्वाहा	सर्वार्थसाधिने	स्वाहा
शरीराकर्षिण्यै	स्वाहा	शरीराकर्षिने	स्वाहा	सर्वसंपत्तिपूरण्यै	स्वाहा	सर्वसंपत्तिपूरणाय	स्वाहा
सर्वाशापरिपूरकचक्रस्वामिन्यै	स्वाहा	सर्वाशापरिपूरकचक्रस्वामिने	स्वाहा	सर्वमन्त्रमय्यै	स्वाहा	सर्वमन्त्रमयाय	स्वाहा
गुप्तयोगिन्यै	स्वाहा	गुप्तयोगिने	स्वाहा	सर्वद्वन्द्वक्षयङ्कर्यै	स्वाहा	सर्वद्वन्द्वक्षयङ्कराय	स्वाहा
अनङ्गकुसुमायै	स्वाहा	अनङ्गकुसुमाय	स्वाहा	सर्वसौभाग्यदायकचक्रस्वामिन्यै	स्वाहा	सर्वसौभाग्यदायकचक्रस्वामिने	स्वाहा
अनङ्गमेखलायै	स्वाहा	अनङ्गमेखलाय	स्वाहा	सम्प्रदाययोगिन्यै	स्वाहा	सम्प्रदाययोगिने	स्वाहा
अनङ्गमदनायै	स्वाहा	अनङ्गमदनाय	स्वाहा	सर्वसिद्धिप्रदायै	स्वाहा	सर्वसिद्धिप्रदाय	स्वाहा
अनङ्गमदनातुरायै	स्वाहा	अनङ्गमदनातुराय	स्वाहा	सर्वसंपत्प्रदायै	स्वाहा	सर्वसंपत्प्रदाय	स्वाहा
अनङ्गरेखायै	स्वाहा	अनङ्गरेखाय	स्वाहा	सर्वप्रियङ्कर्यै	स्वाहा	सर्वप्रियङ्कराय	स्वाहा

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

सर्वमङ्गलकारिण्यै	स्वाहा	सर्वमङ्गलकारिणे	स्वाहा
सर्वकामफलप्रदायै	स्वाहा	सर्वकामफलप्रदाय	स्वाहा
सर्वदुःखविमोचन्यै	स्वाहा	सर्वदुःखविमोचनाय	स्वाहा
सर्वमृत्युप्रशमन्यै	स्वाहा	सर्वमृत्युप्रशमनाय	स्वाहा
सर्वविघ्ननिवारिण्यै	स्वाहा	सर्वविघ्ननिवारणाय	स्वाहा
सर्वाङ्गसुन्दर्यै	स्वाहा	सर्वाङ्गसुन्दराय	स्वाहा
सर्वसौभाग्यदायिन्यै	स्वाहा	सर्वसौभाग्यदायिने	स्वाहा
सर्वार्थसाधकचक्रस्वामिन्यै	स्वाहा	सर्वार्थसाधकचक्रस्वामिने	स्वाहा
कुलकौलयोगिन्यै	स्वाहा	कुलकौलयोगिने	स्वाहा
सर्वज्ञायै	स्वाहा	सर्वज्ञाय	स्वाहा
सर्वशक्त्यै	स्वाहा	सर्वशक्तये	स्वाहा
सर्वैश्वर्यप्रदायै	स्वाहा	सर्वैश्वर्यप्रदाय	स्वाहा
सर्वज्ञानमय्यै	स्वाहा	सर्वज्ञानमयाय	स्वाहा
सर्वव्याधिविनाशिन्यै	स्वाहा	सर्वव्याधिविनाशिने	स्वाहा
सर्वाधारस्वरूपायै	स्वाहा	सर्वाधारस्वरूपाय	स्वाहा
सर्वपापहरायै	स्वाहा	सर्वपापहराय	स्वाहा
सर्वानन्दमय्यै	स्वाहा	सर्वानन्दमयाय	स्वाहा
सर्वरक्षास्वरूपिण्यै	स्वाहा	सर्वरक्षास्वरुपिणे	स्वाहा
सर्वेप्सितफलप्रदायै	स्वाहा	सर्वेप्सितफलप्रदाय	स्वाहा
सर्वरक्षाकरचक्रस्वामिन्यै	स्वाहा	सर्वरक्षाकरचक्रस्वामिने	स्वाहा
निगर्भयोगिन्यै	स्वाहा	निगर्भयोगिने	स्वाहा
वशिन्यै	स्वाहा	वशिने	स्वाहा
कामेश्वर्यै	स्वाहा	कामेश्वराय	स्वाहा
मोदिन्यै	स्वाहा	मोदिने	स्वाहा

विमलायै	स्वाहा	विमलाय	स्वाहा
अरुणायै	स्वाहा	अरुणाय	स्वाहा
जयिन्यै	स्वाहा	जयिने	स्वाहा
सर्वेश्वर्यै	स्वाहा	सर्वेश्वराय	स्वाहा
कौलिन्यै	स्वाहा	कौलिने	स्वाहा
सर्वरोगहरचक्रस्वामिन्यै	स्वाहा	सर्वरोगरहचक्रस्वामिने	स्वाहा
रहस्ययोगिन्यै	स्वाहा	रहस्ययोगिने	स्वाहा
बाणिन्यै	स्वाहा	बाणिने	स्वाहा
चापिन्यै	स्वाहा	चापिने	स्वाहा
पाशिन्यै	स्वाहा	पाशिने	स्वाहा
अङ्कुशिन्यै	स्वाहा	अङ्कुशिने	स्वाहा
महाकामेश्वर्यै	स्वाहा	महाकामेश्वराय	स्वाहा
महावज्रेश्वर्यै	स्वाहा	महावज्रेश्वराय	स्वाहा
महाभगमालिन्यै	स्वाहा	महाभगमालिने	स्वाहा
सर्वसिद्धिप्रदायकचक्रस्वामिन्यै	स्वाहा	सर्वसिद्धिप्रदायकचक्रस्वामिने	स्वाहा
अतिरहस्ययोगिन्यै	स्वाहा	अतिरहस्ययोगिने	स्वाहा
महात्रिपुरसुन्दर्यै	स्वाहा	महात्रिपुरसुन्दराय	स्वाहा
श्रीमहाभट्टारिकायै	स्वाहा	श्रीमहाभट्टारकाय	स्वाहा
सर्वानन्दमयचक्रस्वामिन्यै	स्वाहा	सर्वानन्दमयचक्रस्वामिने	स्वाहा
परापररहस्ययोगिन्यै	स्वाहा	परापररहस्ययोगिने	स्वाहा
त्रिपुरायै	स्वाहा	त्रिपुराय	स्वाहा
त्रिपुरेश्यै	स्वाहा	त्रिपुरेशाय	स्वाहा
त्रिपुरसुन्दर्यै	स्वाहा	त्रिपुरसुन्दराय	स्वाहा

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

त्रिपुरवासिन्यै	स्वाहा	त्रिपुरवासिने	स्वाहा
त्रिपुराश्रियै	स्वाहा	त्रिपुराश्रिये	स्वाहा
त्रिपुरमालिन्यै	स्वाहा	त्रिपुरमालिने	स्वाहा
त्रिपुरासिद्धायै	स्वाहा	त्रिपुरासिद्धाय	स्वाहा
त्रिपुराम्बायै	स्वाहा	त्रिपुराम्बाय	स्वाहा
त्रिपुरभैरव्यै	स्वाहा	त्रिपुरभैरवाय	स्वाहा
महात्रिपुरसुन्दर्यै	स्वाहा	महात्रिपुरसुन्दराय	स्वाहा
महामाहेश्वर्यै	स्वाहा	महामाहेश्वराय	स्वाहा
महामहाराज्ञ्यै	स्वाहा	महामहाराजाय	स्वाहा
महामहाशक्त्यै	स्वाहा	महामहाशक्तये	स्वाहा
महामहागुप्त्यै	स्वाहा	महामहागुप्तये	स्वाहा
महामहाज्ञप्त्यै	स्वाहा	महामहाज्ञप्तये	स्वाहा
महामहानन्दायै	स्वाहा	महामहानन्दाय	स्वाहा
महामहास्कन्दायै	स्वाहा	महामहास्कन्दाय	स्वाहा
महामहास्पन्दायै	स्वाहा	महामहास्पन्दाय	स्वाहा
महामहाशयायै	स्वाहा	महामहाशयाय	स्वाहा
महामहाश्रीचक्रनगरसाम्राज्यलक्ष्म्यै	स्वाहा	महामहाश्रीचक्रनगरसाम्राज्यलक्ष्म्ये	स्वाहा

नमस्ते नमस्ते नमस्ते स्वाहा ।

॥ श्रीं ह्रीं ऐं ओं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

(शु–चतुर्दशि) ॥ **अथ शुद्ध शक्तिशिव मिथुन तर्पणान्त माला ॥** (कृ–द्वितीया)

अस्य श्री शुद्धशक्तिशिव मिथुन तर्पणान्त माला महामन्त्रस्य प्रकृतीन्द्रियाधिष्ठायी नारायणरूपी मध्याह्नादित्य ऋषिः। अतिधृतिच्छन्दः। भोगद लकार भट्टारक पीठस्थित लीलावती नाम ललिता विभूषिताङ्गनिलय लावण्यनायक नाम कामेश्वर महाभट्टारको देवता ॥

ऐं बीजम् । क्लीं शक्तिः । सौः कीलकम् । मम भोग सिद्धौ विनियोगः ।

क ए ई ल ह्रीं	अङ्गुष्ठाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	तर्जनीभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	मध्यमाभ्यां नमः
क ए ई ल ह्रीं	अनामिकाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	कनिष्ठिकाभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	करतल करपृष्ठाभ्यां नमः

क ए ई ल ह्रीं	हृदयाय नमः
ह स क ह ल ह्रीं	शिरसे स्वाहा
स क ल ह्रीं	शिखायै वषट्
क ए ई ल ह्रीं	कवचाय हुं
ह स क ह ल ह्रीं	नेत्र त्रयाय वौषट्
स क ल ह्रीं	अस्त्राय फट्
भूर्भुवस्सुवरों इति दिग्बन्धः ।	

ध्यानं

अलौकिकं लौकिकं च द्विविधं सुखमण्डलम् ।
न दुर्लभं परशिवे त्वत्पादांभोज संगिनां ॥

लमित्यदि पञ्चपूजा ॥

(मूलं उच्चार्य)

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क ए ई ल ह्रीं ह स क ह ल ह्रीं स क ल ह्रीं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं

ॐ नमस्त्रिपुरसुन्दरीं	तर्पयामि	ॐ नमस्त्रिपुरसुन्दरं	तर्पयामि
हृदय देवीं	तर्पयामि	हृदयदेवं	तर्पयामि
शिरोदेवीं	तर्पयामि	शिरोदेवं	तर्पयामि
शिखादेवीं	तर्पयामि	शिखादेवं	तर्पयामि
कवचदेवीं	तर्पयामि	कवचदेवं	तर्पयामि
नेत्रदेवीं	तर्पयामि	नेत्रदेवं	तर्पयामि
अस्त्रदेवीं	तर्पयामि	अस्त्रदेवं	तर्पयामि
कामेश्वरीं	तर्पयामि	कामेश्वरं	तर्पयामि
भगमालिनीं	तर्पयामि	भगमालिनं	तर्पयामि
नित्यक्लिन्नां	तर्पयामि	नित्यक्लिन्नं	तर्पयामि
भेरुण्डां	तर्पयामि	भेरुण्डं	तर्पयामि
वह्निवासिनीं	तर्पयामि	वह्निवासिनं	तर्पयामि
महावज्रेश्वरीं	तर्पयामि	महावज्रेश्वरं	तर्पयामि
शिवदूतीं	तर्पयामि	शिवदूतं	तर्पयामि
त्वरितां	तर्पयामि	त्वरितं	तर्पयामि
कुलसुन्दरीं	तर्पयामि	कुलसुन्दरं	तर्पयामि
नित्यां	तर्पयामि	नित्यं	तर्पयामि
नीलपताकां	तर्पयामि	नीलपताकं	तर्पयामि
विजयां	तर्पयामि	विजयं	तर्पयामि
सर्वमङ्गलां	तर्पयामि	सर्वमङ्गलं	तर्पयामि
ज्वालामालिनीं	तर्पयामि	ज्वालामालिनं	तर्पयामि
चित्रां	तर्पयामि	चित्रं	तर्पयामि
महानित्यां	तर्पयामि	महानित्यं	तर्पयामि

परमेश्वरपरमेश्वरमयीं	तर्पयामि	परमेश्वरपरमेश्वरमयं	तर्पयामि
मित्रेशमयीं	तर्पयामि	मित्रेशमयं	तर्पयामि
षष्ठीशमयीं	तर्पयामि	षष्ठीशमयं	तर्पयामि
ओड्डीशमयीं	तर्पयामि	ओड्डीशमयं	तर्पयामि
चयार्नन्दनाथमयीं	तर्पयामि	चर्यानन्दनाथमयं	तर्पयामि
लोपामुद्रामयीं	तर्पयामि	लोपामुद्रामयं	तर्पयामि
अगस्त्यमयीं	तर्पयामि	अगस्त्यमयं	तर्पयामि
कालतापनमयीं	तर्पयामि	कालतापनमयं	तर्पयामि
धर्माचार्यनाथमयीं	तर्पयामि	धर्माचार्यनाथमयं	तर्पयामि
मुक्तकेशेश्वरमयीं	तर्पयामि	मुक्तकेशेश्वरमयं	तर्पयामि
दीपकलानाथमयीं	तर्पयमि	दीपकलानाथमयं	तर्पयामि
विष्णुदेवमयीं	तर्पयामि	विष्णुदेवमयं	तर्पयामि
प्रभाकरदेवमयीं	तर्पयामि	प्रभाकरदेवमयं	तर्पयामि
तेजोदेवमयीं	तर्पयामि	तेजोदेवमयं	तर्पयामि
मनोजदेवमयीं	तर्पयामि	मनोजदेवमयं	तर्पयामि
कल्याणदेवमयीं	तर्पयामि	कल्याणदेवमयं	तर्पयम्मि
रत्नदेवमयीं	तर्पयामि	रत्नदेवमयं	तर्पयामि
वासुदेवमयीं	तर्पयामि	वासुदेवमयं	तर्पयम्मि
श्रीरामानन्दनाथमयीं	तर्पयामि	श्रीरामानन्दनाथमयं	तर्पयामि
परप्रकाशानन्दनाथमयीं	तर्पयामि	परप्रकाशानन्दनाथमयं	तर्पयामि
परशिवानन्दनाथमयीं	तर्पयामि	परशिवानन्दनाथमयं	तर्पयम्मि
पराशक्त्यंबामयीं	तर्पयामि	पराशक्त्यंबामयं	तर्पयामि
पराधिकानन्दनाथमयीं	तर्पयामि	पराधिकानन्दनाथमयं	तर्पयामि

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

कुलेश्वरानन्दनाथमयीं	तर्पायामि	कुलेश्वरानन्दनाथमयं	तर्पायामि
शुक्लादेव्यम्बामयीं	तर्पयामि	शुक्लादेव्यम्बामयं	तर्पयामि
कामेश्वरानन्दनाथमयीं	तर्पयामि	कामेश्वरानन्दनाथमयं	तर्पयामि
कामेश्वर्यम्बामयीं	तर्पयामि	कामेश्वर्यम्बामयं	तर्पयामि
भोगानन्दनाथमयीं	तर्पयामि	भोगानन्दनाथमयं	तर्पयामि
क्लिन्नानन्दनाथमयीं	तर्पयामि	क्लिन्नानन्दनाथमयं	तर्पयामि
समयानन्दनाथमयीं	तर्पयामि	समयानन्दनाथमयं	तर्पयामि
सहजानन्दनाथमयीं	तर्पयामि	सहजानन्दनाथमयं	तर्पयामि
गगनानन्दनाथमयीं	तर्पयामि	गगनानन्दनाथमयं	तर्पयामि
विश्वानन्दनाथमयीं	तर्पयामि	विश्वानन्दनाथमयं	तर्पयामि
विमलानन्दनाथमयीं	तर्पयामि	विमलानन्दनाथमयं	तर्पयामि
मदनानन्दनाथमयीं	तर्पयामि	मदनानन्दनाथमयं	तर्पयामि
भुवनानन्दनाथमयीं	तर्पयामि	भुवनानन्दनाथमयं	तर्पयामि
लीलानन्दनाथमयीं	तर्पयामि	लीलानन्दनाथमयं	तर्पयामि
स्वात्मानन्दनाथमयीं	तर्पयामि	स्वात्मानन्दनाथमयं	तर्पयम्मि
प्रियानन्दनाथमयीं	तर्पयामि	प्रियानन्दनाथमयं	तर्पयामि
विमर्शानन्दनाथमयीं	तर्पयामि	विमर्शानन्दनाथमयं	तर्पयामि
प्रकाशानन्दनाथमयीं	तर्पयामि	प्रकाशानन्दनाथमयं	तर्पयामि
रामानन्दनाथमयीं	तर्पयामि	रामानन्दनाथमयं	तर्पयामि
अणिमासिद्धिं	तर्पयामि	अणिमासिद्धिं	तर्पयामि
लघिमासिद्धिं	तर्पयामि	लघिमासिद्धिं	तर्पयामि
महिमासिद्धिं	तर्पयामि	महिमासिद्धिं	तर्पयामि
ईशित्वसिद्धिं	तर्पयामि	ईशित्वसिद्धिं	तर्पयामि
वशित्वसिद्धिं	तर्पयामि	वशित्वसिद्धिं	तर्पयामि

प्राकाम्यसिद्धिं	तर्पयामि	प्राकाम्यसिद्धिं	तर्पयामि
भुक्तिसिद्धिं	तर्पयामि	भुक्तिसिद्धिं	तर्पयामि
इच्छासिद्धिं	तर्पयामि	इच्छासिद्धिं	तर्पयामि
प्राप्तिसिद्धिं	तर्पयामि	प्राप्तिसिद्धिं	तर्पयामि
सर्वकामसिद्धिं	तर्पयामि	सर्वकामसिद्धिं	तर्पयामि
ब्राह्मीं	तर्पयामि	ब्राह्मं	तर्पयामि
माहेश्वरीं	तर्पयामि	माहेश्वरं	तर्पयामि
कौमारीं	तर्पयामि	कौमारं	तर्पयामि
वैष्णवीं	तर्पयामि	वैष्णवं	तर्पयामि
वाराहीं	तर्पयामि	वाराहं	तर्पयामि
माहेन्द्रीं	तर्पयामि	माहेन्द्रं	तर्पयामि
चामुण्डां	तर्पयामि	चामुण्डं	तर्पयामि
महालक्ष्मीश्वरीं	तर्पयामि	महालक्ष्मीश्वरं	तर्पयामि
सर्वसंक्षोभिणीं	तर्पयामि	सर्वसंक्षोभिणं	तर्पयामि
सर्वविद्राविणीं	तर्पयामि	सर्वविद्राविणं	तर्पयामि
सर्वाकर्षिणीं	तर्पयामि	सर्वाकर्षिणं	तर्पयामि
सर्ववशङ्करीं	तर्पयामि	सर्ववशङ्करं	तर्पयामि
सर्वोन्मादिनीं	तर्पयामि	सर्वोन्मादिनं	तर्पयामि
सर्वमहाङ्कुशां	तर्पयामि	सर्वमहाङ्कुशं	तर्पयामि
सर्वखेचरीं	तर्पयामि	सर्वखेचरं	तर्पयामि
सर्वबीजां	तर्पयामि	सर्वबीजं	तर्पयामि
सर्वयोनिं	तर्पयामि	सर्वयोनिं	तर्पयामि
सर्वत्रिखण्डां	तर्पयामि	सर्वत्रिखण्डं	तर्पयामि
त्रैलोक्यमोहनचक्रस्वामिनीं	तर्पयामि	त्रैलोक्यमोहनचक्रस्वामिनं	तर्पयामि

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

प्रकटयोगिनीं	तर्पयामि	प्रकटयोगिनं	तर्पयामि	अनङ्गवेगिनीं	तर्पयामि	अनङ्गवेगिनं	तर्पयामि
कामाकर्षिणीं	तर्पयामि	कामाकर्षिणं	तर्पयामि	अनङ्गाङ्कुशां	तर्पयामि	अनङ्गाङ्कुशं	तर्पयामि
बुद्ध्याकर्षिणीं	तर्पयामि	बुद्ध्याकर्षिणं	तर्पयामि	अनङ्गमालिनीं	तर्पयामि	अनङ्गमालिनं	तर्पयामि
अहंकाराकर्षिणीं	तर्पयामि	अहंकाराकर्षिणं	तर्पयामि	सर्वसंक्षोभणचक्रस्वामिनीं	तर्पयामि	सर्वसंक्षोभणचक्रस्वामिनं	तर्पयामि
शब्दाकर्षिणीं	तर्पयामि	शब्दाकर्षिणं	तर्पयामि	गुप्ततरयोगिनीं	तर्पयामि	गुप्ततरयोगिनं	तर्पयामि
स्पर्शाकर्षिणीं	तर्पयामि	स्पर्शाकर्षिणं	तर्पयम्मि	सर्वसंक्षोभिणीं	तर्पयामि	सर्वसंक्षोभिणं	तर्पयामि
रूपाकर्षिणीं	तर्पयामि	रूपाकर्षिणं	तर्पयामि	सर्वविद्राविणीं	तर्पयामि	सर्वविद्राविणं	तर्पयामि
रसाकर्षिणीं	तर्पयामि	रसाकर्षिणं	तर्पयामि	सर्वाकर्षिणीं	तर्पयामि	सर्वाकर्षिणं	तर्पयामि
गन्धाकर्षिणीं	तर्पयामि	गन्धाकर्षिणं	तर्पयामि	सर्वाह्लादिनीं	तर्पयामि	सर्वाह्लादिनं	तर्पयामि
चित्ताकर्षिणीं	तर्पयामि	चित्ताकर्षिणं	तर्पयामि	सर्वसम्मोहिनीं	तर्पयामि	सर्वसंमोहिनं	तर्पयामि
धैर्याकर्षिणीं	तर्पयामि	धैर्याकर्षिणं	तर्पयामि	सर्वस्तम्भिनीं	तर्पयामि	सर्वस्तम्भिनं	तर्पयामि
स्मृत्याकर्षिणीं	तर्पयामि	स्मृत्याकर्षिणं	तर्पयामि	सर्वजृंभिनीं	तर्पयामि	सर्वजृम्भिनं	तर्पयामि
नामाकर्षिणीं	तर्पयामि	नामाकर्षिणं	तर्पयामि	सर्ववशङ्करीं	तर्पयामि	सर्ववशङ्क रं	तर्पयामि
बीजाकर्षिणीं	तर्पयामि	बीजाकर्षिणं	तर्पयामि	सर्वरञ्जनीं	तर्पयामि	सर्वरञ्जनं	तर्पयामि
आत्माकर्षिणीं	तर्पयामि	आत्माकर्षिणं	तर्पयामि	सर्वोन्मादिनीं	तर्पयामि	सर्वोन्मादिनं	तर्पयामि
अमृताकर्षिणीं	तर्पयामि	अमृताकर्षिणं	तर्पयामि	सर्वार्थसाधिनीं	तर्पयामि	सर्वार्थसाधिनं	तर्पयामि
शरीराकर्षिणीं	तर्पयामि	शरीराकर्षिणं	तर्पयामि	सर्वसंपत्तिपूरणीं	तर्पयामि	सर्वसंपत्तिपूरणं	तर्पयामि
सर्वाशापरिपूरकचक्रस्वामिनीं	तर्पयामि	सर्वाशापरिपूरकचक्रस्वामिनं	तर्पयामि	सर्वमन्त्रमयीं	तर्पयामि	सर्वमन्त्रमयं	तर्पयामि
गुप्तयोगिनीं	तर्पयामि	गुप्तयोगिनं	तर्पयामि	सर्वद्वन्द्वक्षयङ्करीं	तर्पयामि	सर्वद्वन्द्वक्षयङ्करं	तर्पयामि
अनङ्गकुसुमां	तर्पयामि	अनङ्गकुसुमं	तर्पयामि	सर्वसौभाग्यदायकचक्रस्वामिनीं	तर्पयामि	सर्वसौभाग्यदायकचक्रस्वामिनं	तर्पयामि
अनङ्गमेखलां	तर्पयामि	अनङ्गमेखलं	तर्पयामि	सम्प्रदाययोगिनीं	तर्पयामि	संप्रदाययोगिनं	तर्पयामि
अनङ्गमदनां	तर्पयामि	अनङ्गमदनं	तर्पयामि	सर्वसिद्धिप्रदाम्	तर्पयामि	सर्वसिद्धिप्रदं	तर्पयामि
अनङ्गमदनातुरां	तर्पयामि	अनङ्गमदनातुरं	तर्पयामि	सर्वसंपत्प्रदां	तर्पयामि	सर्वसंपत्प्रदं	तर्पयामि
अनङ्गरेखां	तर्पयामि	अनङ्गरेखं	तर्पयामि	सर्वप्रियङ्करीं	तर्पयामि	सर्वप्रियङ्करं	तर्पयामि

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

सर्वमङ्गलकारिणीं	तर्पयामि	सर्वमङ्गलकारिणं	तर्पयामि
सर्वकामफलप्रदां	तर्पयामि	सर्वकामफलप्रदं	तर्पयामि
सर्वदुःखविमोचनीं	तर्पयामि	सर्वदुःखविमोचनं	तर्पयामि
सर्वमृत्युप्रशमनीं	तर्पयामि	सर्वमृत्युप्रशमनं	तर्पयामि
सर्वविघ्ननिवारिणीं	तर्पयामि	सर्वविघ्ननिवारिणं	तर्पयामि
सर्वाङ्गसुन्दरीं	तर्पयामि	सर्वाङ्गसुन्दरं	तर्पयामि
सर्वसौभाग्यदायिनीं	तर्पयामि	सर्वसौभाग्यदायिनं	तर्पयामि
सर्वार्थसाधकचक्रस्वामिनीं	तर्पयामि	सर्वार्थसाधकचक्रस्वामिनं	तर्पयामि
कुलकौलयोगिनीं	तर्पयामि	कुलकौलयोगिनं	तर्पयामि
सर्वज्ञां	तर्पयामि	सर्वज्ञं	तर्पयामि
सर्वशक्तिं	तर्पयामि	सर्वशक्तिं	तर्पयामि
सर्वैश्वर्यप्रदां	तर्पयामि	सर्वैश्वर्यप्रदं	तर्पयामि
सर्वज्ञानमयीं	तर्पयामि	सर्वज्ञानमयं	तर्पयामि
सर्वव्याधिविनाशिनीं	तर्पयामि	सर्वव्याधिविनाशनं	तर्पयामि
सर्वाधारस्वरूपां	तर्पयामि	सर्वाधारस्वरूपं	तर्पयामि
सर्वपापहरां	तर्पयामि	सर्वपापहरं	तर्पयामि
सर्वानन्दमयीं	तर्पयामि	सर्वानन्दमयं	तर्पयामि
सर्वरक्षास्वरूपिणीं	तर्पयामि	सर्वरक्षास्वरूपिणं	तर्पयामि
सर्वेप्सितफलप्रदां	तर्पयामि	सर्वेप्सितफलप्रदं	तर्पयामि
सर्वरक्षाकरचक्रस्वामिनीं	तर्पयामि	सर्वरक्षाकरचक्रस्वामिनं	तर्पयामि
निगर्भय़ोगिनीं	तर्पयामि	निगर्भयोगिनं	तर्पयामि
वशिनीं	तर्पयामि	वशिनं	तर्पयामि
कामेश्वरीं	तर्पयामि	कामेश्वरं	तर्पयामि
मोदिनीं	तर्पयामि	मोदिनं	तर्पयामि

विमलां	तर्पयामि	विमलं	तर्पयामि
अरुणां	तर्पयामि	अरुणं	तर्पयामि
जयिनीं	तर्पयामि	जयिनं	तर्पयामि
सर्वेश्वरीं	तर्पयामि	सर्वेश्वरं	तर्पयामि
कौलिनीं	तर्पयामि	कौलिनं	तर्पयामि
सर्वरोगहरचक्रस्वामिनीं	तर्पयामि	सर्वरोगहरचक्रस्वामिनं	तर्पयामि
रहस्ययोगिनीं	तर्पयामि	रहस्ययोगिनं	तर्पयामि
बाणिनीं	तर्पयामि	बाणिनं	तर्पयामि
चापिनीं	तर्पयामि	चापिनं	तर्पयामि
पाशिनीं	तर्पयामि	पाशिनं	तर्पयामि
अङ्कुशिनीं	तर्पयामि	अङ्कुशिनं	तर्पयामि
महाकामेश्वरीं	तर्पयामि	महाकामेश्वरं	तर्पयामि
महावज्रेश्वरीं	तर्पयामि	महावज्रेश्वरं	तर्पयामि
महाभगमालिनीं	तर्पयामि	महाभगमालिनं	तर्पयामि
सर्वसिद्धिप्रदायकचक्रस्वामिनीं	तर्पयामि	सर्वसिद्धिप्रदायकचक्रस्वामिनं	तर्पयामि
अतिरहस्ययोगिनीं	तर्पयामि	अतिरहस्ययोगिनं	तर्पयामि
महात्रिपुरसुन्दरीं	तर्पयामि	महात्रिपुरसुन्दरं	तर्पयामि
श्रीमहाभट्टारिकां	तर्पयामि	श्रीमहाभट्टारकं	तर्पयामि
सर्वानन्दमयचक्रस्वामिनीं	तर्पयामि	सर्वानन्दमयचक्रस्वामिनं	तर्पयामि
परापररहस्ययोगिनीं	तर्पयामि	परापररहस्य योगिनं	तर्पयामि
त्रिपुरां	तर्पयामि	त्रिपुरं	तर्पयामि
त्रिपुरेशीं	तर्पयामि	त्रिपुरेशं	तर्पयामि
त्रिपुरसुन्दरीं	तर्पयामि	त्रिपुरसुन्दरं	तर्पयामि
त्रिपुरवासिनीं	तर्पयामि	त्रिपुरवासिनं	तर्पयामि

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

त्रिपुराश्रियं	तर्पयामि	त्रिपुराश्रियं	तर्पयामि
त्रिपुरमालिनीं	तर्पयामि	त्रिपुरमालिनं	तर्पयामि
त्रिपुरासिद्धां	तर्पयामि	त्रिपुरासिद्धं	तर्पयामि
त्रिपुराम्बां	तर्पयामि	त्रिपुराम्बं	तर्पयामि
त्रिपुरभैरवीं	तर्पयामि	त्रिपुरभैरवं	तर्पयामि
महात्रिपुरसुन्दरीं	तर्पयामि	महात्रिपुरसुन्दरं	तर्पयामि
महामाहेश्वरीं	तर्पयामि	महामाहेश्वरं	तर्पयामि
महामहाराज्ञीं	तर्पयामि	महामहाराजं	तर्पयामि
महामहाशक्तिं	तर्पयामि	महामहाशक्तिं	तर्पयामि
महामहागुप्तिं	तर्पयामि	महामहागुप्तिं	तर्पयामि
महामहाज्ञप्तिं	तर्पयामि	महामहाज्ञप्तिं	तर्पयामि
महामहानन्दां	तर्पयामि	महामहानन्दं	तर्पयामि
महामहास्कन्दां	तर्पयामि	महामहास्कन्दं	तर्पयामि
महामहास्पन्दां	तर्पयामि	महामहास्पन्दं	तर्पयामि
महामहाशयां	तर्पयामि	महामहाशयं	तर्पयामि
महामहाश्रीचक्रनगरसाम्राज्यलक्ष्मीं	तर्पयामि	महामहाश्रीचक्रनगरसाम्राज्यलक्ष्म्यं	तर्पयामि

नमस्ते नमस्ते नमस्ते स्वाहा ।

॥ श्रीं ह्रीं ऐं ओं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

(शु-पौर्णमि) ॥ अथ शुद्धशक्तिशिव मिथुन जयान्तमाला ॥ (कृ-प्रथमा)

अस्य श्री शुद्ध शक्ति शिव मिथुन जयान्तमाला महामन्त्रस्य पुरुषेन्द्रियाधिष्ठायी महेश्वर रूपी सायमादित्य ऋषिः। कृतिच्छन्दः। मोक्षद ह्रींकार भट्टारक पीठस्थित हरीश्वरी नाम ललिता विभूषिताङ्ग निलय हिरण्यबाहु नाम कामेश्वर महाभट्टारको देवता ॥

ऐं बीजम् । क्लीं शक्तिः । सौः कीलकम् । मम मोक्ष सिद्धौ विनियोगः ।

क ए ई ल ह्रीं	अङ्गुष्ठाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	तर्जनीभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	मध्यमाभ्यां नमः
क ए ई ल ह्रीं	अनामिकाभ्यां नमः
ह स क ह ल ह्रीं	कनिष्ठिकाभ्यां नमः
स क ल ह्रीं	करतल करपृष्ठाभ्यां नमः

क ए ई ल ह्रीं	हृदयाय नमः
ह स क ह ल ह्रीं	शिरसे स्वाहा
स क ल ह्रीं	शिखायै वषट्
क ए ई ल ह्रीं	कवचाय हुं
ह स क ह ल ह्रीं	नेत्र त्रयाय वौषट्
स क ल ह्रीं	अस्त्राय फट्
भूर्भुवस्सुवरों इति दिग्बन्धः ।	

ध्यानं:

या देवता भोगकरी सा न मोक्षाय कल्पते।
मोक्षदा न हि भोगाय ललिता तद्वयास्पदं।
ललिता भक्तियुक्तानां भोगमोक्षैक कारणं।
सप्ताष्टमाला मन्त्रस्य जप ध्यानाधिकं परं॥

लमित्यदि पञ्चपूजा ॥

(मूलं उच्चार्य)

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क ए ई ल ह्रीं ह स क ह ल ह्रीं स क ल ह्रीं ॥

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं

ओं नमस्त्रिपुरसुन्दरि	जय जय	ओं नमस्त्रिपुरसुन्दर	जय जय
हृदय देवि	जय जय	हृदयदेव	जय जय
शिरोदेवि	जय जय	शिरोदेव	जय जय
शिखादेवि	जय जय	शिखादेव	जय जय
कवचदेवि	जय जय	कवचदेव	जय जय
नेत्रदेवि	जय जय	नेत्रदेव	जय जय
अस्त्रदेवि	जय जय	अस्त्रदेव	जय जय
कामेश्वरि	जय जय	कामेश्वर	जय जय
भगमालिनि	जय जय	भगमालिन्	जय जय
नित्यक्लिन्ने	जय जय	नित्यक्लिन्न	जय जय
भेरुण्डे	जय जय	भेरुण्ड	जय जय
वह्निवासिनि	जय जय	वह्निवासिन्	जय जय
महावज्रेश्वरि	जय जय	महावज्रेश्वर	जय जय
शिवदूति	जय जय	शिवदूत	जय जय
त्वरिते	जय जय	त्वरित	जय जय
कुलसुन्दरि	जय जय	कुलसुन्दर	जय जय
नित्ये	जय जय	नित्य	जय जय
नीलपताके	जय जय	नीलपताक	जय जय
विजये	जय जय	विजय	जय जय
सर्वमङ्गले	जय जय	सर्वमङ्गल	जय जय
ज्वालामालिनि	जय जय	ज्वालामालिन्	जय जय
चित्रे	जय जय	चित्र	जय जय
महानित्ये	जय जय	महानित्य	जय जय

परमेश्वरपरमेश्वरमयि	जय जय	परमेश्वरपरमेश्वरमय	जय जय
मित्रेशमयि	जय जय	मित्रेशमय	जय जय
षष्ठीशमयि	जय जय	षष्ठीशमय	जय जय
ओड्डीशमयि	जय जय	ओड्डीशमय	जय जय
चर्यानन्दनाथमयि	जय जय	चर्यानन्दनाथमय	जय जय
लोपामुद्रामयि	जय जय	लोपामुद्रामय	जय जय
अगस्त्यमयि	जय जय	अगस्त्यमय	जय जय
कालतापनमयि	जय जय	कालतापनमय	जय जय
धर्माचार्यनाथमयि	जय जय	धर्माचार्यनाथमय	जय जय
मुक्तकेशेश्वरमयि	जय जय	मुक्तकेशेश्वरमय	जय जय
दीपकलानाथमयि	जय जय	दीपकलानाथमय	जय जय
विष्णुदेवमयि	जय जय	विष्णुदेवमय	जय जय
प्रभाकरदेवमयि	जय जय	प्रभाकरदेवमय	जय जय
तेजोदेवमयि	जय जय	तेजोदेवमय	जय जय
मनोजदेवमयि	जय जय	मनोजदेवमय	जय जय
कल्याणदेवमयि	जय जय	कल्याणदेवमय	जय जय
रत्नदेवमयि	जय जय	रत्नदेवमय	जय जय
वासुदेवमयि	जय जय	वासुदेवमय	जय जय
श्रीरामानन्दनाथमयि	जय जय	श्रीरामानन्दनाथमय	जय जय
परप्रकाशानन्दनाथमयि	जय जय	परप्रकाशानन्दनाथमय	जय जय
परशिवानन्दनाथमयि	जय जय	परशिवानन्दनाथमय	जय जय
पराशक्त्यंबामयि	जय जय	पराशक्त्यंबामय	जय जय
पराधिकानन्दनाथमयि	जय जय	पराधिकानन्दनाथमय	जय जय
कुलेश्वरानन्दनाथमयि	जय जय	कुलेश्वरानन्दनाथमय	जय जय

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

शुक्लादेव्यम्बामयि	जय जय	शुक्लादेव्यम्बामय	जय जय
कामेश्वरानन्दनाथमयि	जय जय	कामेश्वरानन्दनाथमय	जय जय
कामेश्वर्यम्बामयि	जय जय	कामेश्वर्यम्बामय	जय जय
भोगानन्दनाथमयि	जय जय	भोगानन्दनाथमय	जय जय
क्लिन्नानन्दनाथमयि	जय जय	क्लिन्नानन्दनाथमय	जय जय
समयानन्दनाथमयि	जय जय	समयानन्दनाथमय	जय जय
सहजानन्दनाथमयि	जय जय	सहजानन्दनाथमय	जय जय
गगनानन्दनाथमयि	जय जय	गगनानन्दनाथमय	जय जय
विश्वानन्दनाथमयि	जय जय	विश्वानन्दनाथमय	जय जय
विमलानन्दनाथमयि	जय जय	विमलानन्दनाथमय	जय जय
मदनानन्दनाथमयि	जय जय	मदनानन्दनाथमय	जय जय
भुवनानन्दनाथमयि	जय जय	भुवनानन्दनाथमय	जय जय
लीलानन्दनाथमयि	जय जय	लीलानन्दनाथमय	जय जय
स्वात्मानन्दनाथमयि	जय जय	स्वात्मानन्दनाथमय	जय जय
प्रियानन्दनाथमयि	जय जय	प्रियानन्दनाथमय	जय जय
विमर्शानन्दनाथमयि	जय जय	विमर्शानन्दनाथमय	जय जय
प्रकाशानन्दनाथमयि	जय जय	प्रकाशानन्दनाथमय	जय जय
रामानन्दनाथमयि	जय जय	रामानन्दनाथमय	जय जय
अणिमासिद्धे	जय जय	अणिमासिद्धे	जय जय
लघिमासिद्धे	जय जय	लघिमासिद्धे	जय जय
महिमासिद्धे	जय जय	महिमासिद्धे	जय जय
ईशित्वसिद्धे	जय जय	ईशित्वसिद्धे	जय जय
वशित्वसिद्धे	जय जय	वशित्वसिद्धे	जय जय
प्राकाम्यसिद्धे	जय जय	प्राकाम्यसिद्धे	जय जय

भुक्तिसिद्धे	जय जय	भुक्तिसिद्धे	जय जय
इच्छासिद्धे	जय जय	इच्छासिद्धे	जय जय
प्राप्तिसिद्धे	जय जय	प्राप्तिसिद्धे	जय जय
सर्वकामसिद्धे	जय जय	सर्वकामसिद्धे	जय जय
ब्राह्मि	जय जय	ब्राह्म	जय जय
माहेश्वरि	जय जय	माहेश्वर	जय जय
कौमारि	जय जय	कौमार	जय जय
वैष्णवि	जय जय	वैष्णव	जय जय
वाराहि	जय जय	वाराह	जय जय
माहेन्द्रि	जय जय	माहेन्द्र	जय जय
चामुण्डे	जय जय	चामुण्ड	जय जय
महालक्ष्मीश्वरि	जय जय	महालक्ष्मीश्वर	जय जय
सर्वसंक्षोभिणि	जय जय	सर्वसंक्षोभिन्	जय जय
सर्वविद्राविणि	जय जय	सर्वविद्राविन्	जय जय
सर्वाकर्षिणि	जय जय	सर्वाकर्षिन्	जय जय
सर्ववशङ्करि	जय जय	सर्ववशङ्कर	जय जय
सर्वोन्मादिनि	जय जय	सर्वोन्मादिन्	जय जय
सर्वमहाङ्कुशे	जय जय	सर्वमहाङ्कुश	जय जय
सर्वखेचरि	जय जय	सर्वखेचर	जय जय
सर्वबीजे	जय जय	सर्वबीज	जय जय
सर्वयोने	जय जय	सर्वयोने	जय जय
सर्वत्रिखण्डे	जय जय	सर्वत्रिखण्ड	जय जय
त्रैलोक्यमोहनचक्रस्वामिनि	जय जय	त्रैलोक्यमोहनचक्रस्वामिन्	जय जय
प्रकटयोगिनि	जय जय	प्रकटयोगिन्	जय जय

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

कामाकर्षिणि	जय जय	कामाकर्षिन्	जय जय	अनङ्गाङ्कुशे	जय जय	अनङ्गाङ्कुश	जय जय
बुद्ध्याकर्षिणि	जय जय	बुद्ध्याकर्षिन्	जय जय	अनङ्गमालिनि	जय जय	अनङ्गमालिन्	जय जय
अहंकाराकर्षिणि	जय जय	अहंकाराकर्षिन्	जय जय	सर्वसंक्षोभणचक्रस्वामिनि	जय जय	सर्वसंक्षोभणचक्रस्वामिन्	जय जय
शब्दाकर्षिणि	जय जय	शब्दाकर्षिन्	जय जय	गुप्ततरयोगिनि	जय जय	गुप्ततरयोगिन्	जय जय
स्पर्शाकर्षिणि	जय जय	स्पर्शाकर्षिन्	जय जय	सर्वसंक्षोभिणि	जय जय	सर्वसंक्षोभिन्	जय जय
रूपाकर्षिणि	जय जय	रुपाकर्षिन्	जय जय	सर्वविद्राविणि	जय जय	सर्वविद्राविन्	जय जय
रसाकर्षिणि	जय जय	रसाकर्षिन्	जय जय	सर्वाकर्षिणि	जय जय	सर्वाकर्षिन्	जय जय
गन्धाकर्षिणि	जय जय	गन्धाकर्षिन्	जय जय	सर्वाह्लादिनि	जय जय	सर्वाह्लादिन्	जय जय
चित्ताकर्षिणि	जय जय	चित्ताकर्षिन्	जय जय	सर्वसम्मोहिनि	जय जय	सर्वसम्मोहिन्	जय जय
धैर्याकर्षिणि	जय जय	धैर्याकर्षिन्	जय जय	सर्वस्तम्भिनि	जय जय	सर्वस्तम्भिन्	जय जय
स्मृत्याकर्षिणि	जय जय	स्मृत्याकर्षिन्	जय जय	सर्वजृंभिनि	जय जय	सर्वजृंभिन्	जय जय
नामाकर्षिणि	जय जय	नामाकर्षिन्	जय जय	सर्ववशङ्करि	जय जय	सर्ववशङ्कर	जय जय
बीजाकर्षिणि	जय जय	बीजाकर्षिन्	जय जय	सर्वरञ्जनि	जय जय	सर्वरञ्जनि	जय जय
आत्माकर्षिणि	जय जय	आत्माकर्षिन्	जय जय	सर्वोन्मादिनि	जय जय	सर्वोन्मादिन्	जय जय
अमृताकर्षिणि	जय जय	अमृताकर्षिन्	जय जय	सर्वार्थसाधिनि	जय जय	सर्वार्थसाधिन्	जय जय
शरीराकर्षिणि	जय जय	शरीराकर्षिन्	जय जय	सर्वसंपत्तिपूरणि	जय जय	सर्वसंपत्तिपूरण	जय जय
सर्वाशापरिपूरकचक्रस्वामिनि	जय जय	सर्वाशापरिपूरकचक्रस्वामिन्	जय जय	सर्वमन्त्रमयि	जय जय	सर्वमन्त्रमय	जय जय
गुप्तयोगिनि	जय जय	गुप्तयोगिन्	जय जय	सर्वद्वन्द्वक्षयङ्करि	जय जय	सर्वद्वन्द्वक्षयङ्कर	जय जय
अनङ्गकुसुमे	जय जय	अनङ्गकुसुम	जय जय	सर्वसौभाग्यदायकचक्रस्वामिनि	जय जय	सर्वसौभाग्यदायकचक्रस्वामिन्	जय जय
अनङ्गमेखले	जय जय	अनङ्गमेखल	जय जय	संप्रदाययोगिनि	जय जय	संप्रदाययोगिन्	जय जय
अनङ्गमदने	जय जय	अनङ्गमदन	जय जय	सर्वसिद्धिप्रदे	जय जय	सर्वसिद्धिप्रद	जय जय
अनङ्गमदनातुरे	जय जय	अनङ्गमदनातुर	जय जय	सर्वसंपत्प्रदे	जय जय	सर्वसंपत्प्रद	जय जय
अनङ्गरेखे	जय जय	अनङ्गरेख	जय जय	सर्वप्रियङ्करि	जय जय	सर्वप्रियङ्कर	जय जय
अनङ्गवेगिनि	जय जय	अनङ्गवेगिन्	जय जय	सर्वमङ्गलकारिणि	जय जय	सर्वमङ्गलकारिन्	जय जय

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

सर्वकामफलप्रदे	जय जय सर्वकामफलप्रद	जय जय	अरुणे	जय जय अरुण	जय जय
सर्वदुःखविमोचनि	जय जय सर्वदुःखविमोचन	जय जय	जयिनि	जय जय जयिन्	जय जय
सर्वमृत्युप्रशमनि	जय जय सर्वमृत्युप्रशमन	जय जय	सर्वेश्वरि	जय जय सर्वेश्वर	जय जय
सर्वविघ्ननिवारिणि	जय जय सर्वविघ्ननिवारिण	जय जय	कौलिनि	जय जय कौलिन्	जय जय
सर्वाङ्गसुन्दरि	जय जय सर्वाङ्गसुन्दर	जय जय	सर्वरोगहरचक्रस्वामिनि	जय जय सर्वरोगहरचक्रस्वामिन्	जय जय
सर्वसौभाग्यदायिनि	जय जय सर्वसौभाग्यदायिन्	जय जय	रहस्ययोगिनि	जय जय रहस्ययोगिन्	जय जय
सर्वार्थसाधकचक्रस्वामिनि	जय जय सर्वार्थसाधकचक्रस्वामिन्	जय जय	बाणिनि	जय जय बाणिन्	जय जय
कुलकौलयोगिनि	जय जय कुलकौलयोगिन्	जय जय	चापिनि	जय जय चापिन्	जय जय
सर्वज्ञे	जय जय सर्वज्ञ	जय जय	पाशिनि	जय जय पाशिन्	जय जय
सर्वशक्ते	जय जय सर्वशक्ते	जय जय	अङ्कुशिनि	जय जय अङ्कुशिन्	जय जय
सर्वैश्वर्यप्रदे	जय जय सर्वैश्वर्यप्रद	जय जय	महाकामेश्वरि	जय जय महाकामेश्वर	जय जय
सर्वज्ञानमयि	जय जय सर्वज्ञानमय	जय जय	महावज्रेश्वरि	जय जय महावज्रेश्वर	जय जय
सर्वव्याधिविनाशिनि	जय जय सर्वव्याधिविनाशन	जय जय	महाभगमालिनि	जय जय महाभगमालिन्	जय जय
सर्वाधारस्वरूपे	जय जय सर्वाधारस्वरूप	जय जय	सर्वसिद्धिप्रदायकचक्रस्वामिनि	जय जय सर्वसिद्धिप्रदायकचक्रस्वामिन्	जय जय
सर्वपापहरे	जय जय सर्वपापहर	जय जय	अतिरहस्ययोगिनि	जय जय अतिरहस्ययोगिन्	जय जय
सर्वानन्दमयि	जय जय सर्वानन्दमय	जय जय	महात्रिपुरसुन्दरि	जय जय महात्रिपुरसुन्दर	जय जय
सर्वरक्षास्वरूपिणि	जय जय सर्वरक्षास्वरुपिन्	जय जय	श्रीमहाभट्टारिके	जय जय श्रीमहाभट्टारक	जय जय
सर्वेप्सितफलप्रदे	जय जय सर्वेप्सितफलप्रद	जय जय	सर्वानन्दमयचक्रस्वामिनि	जय जय सर्वानन्दमयचक्रस्वामिन्	जय जय
सर्वरक्षाकरचक्रस्वामिनि	जय जय सर्वरक्षाकरचक्रस्वामिन्	जय जय	परापररहस्ययोगिनि	जय जय परापररहस्ययोगिन्	जय जय
निगर्भयोगिनि	जय जय निगर्भयोगिन्	जय जय	त्रिपुरे	जय जय त्रिपुर	जय जय
वशिनि	जय जय वशिन्	जय जय	त्रिपुरशि	जय जय त्रिपुरेश	जय जय
कामेश्वरि	जय जय कामेश्वर	जय जय	त्रिपुरसुन्दरि	जय जय त्रिपुरसुन्दर	जय जय
मोदिनि	जय जय मोदिन्	जय जय	त्रिपुरवासिनि	जय जय त्रिपुरवासिन्	जय जय
विमले	जय जय विमल	जय जय	त्रिपुराश्री	जय जय त्रिपुराश्रीः	जय जय

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

त्रिपुरमालिनि	जय जय	त्रिपुरमालिन्	जय जय
त्रिपुरासिद्धे	जय जय	त्रिपुरासिद्ध	जय जय
त्रिपुराम्बे	जय जय	त्रिपुराम्ब	जय जय
त्रिपुरभैरवि	जय जय	त्रिपुरभैरव	जय जय
महात्रिपुरसुन्दरि	जय जय	महात्रिपुरसुन्दर	जय जय
महामाहेश्वरि	जय जय	महामाहेश्वर	जय जय
महामहाराज्ञि	जय जय	महामहाराज	जय जय
महामहाशक्ते	जय जय	महामहाशक्ते	जय जय
महामहागुप्ते	जय जय	महामहागुप्ते	जय जय
महामहाज्ञप्ते	जय जय	महामहाज्ञप्ते	जय जय
महामहानन्दे	जय जय	महामहानन्द	जय जय
महामहास्कन्दे	जय जय	महामहास्कन्द	जय जय
महामहास्पन्दे	जय जय	महामहास्पन्द	जय जय
महामहाशये	जय जय	महामहाशय	जय जय
महामहाश्रीचक्रनगरसाम्राज्यलक्ष्मि	जय जय	महामहाश्रीचक्रनगरसाम्राज्यलक्ष्मीः	जय जय

नमस्ते नमस्ते नमस्ते स्वाहा ।

॥ श्रीं ह्रीं ऐं ओं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

॥ अथ सुवर्ण कुसुमाञ्जलि माला ॥

अस्यश्री सुवर्णकुसुमाञ्जलि माला महामन्त्रस्य सकलेन्द्रियाधिष्ठायी श्री दक्षिणामूर्ति ऋषय: । गायत्रीच्छन्द: । सात्विक राजस तामस भोगद मोक्षद पञ्चदशविद्या भट्टारक पीठस्थित परमशिवपर्यङ्क निलया कामेश्वरी महाभट्टारिका देवता ॥

क ए ई ल ह्री बीजं । ह स क ह ल ह्रीं शक्ति: । स क ल ह्रीं कीलकं । मम सर्व सिद्धौ विनियोग: ।

क ए ई ल ह्रीं	अङ्गुष्ठाभ्यां नम:	क ए ई ल ह्रीं	हृदयाय नम:
ह स क ह ल ह्रीं	तर्जनीभ्यां नम:	ह स क ह ल ह्रीं	शिरसे स्वाहा
स क ल ह्रीं	मध्यमाभ्यां नम:	स क ल ह्रीं	शिखायै वषट्
क ए ई ल ह्रीं	अनामिकाभ्यां नम:	क ए ई ल ह्रीं	कवचाय हुं
ह स क ह ल ह्रीं	कनिष्ठिकाभ्यां नम:	ह स क ह ल ह्रीं	नेत्र त्रयाय वौषट्
स क ल ह्रीं	करतल करपृष्ठाभ्यां नम:	स क ल ह्रीं	अस्त्राय फट्
		भूर्भुवस्सुवरों इति दिग्बन्ध: ।	

ध्यानं

तटिल्लेखा तन्वीं तपन शशि वैश्वानरमयीं निषण्णां षण्णा मप्युपरि कमलानां तव कलाम् ।
महापद्माटव्यां मृदित मलमायेन मनसा महान्त: पश्यन्तो दधति परमाह्लाद लहरीम् ॥
स्वदेहोद्भूताभि र्घृणिभि रणिमाद्याभि स्सिद्धिभि रभितो निषेव्यां यस्त्वा महमिति भावयति स: ।
किमाश्चर्यं तस्य त्रिणयन समृद्धिं तृणयत: महा संवर्त्ताग्नि र्विरचयति नीराजन विधिम् ॥

लमित्यदि पञ्चपूजा ॥

(मूलं उच्चार्य)

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क ए ई ल ह्रीं ह स क ह ल ह्रीं स क ल ह्रीं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

ओं ऐं ह्रीं श्रीं

ओं नमस्त्रिपुरसुन्दरि
हृदय देवि
शिरोदेवि
शिखादेवि
कवचदेवि
नेत्रदेवि
अस्त्रदेवि
कामेश्वरि
भगमालिनि
नित्यक्लिन्ने
भेरुण्डे
वह्निवासिनि
महावज्रेश्वरि
शिवदूति
त्वरिते
कुलसुन्दरि
नित्ये
नीलपताके
विजये
सर्वमङ्गले
ज्वालामालिनि
चित्रे
महानित्ये

परमेश्वरपरमेश्वरमयि
मित्रेशमयि
षष्ठीशमयि
ओड्डीशमयि
चर्यानन्दनाथमयि
लोपामुद्रामयि
अगस्त्यमयि
कालतापनमयि
धर्माचार्यनाथमयि
मुक्तकेशेश्वरमयि
दीपकलानाथमयि
विष्णुदेवमयि
प्रभाकरदेवमयि
तेजोदेवमयि
मनोजदेवमयि
कल्याणदेवमयि
रत्नदेवमयि
वासुदेवमयि
श्री रामानन्दनाथमयि
परप्रकाशानन्दनाथमयि
परशिवानन्दनाथमयि
पराशक्त्यम्बामयि
पराधिकानन्दनाथमयि
कुलेश्वरानन्दनाथमयि

शुक्लादेव्यम्बामयि
कामेश्वरानन्दनाथमयि
कामेश्वर्यम्बामयि
भोगानन्दनाथमयि
क्लिन्नानन्दनाथमयि
समयानन्दनाथमयि
सहजानन्दनाथमयि
गगनानन्दनाथमयि
विश्वानन्दनाथमयि
विमलानन्दनाथमयि
मदनानन्दनाथमयि
भुवनानन्दनाथमयि
लीलानन्दनाथमयि
स्वात्मानन्दनाथमयि
प्रियानन्दनाथमयि
विमर्शानन्दनाथमयि
प्रकाशानन्दनाथमयि
रामानन्दनाथमयि
अणिमासिद्धे
लघिमासिद्धे
महिमासिद्धे
ईशित्वसिद्धे
वशित्वसिद्धे
प्राकाम्यसिद्धे

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

भुक्तिसिद्धे
इच्छासिद्धे
प्राप्तिसिद्धे
सर्वकामसिद्धे
ब्राह्मि
माहेश्वरि
कौमारि
वैष्णवि
वाराहि
माहेन्द्रि
चामुण्डे
महालक्ष्मीश्वरि
सर्व संक्षोभिणि
सर्व विद्राविणि
सर्वाकर्षिणि
सर्व वशङ्करि
सर्वोन्मादिनि
सर्वमहाङ्कुशे
सर्वखेचरि
सर्वबीजे
सर्वयोने
सर्वत्रिखण्डे
त्रैलोक्यमोहनचक्रस्वामिनि
प्रकटयोगिनि

कामाकर्षिणि
बुद्ध्याकर्षिणि
अहंकाराकर्षिणि
शब्दाकर्षिणि
स्पर्शाकर्षिणि
रूपाकर्षिणि
रसाकर्षिणि
गन्धाकर्षिणि
चित्ताकर्षिणि
धैर्याकर्षिणि
स्मृत्याकर्षिणि
नामाकर्षिणि
बीजाकर्षिणि
आत्माकर्षिणि
अमृताकर्षिणि
शरीराकर्षिणि
सर्वाशापरिपूरकचक्रस्वामिनि
गुप्तयोगिनि
अनङ्गकुसुमे
अनङ्गमेखले
अनङ्गमदने
अनङ्गमदनातुरे
अनङ्गरेखे
अनङ्गवेगिनि

अनङ्गाङ्कुशे
अनङ्गमालिनि
सर्वसंक्षोभणचक्रस्वामिनि
गुप्ततरयोगिनि
सर्वसंक्षोभिणि
सर्वविद्राविणि
सर्वाकर्षिणि
सर्वाह्लादिनि
सर्वसंमोहिनि
सर्वस्तम्भिनि
सर्वजृंभिनि
सर्ववशङ्करि
सर्वरञ्जनि
सर्वोन्मादिनि
सर्वार्थसाधिनि
सर्वसम्पत्तिपूरणि
सर्वमन्त्रमयि
सर्वद्वन्द्वक्षयङ्करि
सर्वसौभाग्यदायकचक्रस्वामिनि
सम्प्रदाययोगिनि
सर्वसिद्धिप्रदे
सर्वसंपत्प्रदे
सर्वप्रियङ्करि
सर्वमङ्गलकारिणि

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram

सर्व कामफलप्रदे
सर्व दुःख विमोचनि
सर्व मृत्यु प्रशमनि
सर्वविघ्ननिवारिणि
सर्वाङ्गसुन्दरि
सर्वसौभाग्यदायिनि
सर्वार्थसाधकचक्रस्वामिनि
कुलकौल योगिनि
सर्वज्ञे
सर्वशक्ते
सर्वैश्वर्यप्रदे
सर्वज्ञानमयि
सर्वव्याधिविनाशिनि
सर्वाधार स्वरूपे
सर्वपापहरे
सर्वानन्दमयि
सर्वरक्षास्वरूपिणि
सर्वेप्सितफलप्रदे
सर्वरक्षाकरचक्रस्वामिनि
निगर्भयोगिनि
वशिनि
कामेश्वरि

मोदिनि
विमले
अरुणे
जयिनि
सर्वेश्वरि
कौलिनि
सर्वरोगहरचक्रस्वामिनि
रहस्य योगिनि
बाणिनि
चापिनि
पाशिनि
अङ्कुशिनि
महा कामेश्वरि
महा वज्रेश्वरि
महा भगमालिनि
सर्वसिद्धिप्रदायकचक्रस्वामिनि
अतिरहस्य योगिनि
महा त्रिपुरसुन्दरि
श्री महा भट्टारिके
सर्वानन्दमयचक्र स्वामिनि
परापर रहस्य योगिनि
त्रिपुरे

त्रिपुरेशि
त्रिपुरसुन्दरि
त्रिपुरवासिनि
त्रिपुराश्री
त्रिपुरमालिनि
त्रिपुरासिद्धे
त्रिपुराम्बे
त्रिपुरभैरवि
महात्रिपुरसुन्दरि
महामाहेश्वरि
महामहाराज्ञि
महामहाशक्ते
महामहागुप्ते
महामहाज्ञप्ते
महामहानन्दे
महामहास्कन्दे
महामहास्पन्दे
महामहाशये
महामहाश्रीचक्रनगरसाम्राज्यलक्ष्मि
नमस्ते नमस्ते नमस्ते स्वाहा ॥
॥ श्रीं ह्रीं ऐं ओं ॥

Copyright@Bhaskara Prakasha Ashram